हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 7 अगस्त 2026



SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..

भव्य शुभारंभ

नि:शुल्क मेगा स्पाइन एवं आर्थोपेडिक शिविर

7, 8 एवं 9 अगस्त 2026



मुख्य अतिथि :
मान. डॉ. रमन सिंह जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा

50 जरूरतमंद मरीजों की पूर्णतया नि:शुल्क सर्जरी



विशिष्ट अतिथि :
मान. अरूण साव जी
उप-मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशेष अतिथिगण :



मान. बृजमोहन अग्रवाल जी
सांसद, रायपुर



मान. राजेश मूणत जी
विधायक, रायपुर पश्चिम



मान. पुरंदर मिश्रा जी
विधायक, रायपुर उत्तर



मान. सुनील सोनी जी
विधायक, रायपुर दक्षिण



मान. मोतीलाल साहू जी
विधायक, रायपुर ग्रामीण

देश के ये विख्यात विशेषज्ञ रहेंगे उपलब्ध...



डॉ. विशाल कुंदनानी
स्पाइन सर्जन, मुंबई



डॉ. गिरीश देवानी
ज्वाईंट रिप्लेसमेंट सर्जन, मुंबई



डॉ. नीरज वासवाड़ा
स्पाइन सर्जन, अहमदाबाद



डॉ. उमेश श्रीकांत
न्यूरो सर्जन, बैंगलोर



डॉ. तुषार अग्रवाल
पीडियाट्रिक आर्थो सर्जन, मुंबई



"मध्य भारत की यह एक अनूठी पहल है, जो कि अनेक जरूरतमंद परिवारों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है। इस नि:शुल्क शिविर के माध्यम से 50 मरीजों की स्पाइन, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, हिप रिप्लेसमेंट एवं बच्चों की हड्डियों से जुड़ी जन्मजात विकृतियों का नि:शुल्क ईलाज देश के प्रतिष्ठित नेशनल फैकल्टीस एवं श्री नारायणा हॉस्पिटल की क्लीनिकल टीम द्वारा किया जाएगा।"

डॉ. सुनील खेमका, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं एचओडी आर्थोपेडिक विभाग

श्री नारायणा हॉस्पिटल की सर्जिकल टीम

डॉ. प्रीतम अग्रवाल	**डॉ. अम्बरिश वर्मा**	**डॉ. मनीन्द्र भूषण**	**डॉ. राम खेमका**	**डॉ. रूपेश वर्मा**	**डॉ. नीरज पाण्डेय**	**डॉ. प्रदीप पटेल**	**डॉ. संदेश अग्रवाल**	**डॉ. पंकज ओमर**
रोबोटिक नी सर्जन	सीनियर ट्रॉमा सर्जन	रोबोटिक स्पाइन सर्जन	ट्रॉमा सर्जन	न्यूरो सर्जन	प्लास्टिक सर्जन	रोबोटिक नी सर्जन	रोबोटिक स्पाइन सर्जन	पेन मैनेजमेंट विशेषज्ञ

संपर्क करें - 9300373737 | देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)

हरिभूमि और आईएनएच का जिला संवाद



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



भ्रम फैलाकर जीती कांग्रेस, अगली बार तीनों सीटों पर भाजपा ही जीतेगी : गुरु खुशवंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सक्ती

हरिभूमि और आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन सक्ती के राधा-कृष्ण मंदिर भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि पिछले 27 महीनों में भाजपा सरकार लगातार जनहित के कार्यों को आगे बढ़ा रही है। नक्सलवाद समाप्त हो गया है और अब छत्तीसगढ़ पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सक्ती जिले के आईटीआई को केंद्र एवं राज्य सरकार के बजट से सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही इसका अपग्रेडेशन भी किया जाएगा। क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं, जिससे अगले कुछ वर्षों में सक्ती एक विकसित जिले के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिन पर भाजपा सरकार पूरी ईमानदारी से काम कर रही है। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से चर्चा की।



■ **सवालः** भाजपा सरकार में आपको दो साल बाद मंत्री बनाया गया और सक्ती जिले का प्रभार दिया गया। इसे किस रूप में देखते हैं?

■ **जवाबः** जिम्मेदारी जितनी अधिक होती है, काम करने का अवसर भी उतना ही होता है। सक्ती जिले में तीनों विधानसभा में कांग्रेस के विधायक हैं, इसलिए चुनौती थोड़ी कठिन है, लेकिन यहां सरकार के कामों के आधार पर जीत का सूत्र तलाशने की पूरी कोशिश होगी। यहां के कार्यकर्ताओं और संगठन के साथ मिलकर रणनीति बनाई जाएगी। ▶▶| शेष पेज 5 पर

डॉ. महंत ने कहा- 2029 में केंद्र और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सक्ती

हरिभूमि और आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि राज्यसभा देश का उच्च सदन है और वहां जाने की उनकी इच्छा है। हालांकि, अंतिम निर्णय कांग्रेस हाईकमान का होगा। उन्होंने कहा कि वे सांसद, विधायक और मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। उनका दावा है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनेगी और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस सत्ता में वापसी करेगी। कार्यक्रम के दौरान हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने उनसे विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।



■ **सवालः** 2024 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा की लहर चल रही थी, तब आपके लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस कैसे जीत गई?

■ **जवाबः** जब से मेरे पिता इस क्षेत्र में सक्रिय थे, तभी से हमारा और परिवार का यहां के लोगों से व्यक्तिगत रिश्ता रहा है। यहां न भाजपा है, न कांग्रेस और न बसपा, बल्कि सभी लोगों से हमारे आत्मीय संबंध हैं। जहां तक विधानसभा चुनाव का सवाल है, यदि सरगुजा की सभी सीटें कांग्रेस जीत जाती तो हमारी सरकार बनती।

■ **सवालः** अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को क्या उम्मीदें हैं?

■ **जवाबः** कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ काम कर रही है। हमें सिर्फ उम्मीद ही नहीं, पूरा विश्वास है कि अगली बार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी।

■ **सवालः** आपका क्षेत्र तो चांपा रहा है, फिर सक्ती कैसे पहुंच गए?

■ **जवाबः** 2023 के विधानसभा चुनाव में हाईकमान का निर्देश था कि सभी वरिष्ठ नेताओं ▶▶| शेष पेज 5 पर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹112541/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹137450/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹150040/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

ANAND Jewels Pandri, Raipur

सीएम साय ने विकसित भारत जीरामजी की बताई खूबियां

6671 स्कूलों में छात्राओं के लिए बनेंगे टॉयलेट गांवों में छह हजार से ज्यादा मुक्तिधाम भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मनरेगा की जगह लागू वीबी जी राम जी योजना में गांवों की जरूरतें पूरी होने वाली हैं। एक अभियान के तौर पर बालिकाओं के लिए स्कूलों में शौचालय निर्माण और हर गांव में मुक्तिधाम व शेड निर्माण किया जाएगा। साथ ही जल संरक्षण की गति भी बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को वीबीजी राम जी योजना की प्राथमिकताओं की जानकारी दी।

श्री साय ने कहा, सभी को मालूम है कि 1 जुलाई से हमारे देश में विकसित भारत जी राम जी योजना प्रारंभ हो चुकी है, इसके लिए हम पीएम नरेंद्र मोदी के आभारी हैं। ये योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास, जल संरक्षण, आधारभूत संरचना और कृषि आजीविका को भी सशक्त बनाने की पहल है। योजना के अंतर्गत देश के प्रधानमंत्री की संकल्पना है कि देश को 2047 तक विकसित भारत के तौर पर खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका योजना निभाएगी।

खास खबर

उन्होनें कहा, जो भी पंजीकृत श्रमिक हैं, उनकी डिमांड पर 125 दिन का रोजगार स्वीकृत होगा। इसके लिए मौजूदा वित्तीय वर्ष में राज्यांश सहित 5191 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके पहले तीन महीने तक इस फाइनेंसियल ईयर में रोजगार गारंटी का भी काम चला, ▶▶| शेष पेज 5 पर

योजना में 318 किस्म के काम

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रथम किस्त के तौर पर हमारे प्रदेश को 1538 करोड़ 93 लाख की राशि मिल चुकी है। इसकी एक और खूबी है, इसमें जो नरेगा की मजदूरी 261 रुपए प्रतिदिन थी उसे बढ़ाकर 300 रुपया किया गया है। 39 रुपया की बढ़ोतरी इसमें प्रतिदिन हुई है, जिसका लाभ हमारे मजदूरों को मिलेगा। योजना के तहत इसमें कृषि प्रधान देश में बड़ा निर्णय लिया गया है, जिसमें साल में 2 माह तक ये योजना बंद रहेगी। इन दो महीनों में खेती किसानी करने वाले लोगों को मजदूर आसानी से मिल जाएंगे।

26 जनवरी तक तीन अभियान पूरे करने पर जोर



पहला अभियान- हर स्कूल में शौचालय

मुख्यमंत्री ने बताया कि 15 अगस्त से लेकर 26 जनवरी तक 'मेरी बेटी मेरा अभिमान' नाम से अभियान चलेगा। साथ ही शासकीय स्कूल में बच्चियों के लिए शौचालय का निर्माण होगा। 6671 विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण होगा, इसमें कुल 286.85 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

दूसरा अभियान- मुक्तिधाम और प्रतीक्षालय निर्माण

पूरे प्रदेश में 6534 मुक्तिधाम और प्रतीक्षालय का निर्माण करेंगे, इसके एक यूनिट का लागत 6 लाख होगा। 549 ऐसी जगह है जहां सिर्फ मुक्तिधाम बनाने की आवश्यकता है। इसमें 18.22 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस तरह से 26 जनवरी 2027 तक प्रदेश के सभी गांव में मुक्तिधाम और शेड का निर्माण हो जाएगा।

तीसरा अभियान मोर गांव मोर पानी

इस अभियान की शुरुआत 24 अप्रैल 2025 में किए थे. इसके तहत 50 हजार से ज्यादा जल संरक्षण के तहत काम हुए हैं। 50 हजार जगहों पर काम बाकी है। 10 हजार 27 ड्राइ हैंडपंपों की पहचान करके इसे रीचार्ज किया जाएगा। रिचार्ज करने के एक यूनिट में 52 हजार का खर्च आएगा. इसके लिए 52.14 करोड़ की स्वीकृति होगी।

चार श्रेणियों में काम होंगे

मुख्यमंत्री ने बताया कि चार श्रेणियों में काम होंगे, इसमें जल सुरक्षा काफी प्राथमिकता दिया गया है। विकसित भारत में 107 तरह के जल संरक्षण और जल संरचना से जुड़े काम होंगे। ग्रामीण अधोसंरचना के तहत 90 तरह के काम होंगे। गांव में आजीविका संवर्धन के लिए 86 प्रकार के काम इस योजना के तहत लिए जा सकेंगे। जलवायु अनुकूल एवं आपदा प्रबंधन के कार्य इस योजना के तहत 35 तरह के काम लिए जा सकेंगे। इसमें प्राकृतिक आपदा, बाढ़, जंगल में आग जैसी चीजों के लिए इस योजना के तहत काम लिए जा सकेंगे।

कल्याण ज्वेलर्स में डकैती करने आए दिल्ली-बिहार के तीन शातिर दबोचे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डकैती की योजना बना रहे तीन शातिरों को नार्थ जोन, गुढ़ियारी पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चाकू जब्त किया है। प्रोएक्टिव पुलिसिंग के कारण आरोपी डकैती डालने के पूर्व पकड़े गए। पुलिस ने तीनों शातिरों को मुखबिर की सूचना के आधार पर पकड़ा है।

नार्थ जोन डीसीपी दीपमाला कश्यप ने मामले का खुलासा करता हुए बताया कि डकैती की योजना बनाने के आरोप में दिल्ली, जनकपुरी निवासी देवांश शर्मा (19), दिल्ली, नजफगढ़ निवासी सुशांत कुमार पासवान (19) तथा बिहार, मुजफ्फरपुर निवासी मयंक सिंह (19) को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ▶▶| शेष पेज 5 पर

आरोपियों के कब्जे से देशी पिस्टल दो जिंदा कारतूस, चाकू जब्त



अन्य बदमाशों की पतासाजी की जा रही

डकैती की योजना बना रहे तीन इंटर स्टेट बदमाशों को गिरफ्तार किया है। डकैती की योजना में शामिल अन्य बदमाशों की तकनीकी साक्ष्य के माध्यम से पतासाजी की जा रही है। पकड़े गए आरोपी अप्रैल में रैकी करने रायपुर आए थे।

- दीपमाला कश्यप, डीसीपी नार्थ

बाइक से रैकी करने रायपुर आए थे

डकैती डालने के पूर्व इन लोगों ने एक अप्रैल को रायपुर आकर रैकी थी। रैकी करने आरोपियों ने बिहार से ट्रेन से एक बाइक बुक कराकर रायपुर भेजा था। बाइक पार्सल की बुकिंग गलती से गोंदिया हो गई। इस पर आरोपी वापस गोंदिया गए। वहां से बाइक लेकर रायपुर लौटे। सदर बाजार सहित सहित कई अन्य स्थानों में ज्वेलरी शोरूम की रैकी की। शातिरों को सबसे ज्यादा महफूज पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स लगा। इसके बाद इन लोगों ने ज्वेलरी शोरूम के आसपास की अपने मोबाइल से फोटो खींचने के साथ लोकेशन का नक्शा तैयार कर दिल्ली लौटे।

खबर संक्षेप

भारतीय छात्रों के अमेरिकी वीजा में 62% की कमी

वाशिंगटन। अमेरिका में 2024-25 में लगभग तीन लाख विदेशी छात्रों ने पढ़ाई पूरी करने के बाद अस्थायी रोजगार प्राप्त किया जबकि छात्र वीजा की संख्या में गिरावट दर्ज की गयी। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) कार्यक्रम को समाप्त करने की वकालत की गयी है।



मकान ढहा, परिवार के छह सदस्यों की मौत

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में बारिश के दौरान एक जर्जर मकान ढहने से उसके मलबे में दबने के कारण एक परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली बाजार में बुधवार रात एक मकान के एक कमरे में परिवार के सात सदस्य सो रहे थे। इस घटना में प्रमोद श्रीवास्तव (60), उनकी पत्नी रीता (55), उनकी बहू माधुरी (24), उनके पोतों माधव (दो) एवं आद्विक (10 माह) और परिवार के एक अन्य सदस्य नितिन (25) की मौत हो गई।

अतीक के सबसे छोटे बेटे की हादसे में मौत

झांसी। माफिया एवं पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे समेत दो लोगों की झांसी जिले में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस घटना में कार सवार तीन अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूर्व सांसद अतीक अहमद का बेटा आबान अहमद अपने कुछ साथियों के साथ झांसी जेल में बंद अपने भाइयों से मिलने जा रहा था।



नीट-एसएस दूसरे चरण का पंजीकरण फिर खोला

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन चिकित्सा परामर्श समिति ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा सुपर स्पेशियलिटी (नीट-एसएस) 2025 की 'काउंसलिंग' के दूसरे चरण से संबंधित तीन अगस्त की अधिसूचना वापस ले ली है। अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों को दोबारा पंजीकरण कर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी है।

जेन जी को मोहन भागवत का समर्थन, कहा-विरोध बातचीत का एक तरीका



एजेंसी ▶▶| मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को भारत की युवा पीढ़ी पर भरोसा जताया। भागवत ने 'जेन जी' और जेन-अल्फा के छात्रों के बीच उन्होंने लोकतंत्र, आंदोलन, शिक्षा, रोजगार और युवा पीढ़ी की सोच जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वे 'जेन जी' पर आंख मूंद करके भरोसा करेंगे। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि छात्रों को बेहतर सिस्टम के लिए विरोध करने का पूरा अधिकार है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस सम्मेलन में युवाओं को संबोधित किया। एक कार्यक्रम में बोलते हुए भागवत ने कहा कि उन्हें पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हालिया टकराव के सही जानकारी नहीं पता हैं, लेकिन युवाओं पर उनका भरोसा अटूट है। भागवत ने कहा, मैं जेन जी पर आंख बंद करके भरोसा करूंगा। उन्होंने कहा कि उन्हें देश के युवाओं की नीयत और उम्मीदों पर भरोसा है। एंटी पेपर ▶▶| शेष पेज 5 पर

भागवत ने यह कहा

- भागवत 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' के साथ
- देश के युवाओं की नीयत और उम्मीदों पर भरोसा
- आज के युवा देश के प्रति अधिक जिम्मेदार, ईमानदार
- देश की शिक्षा प्रणाली में बहुत कुछ सुधारने की जरूरत
- सिस्टम में कमियां हैं, जिन्हें ठीक करने की जरूरत

रोजगार का मतलब सिर्फ नौकरी नहीं

भागवत ने कहा कि नौकरी ही रोजगार का एकमात्र विकल्प नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर भी बढ़ना चाहिए। नए अवसर पैदा करना और दूसरों को रोजगार देना भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मामले में गिरफ्तार 10 नक्सल आरोपी सेंट्रल जेल में

13 साल पुराने झीरमघाटी मामले में 10 अगस्त को होगी अंतिम बहस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

लगभग 13 वर्ष पूर्व 25 मई 2013 को झीरमघाटी में कांग्रेस के काफिले पर हुए नक्सल हमले मामले में अंतिम बहस 10 अगस्त को होनी है। इस अंतिम बहस के बाद न्यायालय अपना फैसला सुरक्षित रख सकता है या निर्णय की तिथि घोषित कर सकता है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

मामला अंतिम चरण में

केन्द्र सरकार की ओर से मामले की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश पानिग्राही ने हरिभूमि से चर्चा में कहा कि लंबे समय के बाद मामला अंतिम चरण में है और 10 अगस्त को मामले में अंतिम बहस होना है। उसके बाद आने वाला न्यायालय का फैसला इस बहुचर्चित मामले की दिशा तय करेगा। इस प्रकरण की सुनवाई पर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश की नजर बनी हुई है।

यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व पत्रकार तेजपाल को 10 साल की कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पणजी

बंबई हाईकोर्ट ने गुरुवार को 2013 के दुष्कर्म मामले में पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल को दोषी करार देते हुए दस साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा 2021 में तेजपाल को बरी किए जाने के फैसले को त्रुटिपूण बताते हुए कहा कि पीड़िता इस सोच की शिकार हो गई कि ऐसे मामलों में शिकायतकर्ता को एक 'आदर्श पीड़ित' होना चाहिए और विश्वसनीय लगने के लिए उसे एक विशेष तरह से व्यवहार करना चाहिए। 'तहलका' पत्रिका के पूर्व प्रधान संपादक तेजपाल को 2013 में गोवा में पत्रिका के एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में अपनी एक कनिष्ठ सहयोगी के साथ दुष्कर्म का दोषी ठहराया गया। हालांकि तेजपाल (62) ने कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख करेगा।



10 लाख 21 हजार का जुर्माना भी

हाईकोर्ट ने तेजपाल पर 10,21,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया और निर्देश दिया कि यह पूरी राशि पीड़िता को दी जाएगी। हाईकोर्ट ने अपने 81 पन्नों के फैसले में इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि बचाव पक्ष ने पीड़िता को कटघरे में खड़ा किया और उसकी निजी जिंदगी पर ध्यान केंद्रित किया।

अब पूरे देश में गूंजेगा बेरोजगारी का मुद्दा

कॉकरोच पहुंचेंगे शहर-गांव, पूछेंगे 'क्या बोलती पब्लिक'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नीट पेपर लीक विवाद के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने नया मुद्दा ढूंढ लिया है। दीपके ने देश में बेरोजगारी को एक बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि इसे देशभर में उठाएंगे। वे सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएंगे। संवाददाता सम्मेलन में सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास, प्रवक्ता आशुतोष रांका और अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

■ सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे



जंतर-मंतर के प्रदर्शन ने क्या संदेश दिया

अभिजीत दीपके ने कहा कि हाल ही में जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन ने यह स्पष्ट कर दिया कि रोजगार का मुद्दा केवल छात्रों तक सीमित नहीं है। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में बेरोजगार युवाओं ने भी भाग लिया, जिससे यह साबित हुआ कि रोजगार की समस्या समाज के हर वर्ग के युवाओं को प्रभावित कर रही है।

क्या बोलती पब्लिक कैंपेन

- **महंगी शिक्षाः** दीपके के मुताबिक, देश में स्कूल, कॉलेज और कोचिंग की फीस बहुत ज्यादा बढ़ गई है। इसे कम करवाने के लिए और सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए सीजेपी काम करेगी।
- **बेरोजगारीः** देश में बेरोजगारी को एक प्रमुख मुद्दा बनाकर इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।
- **संस्थागत जवाबदेहीः** चुनाव आयोग, न्यायपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं में जनता का भरोसा बहाल करने के लिए दबाव बनाना।

युवाओं से क्या अपील की गई?

अभिजीत दीपके ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों और रोजगार के मुद्दे पर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से एकजुट हों। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि युवा संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे, तो बेरोजगारी का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र में आएगा और नीति निर्माण में भी इसे गंभीरता से लिया जाएगा।

कोलकाता हाईकोर्ट की टिप्पणी

आसमान नहीं गिर जाएगा, मदरसों में वंदे मातरम के गाने से

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

'आसमान नहीं गिर जाएगा'। कलकत्ता हाई कोर्ट ने मदरसों में वंदे मातरम गाना जरूरी करने के सरकारी नोटिफिकेशन को चुनौती देने वाली याचिका पर यह टिप्पणी की। कोलकाता हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस बीच एक्टिंग चीफ जस्टिस तपब्रत चक्रवर्ती ने अपने कॉमेंट को मजबूती देने के लिए क्रिश्चियन स्कूलों का भी उदाहरण दिया। सीनियर एडवोकेट विकास रंजन भट्टाचार्य ने यह पीआईएल दाखिल की थी।

एसीजे ने कहा- हजारों क्रिश्चियन स्कूलों में होती है प्रार्थना, तब....

इस मामले में उठी चिंताओं पर बात करते हुए एसीजे तपब्रत चक्रवर्ती ने कहा, आसमान नहीं गिर जाएगा... आज अगर मुझसे कोई ऐसा कोट बोलने के लिए कहा जाए जो मेरे धर्म में नहीं है... तो क्या होगा? क्या मैं उस धर्म का नहीं रहने वाला इंसान बन जाऊंगा? कोर्ट ने ऐसे एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन का जिक्र किया, जो दूसरे धार्मिक समुदाय चलाते हैं। हजारों क्रिश्चियन स्कूल हैं जहां सभी स्टूडेंट्स को ईश्वर से प्रार्थना करने के लिए कहा जाता है तो क्या किसी खास समुदाय के स्टूडेंट्स पूछते हैं कि उन्हें क्रिश्चियन धर्म की कुछ खास चीजें गाने के लिए क्यों कहा जा रहा है?"



याचिकाकर्ता की दलील कोर्ट के सवाल

पिटीशनर्स के सीनियर वकील ने दलील दी कि वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के तौर पर अपनाया गया था। इसे मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों पर नहीं थोपा जा सकता। तर्क दिया गया, राष्ट्रीय गीत की तुलना में राष्ट्रगान का स्थान ऊंचा है। इस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि क्या मदरसों में वंदे मातरम गाने को जरूरी बनाने वाले सर्कुलर को ना मानने वालों के खिलाफ कोई एक्शन लिया गया है। पिटीशनर्स के सीनियर वकील ने जवाब दिया, उन्होंने अभी तक इसे लागू करने की हिम्मत नहीं की है।

बंगाल सरकार ने क्या कहा

पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल धीरज कुमार त्रिवेदी पेश हुए. उन्होंने कोर्ट से अगली तारीख देने की गुजारिश की, ताकि वे रिपोर्ट के रूप में हलफनामे के जरिए निर्देश ले सकें। उन्होंने आगे कहा कि याचिकाकर्ता केवल आशंका के आधार पर रोक (इंजंक्शन) की मांग नहीं कर सकते। कोर्ट ने राज्य सरकार की रिपोर्ट दाखिल होने के बाद मामले की सुनवाई टाल दी।

खबर संक्षेप

'अग्नि-4' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-4' का सफल परीक्षण किया। मिसाइल का परीक्षण सामरिक बल कमान ने किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा इस प्रक्षेपण के दौरान सभी परिचालन और तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन हुआ। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया। मंत्रालय ने कहा कि ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-4' का सफल परीक्षण किया गया।



बेटी की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

भदोही। भदोही जिले के एक गांव में पारिवारिक झगड़े में बीच-बचाव करने पहुंची बेटी को उसके पिता ने सिर पर वार करके घायल कर दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया गया कि राजेश के भाई संतोष यादव की पत्नी रानी का देवर राजेश यादव से विवाद हुआ। इसके बाद राजेश अपनी भाभी को लकड़ी से मारने लगा। इसी बीच चाची को बचाने राजेश की 17 वर्षीय बेटी सुषमा आई तो राजेश ने उस पर वार कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

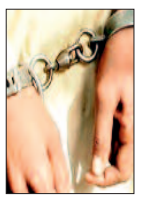

चंदा चोर कहां मिलेंगे, भाजपा के दफ्तर में, विपक्षियों नारे के बाद, भाजपा सांसद का पलटवार

आतंकवादी कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में भड़के- खड़गे, राज्यसभा में जमकर हंगामा

संसद का मॉनसून सत्र पिछले तीन हफ्तों से चल रहा है, लेकिन विपक्ष के हंगामे से कार्यवाही बार-बार स्थगित हो जा रही है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ हुई पुलिस 'बर्बरता', राम मंदिर में कथित चंदा चोरी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेर रहा है। विपक्ष की ओर से 'चंदा चोर कहां मिलेंगे, बीजेपी के दफ्तर में' जैसे नारे लगाए जा रहे हैं, लेकिन गुरुवार को अचानक संसद का माहौल तब बदल गया, जब एक भाजपा सांसद ने इसी तरह के नारे के जरिए कांग्रेस को घेर लिया। राज्यसभा में महाराष्ट्र से आने वाले भाजपा सांसद अनिल बोंडे ने आतंकवादी कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में नारे लगाए।



हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विपक्ष पिछले कई दिनों से गृह मंत्री अमित शाह को संसद में बुलाने की मांग कर रहा है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज फिर उस मांग को दोहराया कि 20 जुलाई को दिल्ली में छात्रों पर हुए पुलिसिया हमले पर गृह मंत्री सदन में आकर जवाब दें। विपक्ष चर्चा के लिए तैयार है। एक बार स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे जब सदन में प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ कहना चाहा। विपक्ष की नारेबाजी के बीच पर्यटन मंत्रालय से संबंधित पहला प्रश्न पूरा होने के बाद सभापति राधाकृष्णन ने उन्हें बोलने का मौका दिया। तब खरगे ने उनसे अनुरोध किया कि वह प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को सदन में आने का निर्देश दें।

भड़के खड़गे, बोले- अब क्या रिजिजू से सीखना पड़ेगासत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के बीच सदन में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर भड़क गए। खड़गे ने कहा कि उन्हें किरेन रिजिजू ससंदीय नियम न सिखाएं। सदन में क्या बोलना है और क्या नहीं, यह उनका अधिकार है। खड़गे ने आसन की ओर मुखातिब होते हुए कहा, सर, अगर मैं यहां रूल्स नहीं पढ़ूंगा, अगर अपना विषय पढ़कर नहीं बोलूंगा, तो क्या तुमने जो दिए, उसे मैं पढ़ूं?

क्या कहा भाजपा सांसद बोंडे ने

राज्यसभा में अनिल बोंडे ने कहा, "2014 के पहले बच्चा-बच्चा बोल सकता था कि कोयला चोर कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में, भ्रष्टाचारी कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में... बोला जाता था कि आतंकवादी कहां मिलेंगे, कांग्रेस के दफ्तर में, देशद्रोही कहां मिलेंगे कांग्रेस के दफ्तर में।" अनिल बोंडे के नारे लगाते ही बाकी भाजपा सांसद ने कांग्रेस के दफ्तर में बोलना शुरू कर दिया। हालांकि, इस दौरान उपसभापति हरिवंश ने अनिल बोंडे से ऐसा बोलने से मना किया, लेकिन सांसद बोलते रहे। उपसभापति ने साफ किया कि विषय पर ही बोलिए, सिर्फ वही रिकॉर्ड पर जाएगा।

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसदों संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। सांसद लगातार संसद परिसर में प्रदर्शन कर अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की निष्पक्ष जांच तथा विभिन्न राज्यों में छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई का मुद्दा उठा रहे हैं। संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र विपक्षी सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे हैं। वे 'चंदा चोर कहां मिलेंगे, भाजपा के दफ्तर में', 'चंदा चोर, गद्दी छोड़' और 'अमित शाह जवाब दो' के नारे लगाते रहे हैं।

गृह मंत्री जवाब दें, हम सदन में सहयोग करेंगे : खड़गे

इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग के लिए तैयार है, लेकिन जरूरी है कि गृह मंत्री अमित शाह छात्रों पर कथित बर्बरता के मामले में सदन में आकर जवाब दें। उन्होंने सवाल किया कि छात्रों पर लाठीचार्ज, पैलेट गन चलाने का निर्देश किसने दिया और आंसू गैस के गोले क्यों छोड़े गए? उन्होंने कहा, इन सवालों का जवाब देने के लिए गृह मंत्री अमित शाह को सदन में आकर बयान देना चाहिए।

रिजिजू ने विपक्ष को दिलाई संसदीय नियमों की याद



कार्यवाही स्थगित किए जाने से पहले, राज्यसभा में हंगामे के बीच बोलते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष व नेता प्रतिपक्ष पर संसदीय नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया। राज्यसभा में हंगामे के बीच किरेन रिजिजू ने विपक्ष को नियमों की याद दिलाई। राज्यसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर तक शांति बनी रही। इसके ठीक बाद शून्यकाल की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने जमकर नारेबाजी की।

असम में एनएच-15 पर बनेगा 4-लेन हाईवे, 'गोबरधन' योजना से किसान होंगे लाभान्वित

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में दो अहम फैसले लिए गए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने गुरुवार को कई अहम और बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी। कैबिनेट ने असम में एनएच -15 पर गुवाहाटी के पास बैहाटा चारियाली से तेजपुर तक 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर बनाने को मंजूरी दी है। बैहाटा चारियाली से तेजपुर तक बनाए जाने वाले इस 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे की लंबाई 135.871 किमी होगी।

यह प्रोजेक्ट एनएचओ के तहत 8970.20 करोड़की कुल लागत से 'बिल्ट-ऑपरेट-ट्रांसफर' टोल मोड पर डेवलप किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में तेजपुर बाईपास पर 4.9 किमी लंबा एक इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी का निर्माण भी शामिल



है, जिसे भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर अंतिम रूप दिया गया है। इससे ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी हिस्से में मौजूद ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पर ट्रैफिक का दबाव कम होगी। प्रोजेक्ट में 58.7 किमी लंबाई वाले 5 बड़े बाईपास का निर्माण भी शामिल है, जिससे बैहाटा चारियाली, सिपाझार, खारुपेटिया, डेकियाजुली और तेजपुर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों से गुजरने वाले रास्तों पर भीड़ कम होगी।

23,731 करोड़ की गोबरधन योजना को मंजूरी

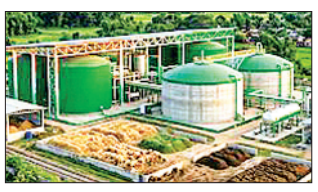

मंत्रिमंडल ने गुरुवार को देश में बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 23,731 करोड़ रुपए के प्रावधान वाली राष्ट्रीय एकीकृत योजना 'गोबरधन' को मंजूरी दे दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया के साथ बातचीत करते हुए बताया कि 'गोबरधन' योजना को 2026-27 से 2035-36 तक लागू किया जाएगा और इसका उद्देश्य कम्प्रेस्ड बायोगैस को देश के भविष्य के ऊर्जा मिश्रण का एक प्रमुख स्तंभ बनाना है।



आज उत्साह से मनाएं हैंडलूम डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 अगस्त यानी आज राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक खास वीडियो संदेश जारी किया है। युवाओं और देशवासियों से सीधे जुड़ते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जैसे हाल ही में सभी ने पूरे उत्साह के साथ 'फ्रेंडशिप डे' मनाया है, ठीक उसी तरह 7 अगस्त को 'हैंडलूम डे' भी उमंग के साथ मनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हैंडलूम डे मनाने का असली मतलब देश के उन गरीब बुनकर परिवारों के साथ खड़े होना है, जो अपने घरों में लूम (करघे) पर अपने हाथों से खूबसूरत और विविधता से भरे कपड़े तैयार करते हैं। पीएम ने कहा, साथियों, 1905 का 7 अगस्त... हमें भूलना नहीं है. 7 अगस्त 1905 को देश की आजादी के लिए स्वदेशी आंदोलन का प्रारंभ हुआ था और आत्मनिर्भर भारत की नींव डाली गई थी। अंग्रेजों के खिलाफ देशवासियों ने एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ी थी और जन-जन इससे जुड़ गया था।

भाजपा सांसद के भाई को मिला था ठेका

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे धंसा पंखे से सुखाया जा रहा पैचवर्क



एजेंसी ▶▶| लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को औद्योगिक राजधानी कानपुर से जोड़ने वाले लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की हालत उद्घाटन के 18 दिन बाद ही बिगड़ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, 63 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे 18 दिन में 84 जगह धंस चुका है। इन सबके बीच एनएचएआई ने कहा कि जब तक काम नहीं होता, तब तक टोल नहीं वसूला जाएगा। वहीं पैचवर्क सुखाने के लिए 10 पंखे लगाए गए हैं। कानपुर लेन पर 39 जगह पैचवर्क हुआ है, जबकि लखनऊ लेन पर 45 जगह मरम्मत हुई है। अब कंपनी को नॉन-परफॉर्मर घोषित कर उसके ऊपर 2 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है। उसके अधिकारियों को 2 साल के लिए प्रतिबंधित किया है।



रायपुर
शुक्रवार 7 अगस्त 2026
श्रावण, कृष्ण पक्ष नवमी
वर्ष : 25, अंक : 18
पृष्ठ : 14+4+4 = 22 मूल्य : 5.00**
मौसम
अधि. 33.20
न्यून. 26.40
haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

परिजनों का हाल बेहाल

घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वृद्ध मां अपने बेटे और बेटी को खोने के दुख से बार-बार बेसुध हो रही हैं, जबकि पत्नी सरोज जुर्री अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। गांव की महिलाएं और परिजन उन्हें ढाढस बंधाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है।

मरकाटोला गांव का माहौल गमगीन

इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे मरकाटोला गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल से लगे क्षेत्रों में भालुओं की बढ़ती गतिविधियों के कारण लोगों में लगातार भय का माहौल बना हुआ है। खेतों और जंगलों में काम करने जाने वाले ग्रामीण हर दिन जान जोखिम में डालने को मजबूर हैं। लोगों ने वन विभाग से वन्यजीवों की निगरानी बढ़ाने और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम करने की मांग की है।

भालू के हमले ने बच्चों के सिर से छीना पिता और बुआ का साया, दोनों की मेहनत-मजदूरी से चलता था घर

विजय पाण्डेय ▶▶| कांकेर

हरिभूमि फॉलोअप

लारगांव मरकाटोला में भालू के हमले की दर्दनाक घटना ने केवल दो लोगों की जान ही नहीं ली, बल्कि एक गरीब परिवार की पूरी जिंदगी को संकट में डाल दिया। जिस घर की रोजी-रोटी भाई की खेती-बाड़ी और बहन की नौकरी से चलती थी, उसी घर के दोनों कमाऊ सदस्य एक ही दिन में काल के गाल में समा गए। अब प्रधानमंत्री आवास योजना से बने उस छोटे से घर में मातम पसरा है। छह सदस्यीय परिवार के सामने आजीविका, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य को लेकर गहरा संकट खड़ा हो गया है। लारगांव मरकाटोला के बड़पारा निवासी हलालराम जुर्री परिवार के मुख्य सहारा थे। वे खेती-किसानी के साथ मवेशियों की देखभाल कर घर का खर्च चलाते थे। सीमित ▶▶|शेष पेज 5 पर

टूटा दुखों का पहाड़ परिवार की रीढ़ टूटी भविष्य पर संकट







घर में सात सदस्य

भालू के शिकार हुए हलालराम जुर्री के परिवार में अब सात सदस्य बचे हैं, जिनमें हलालराम की वृद्ध मां, पत्नी सरोज जुर्री, दो बेटियां चित्रलेखा जुर्री और चंद्रलेखा जुर्री, तथा दो जुड़वा बेटे लव कुमार जुर्री और कुश कुमार जुर्री शामिल हैं। इसके अलावा एक बुआ है, जो भालू के हमले से घायल हुई थी और उनका इलाज रायपुर में जारी है। दोनो बेटियां 2024 में बारहवीं मरकाटोला स्कूल से पास किया था, वहीं दोनो जुड़वा बेटे नरहरदेव स्कूल में दसवीं में पढ़ रहे हैं और छात्रावास कांकेर में ही रहते है।

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का सामान्य कूपन
कल के अंक में देखें।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

विमान का इमरजेंसी दरवाजा खोलने की कोशिश, गिरफ्तार

कोच्चि। कुआलालंपुर से कोच्चि आ रहे एक विमान का आपातकालीन निकास खोलने का कथित प्रयास करने और सह-यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों को धमकी देने के आरोप में एक यात्री को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यात्री पर आपातकालीन निकास की खिड़की को क्षतिग्रस्त करने का भी आरोप है। उसने बताया कि आरोपी की पहचान जमशीर अथानिक्कल के रूप में हुई है।

3 जिलों में घने जंगल, दूर-दराज के गांव व स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में देरी से मामले बिगड़ भी रहे

मलेरिया मुक्त बस्तर में आंकड़ों ने दिया टेंशन इस साल अभी तक 15 हजार से ज्यादा केस

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि सरोकार

सुदूर जंगलों में रहने वाले आदिवासियों और कैंपों में तैनात जवानों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती थी। अब स्थिति तुलनात्मक रूप से काबू में नजर आ रही है। फिर भी मलेरिया के आंकड़ों पर गौर करें तो 2024 में 4496, वर्ष 2025 में 16544, वर्ष 2026 में अब तक 15934 मलेरिया के पॉजिटिव मामले सामने आए हैं, जो बढ़ते मामलों की ओर इशारा करते हैं।

वर्ष 2020 में 36 लाख 57 हजार 508 लोगों की जांच में 62281, वर्ष 2021 में 37 लाख 44 हजार 203 लोगों की जांच में 30409, वर्ष 2022 में 53 लाख 77 हजार 667 लोगों की जांच में 16066, वर्ष 2023 में 33 लाख 23 हजार 873 लोगों की जांच में 14195, ▶▶|शेष पेज 5 पर

मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान ने बस्तर में काफी हद तक मलेरिया को काबू में रखा है। 2015 के मुकाबले में मलेरिया के मामले में 70 फीसदी से भी ज्यादा कमी आई है। लेकिन पिछले दो साल से मलेरिया पीड़ितों के आंकड़े फिर बढ़ रहे हैं, जिससे संभाग के मलेरिया की चपेट में आने की आशँका बढ़ रही है। बता दें कि बस्तर कभी मलेरिया के नाम से कुख्यात था। यहां 60 हजार से ज्यादा तक मलेरिया पॉजिटिव केस मिलते थे।

इलाज कर रहे

स्वास्थ्य विभाग बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया ने बताया कि संभाग के सातों जिलों के सीएमएचओ को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को जागरूक करें कि बुखार होने से झाड़-फूंक नहीं कर सीधे स्वास्थ्य केन्द्र में पहुंच कर इलाज कराएं। हालांकि स्वास्थ्य कर्मी जान जोखिम डालकर ग्रामीणों की इलाज कर रहे हैं।



पी. विवैक्स में दोबारा संक्रमण का खतरा

डॉक्टरों के अनुसार मिक्स मलेरिया में मरीज को तेज बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, उल्टी, ज्यादा कमजोरी और खून की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बुखार बार-बार लौटकर आता है, इस गंभीर स्थिति में यह बीमारी दिमाग, किडनी और लीवर पर भी असर कर सकती है। पी. फाल्सीपेरम गंभीर कॉम्प्लिकेशन पैदा करता है, जबकि पी. विवैक्स दोबारा संक्रमण का खतरा बढ़ा देता है।

वर्ष	जांच	पॉजिटिव	रेट
2020	36,57,508	62,281	1.70%
2021	37,44,203	30,409	0.81%
2022	53,77,667	16,066	0.30%
2023	33,23,873	14,195	0.43%
2024	12,52,634	4,496	0.36%
2025	28,31,647	16,544	0.58%
2026*	22,29,558	15,934	0.71%



मिक्स मलेरिया ज्यादा खतरनाक

बताया जा रहा है कि एक ही के शरीर में मलेरिया फैलाने वाले पी. फाल्सीपेरम और पी. विवैक्स दोनों तरह के परजीवी एक साथ मिल रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार यह सामान्य मलेरिया की तुलना में अधिक खतरनाक हो सकता है। जनवरी 2026 से अब तक बस्तर संभाग में मलेरिया मरीज में सैकड़ों मरीज मिक्स मलेरिया से संक्रमित पाए गए हैं। जो चिंता का विषय बनी हुई है।

हाईकोर्ट का फैसला

अनुकंपा नियुक्ति के लिए शादीशुदा बहन भी हकदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के अग्रवाल की सिंगल बेंच ने अनुकंपा नियुक्ति के मामले में दिए गए अहम फैसले में कहा है कि अविवाहित सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद शादीशुदा बहन भी अनुकंपा नियुक्ति की बराबर हकदार है। महज वैवाहिक स्थिति और लैंगिक पूर्वाग्रह के आधार पर किसी महिला को उसके संवैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।



बिलासपुर निवासी दुर्गेश मिश्रा जांजगीर-चांपा में जिला लोक अभियोजन अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। 13 जून 2018 को सेवा में रहते हुए उनका निधन हो गया। मृतक अविवाहित थे और निधन के बाद उनकी वृद्ध ▶▶|शेष पेज 5 पर

चार सप्ताह के भीतर जारी करें आदेश

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य परिवार के कमाऊ सदस्य की असमय मृत्यु के बाद संकटग्रस्त परिवार को तत्काल वित्तीय राहत पहुंचाना है। इसमें मुख्य मानदंड निर्भरता और आर्थिक जरूरत है न कि वैवाहिक स्थिति। वर्तमान समाज में कई शादीशुदा बेटियां और बहनें अपने माता-पिता व परिवार का सहारा बनती हैं।

उल्लंघन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी

पीडब्ल्यूडी में अटैचमेंट पर सख्ती बिना अनुमति वाले सभी आदेश रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने लोक निर्माण विभाग में अधिकारियों और कर्मचारियों के संलग्नीकरण (अटैचमेंट) तथा अतिरिक्त प्रभार देने की व्यवस्था पर सख्ती कर दी है। विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि शासन की पूर्व अनुमति के बिना किए गए सभी संलग्नीकरण और अतिरिक्त प्रभार के आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त माने जाएंगे। संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों को अपने मूल पदस्थापना स्थल पर वापस कार्यभार ▶▶|शेष पेज 5 पर

अब बिना अनुमति नहीं होगा अटैचमेंट

लोक निर्माण विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में शासन की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का संलग्नीकरण नहीं किया जाएगा और न ही इस संबंध में कोई आदेश जारी किया जा सकेगा। यदि किसी विशेष परिस्थिति में इसकी आवश्यकता होगी तो पहले शासन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

तीन महीने से अधिक नहीं रहेगा अतिरिक्त प्रभार

आदेश में कहा गया है कि केवल अत्यंत आवश्यक और अपरिहार्य परिस्थितियों में ही शासन की स्वीकृति मिलने के बाद संलग्नीकरण या अतिरिक्त प्रभार दिया जा सकेगा। ऐसी स्थिति में भी इसकी अवधि अधिकतम तीन महीने होगी।रिक्त पद हैं तो भेजना होगा प्रस्तावविभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि यदि किसी कार्यालय में रिक्त पदों के कारण कामकाज प्रभावित हो रहा है तो वहां मनमाने ढंग से अतिरिक्त प्रभार देने के बजाय औचित्य और कारण सहित नियमित पदस्थापना का प्रस्ताव शासन को भेजा जाए, ताकि स्थायी समाधान किया जा सके।

सभी पुराने संलग्नीकरण खत्म

आदेश के अनुसार विभाग के अधीनस्थ, क्षेत्रीय और अन्य कार्यालयों द्वारा किए गए सभी संलग्नीकरण और अतिरिक्त प्रभार तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। जिन अधिकारियों या कर्मचारियों को इस प्रकार अन्य कार्यालयों में अटैच किया गया था, उन्हें अपने मूल पदस्थापना स्थल पर लौटकर कार्यभार संभालना होगा।

चक्काजाम, बीईओ निलंबित

कस्तूरबा छात्रावास की वार्डन बच्चों से कराती थी मालिश

पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक का मामला, लगभग आधे घंटे तक कटघोरा-अंबिकापुर मुख्य मार्ग की थम गई थी रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

जिले के कटघोरा अंबिकापुर मुख्य मार्ग (एनएच) पर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक के कस्तूरबा छात्रावास की छात्राओं ने अपनी ही हॉस्टल वार्डन पर प्रताड़ना व मालिश कराने का आरोप लगाते हुए कटघोरा अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। चक्का जाम की सूचना पाते ही जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं को समझाइश दी। लगभग आधे घंटे बाद आंदोलन समाप्त हुआ। मामले में बीईओ को निलंबित कर वार्डन के खिलाफ जांच शुरू की गई है। मामला जिला मुख्यालय से लगभग 60 किलोमीटर दूर पोड़ी उपरोड़ा ▶▶|शेष पेज 5 पर

पहले कर चुकी थीं बीईओ से शिकायत

चक्काजाम कर रही छात्राओं ने बताया कि हॉस्टल की अव्यवस्था, अधीक्षिका की प्रताड़ना की शिकायत पूर्व में विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) से उनके द्वारा की गई थी। इसके बाद भी अधीक्षिका के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई और अधीक्षिका द्वारा प्रताड़ना का दौर जारी रखा गया। जिससे तंग आकर वे एकजुट हुईं और गुरुवार को चक्काजाम करने विवश हो गईं।

लोकसभा में पास हुआ अधिकार देने वाला बिल

डिजिटल भुगतान पर शुल्क लगाने का रास्ता साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा ने सरकार को बैंकों और अन्य सेवा प्रदाताओं को 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) और अन्य अधिसूचित इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से होने वाले भुगतान पर शुल्क लगाने की अनुमति प्रदान करने का अधिकार देने संबंधी एक विधेयक गुरुवार को पारित कर दिया।

यह सरकार को बैंकों और अन्य सेवा प्रदाताओं को 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) और अन्य अधिसूचित इलेक्ट्रॉनिक तरीकों से होने वाले भुगतान पर शुल्क लगाने की अनुमति प्रदान करने का अधिकार देता है। सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, चर्चा के बिना पारित किए गए 'कराधान एवं अन्य विधियां संशोधन विधेयक, 2026' का मकसद उस मौजूदा कानूनी प्रावधान को हटाना है, जो बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को अधिसूचित इलेक्ट्रॉनिक भुगतान तरीकों पर 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' लागू करने से रोकता है।

अभी क्या है नियम

वर्तमान में, कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली प्रदाता आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269एसयू के निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के तरीकों का इस्तेमाल करने के लिए किसी पर भी सीधे या परोक्ष रूप से कोई शुल्क नहीं लगा सकता है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि डिजिटल तरीकों से भुगतान पर एमडीआर के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।



क्या कहते हैं एक्सपर्ट

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि व्यवसायी और ग्राहक के बीच एक निश्चित रकम से ज़्यादा के यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लग सकता है, लेकिन एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को भुगतान पर नहीं। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि अहम बात यह है कि 'सर्विस' के लिए किसी न किसी को तो पैसे देने ही होंगे। 'यूज़-पे' सिद्धांत के तहत, लेनदेन करने वाले व्यक्ति या मर्चेंट से ही एमडीआर वसूला जाता है।

आखिर इस बिल में बदला क्या है?

यह संशोधन टैक्सेशन एंड अदर लॉज विधेयक, 2026 का हिस्सा है। गुरुवार को लोकसभा में ध्वनिमत से इसे मंजूरी मिल गई। अब तक पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट की धारा 10ए के तहत आयकर अधिनियम की धारा 269एसयू में शामिल डिजिटल भुगतान माध्यमों पर बैंक या पेमेंट कंपनियां किसी तरह का शुल्क नहीं लगा सकती थीं।

पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS)
UIN : IRDAN126P0002V02200708

फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ
फसल बीमा माह 1-31 जुलाई, 2026
खरीफ-2026

''किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना''

भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से ''भारतीय कृषि बीमा कंपनी'' द्वारा खरीफ 2026 में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में संचालित की जा रही है।

अधिसूचित फसलें : खरीफ राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - टमाटर, बैगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरुद

योजना की विशेषताएँ

- आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
- ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र दोनो खरीफ मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 14 अगस्त 2026 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
- अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
- जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र , 7) के सी सी (KCC) / कृषि ऋण न लेने के संबंध में स्व - घोषणा पत्र।
- बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।

आधार अनिवार्य
किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 14.08.2026से पूर्व , बैंक में अपडेट करालें और सुनिश्चित करें कि वह DBT (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के लिए सक्षम हो। यह PMFBY के तहत अपनी बकाया क्लेम राशि (यदि कोई हो) प्राप्त करने के लिए आवश्यक है, साथ ही फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।

आवरित जोखिम

अधिसूचित क्षेत्र आधार पर
1) तापमान (कम, अधिक) 2) वर्षा (कम, अधिक, बेमौसम वर्षा)
3) वायु गति 4) कीट एवं व्याधि प्रकोप के अनुकूल मौसम

स्थानीय आपदा एवं फसल विशेष के आधार पर
1) ओलावृष्टि 2) चक्रवाती हवाएँ

क्र.सं	मौसम	अधिसूचित फसलें	स्थानीय आपदा हेतु जोखिम
1.	खरीफ	मिर्च, केला एवं पपीता	ओलावृष्टि
2.	खरीफ	केला एवं पपीता	चक्रवाती हवाएँ

हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)
- अधिसुचित क्षेत्र में स्थापित ''स्वाचालित मौसमी केन्द्र'' (AWS) से प्राप्त उपरोक्त लिखित सभी 4 अवरित जोखिमों के प्रमाणित आंकडों एवं अधिसुचित टर्मशीट के अनुसार दावा गणना की जायेगी।
- दावा राशि का भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया जावेगा।
- किसानों को फसल क्षति से संबंधित सूचना बीमा कम्पनी को देने की आवश्यकता नही है।

हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)
स्थानीय आपदाएँ से फसलों में नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर बीमित फसलों के ब्यौरे, क्षति की मात्रा, क्षति का कारण, फोटो इत्यादि के साथ यहाँ सूचित करें :-
राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ।
लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप।
जिला/तहसील स्तर के उद्यानिकी/कृषि/राजस्व कार्यालय।
भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर (14447)।
नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।

1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	खरीफ - 5%
2. बैंक / प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति / लोक सेवा केन्द्र / ऑनलाईन पंजीकरण / बीमा अभिकर्ता / डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने / प्रीमियम जमा / खाते से प्रीमियम कटौती / बीमा कराने की अंतिम तिथि	14 अगस्त 2026

- किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 14-08-2026 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा / क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक / जिला सहकारी बैंक / प्राथमिक सहकारी समितियाँ / लोक सेवा केन्द्र (CSC) / भारत सरकार की बीमा पोर्टल / डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
- योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखें अथवा उद्यानिकी / कृषि / राजस्व अधिकारी / बैंक / CSC एवं ए.आई.सी. क्षेत्रीय / जिला / तहसील कार्यालय से संपर्क करें।

भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई-मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली-110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia aicofindialtd aicofindialtd
कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447
फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ॥
विज्ञापन नम्रत्र (नियम एवं शर्तें लागू)
बीमा आग्रह की विषय वस्तु है।
HO/26-27/1A/13

चिंतन

भारतीय कानून का सम्मान करें सोशल मीडिया कंपनियां



आर्थिकी
सतीश सिंह

किसी लोकतंत्र में यह अधिकार किसके पास होना चाहिए कि कौन-सी आवाज करोड़ों लोगों तक पहुंचे और कौन-सी नहीं? जनता के पास, संविधान के पास, कानून के पास या फिर कैलिफोर्निया में बैठे किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के एल्गोरिद्म के पास? पिछले कुछ दिनों से भारत सरकार और मेटा के बीच चल रहा टकराव इसी मूल प्रश्न के इर्द-गिर्द घूम रहा है। खासकर कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने पैसे लेकर जिस तरह से खास तरह के कंटेंट को असामान्य रूप से बढ़ावा दिया, जबकि दूसरी तरह के कंटेंट की पहुंच सीमित रही, उसने सरकार के कान खड़े कर दिए हैं। इन आरोपों के पक्ष या विपक्ष में अभी कोई सार्वजनिक तकनीकी जांच सामने नहीं आई है, लेकिन इतना जरूर हुआ कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निष्पक्षता पर बहस तेज हो गई है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फेसबुक अकाउंट से पोस्ट किया गया वीडियो कई घंटों के लिए हटा दिया गया। मेटा ने इसे तकनीकी भूल बताते हुए सार्वजनिक माफी भी मांग ली। लेकिन क्या केवल माफी इस पूरे विवाद का समाधान है? शायद नहीं। यही वजह है कि पिछले दो दिनों से मेटा की वैश्विक टीम भारत में डेरा डाले हुए है। गुरुवार को भी सरकार के साथ उसकी लंबी बैठकों का दौर जारी रहा। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कंपनी के अधिकारियों से मुलाकात की। सरकार ने सिर्फ प्रधानमंत्री का वीडियो हटने का कारण नहीं पूछा, बल्कि उससे कहीं बड़े सवाल सामने रख दिए हैं। मेटा के एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं? कंटेंट मॉडरेशन का आधार क्या है? भारतीय कानूनों का पालन कैसे सुनिश्चित होता है? डीपफेक और बाल यौन शोषण सामग्री जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने की व्यवस्था क्या है? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या मेटा वास्तव में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा का हकदार है? ये सवाल केवल मेटा से नहीं हैं। ये हर उस वैश्विक डिजिटल कंपनी से हैं जिसने भारत में करोड़ों उपयोगकर्ता तो बना लिए, लेकिन जवाबदेही के मामले में अक्सर अपनी वैश्विक नीतियों की आड़ लेती रही है। दरअसल, पिछले एक दशक में सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा। यह राजनीति, चुनाव, सामाजिक आंदोलनों, व्यापार और जनमत निर्माण का प्रभावशाली मंच बन चुका है। पहले यह काम अखबारों और टीवी चैनलों के संपादक करते थे। आज यह जिम्मेदारी एल्गोरिद्म निभा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अखबार का संपादक सामने दिखाई देता था, उसकी जवाबदेही तय होती थी। एल्गोरिद्म अदृश्य है। वह किस आधार पर निर्णय लेता है, किसे ऊपर लाता है और किसे नीचे धकेल देता है, यह किसी को पता नहीं। यही अपारदर्शिता सबसे बड़ी चिंता है। भारत सरकार का यह कहना बिल्कुल उचित है कि भारत में कारोबार करने वाली किसी भी कंपनी को भारतीय कानूनों के तहत ही काम करना होगा। सरकार की जवाबदेही भी है कि नियमन के नाम पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश न लगे। इसलिए कानून का उद्देश्य विचारों को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि नियमों को निष्पक्ष और समान रूप से लागू करना होना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र है। यहां कानून संसद बनाती है, जनता सरकार चुनती है और संविधान सर्वोच्च है। इसलिए यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि किसी बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी का एल्गोरिद्म भारतीय लोकतंत्र से बड़ा हो जाए।

संतुलन साधती मौद्रिक नीति

> केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख 'न्यूट्रल' बनाए रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल न तो ब्याज दरों में जल्दबाज़ी में कटौती की आवश्यकता है और न ही उन्हें बढ़ाने का कोई औचित्य दिखाई देता है। आरबीआई ने स्वीकार किया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई अभी भी उसके लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि महंगाई का प्रमुख स्रोत मांग में अत्यधिक वृद्धि नहीं, बल्कि खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। यदि आने वाले महीनों में महंगाई अनुमानित दिशा में घटती है, खाद्य आपूर्ति सामान्य रहती है और वैश्विक जोखिम नियंत्रित होते हैं, तो आरबीआई के पास भविष्य में अधिक अनुकूल नीतिगत कदम उठाने की पर्याप्त गुंजाइश होगी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और उसकी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 5 अगस्त की समीक्षा बैठक में व्यापक बाजार अपेक्षाओं के अनुरूप रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा। इस नीति समीक्षा का केंद्रीय संदेश यह है कि आरबीआई ऐसे समय में अत्यंत संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहता है, जब एक ओर महंगाई पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आई है और दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूत विकास की ओर अग्रसर है। यही कारण है कि केंद्रीय बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति का रुख 'न्यूट्रल' बनाए रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल न तो ब्याज दरों में जल्दबाजी में कटौती की आवश्यकता है और न ही उन्हें बढ़ाने का कोई औचित्य दिखाई देता है। आरबीआई ने स्वीकार किया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई अभी भी उसके लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि महंगाई का प्रमुख स्रोत मांग में अत्यधिक वृद्धि नहीं, बल्कि खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

यही कारण है कि केंद्रीय बैंक कोर महंगाई को लेकर अपेक्षाकृत आश्वस्त दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आरबीआई ने खुदरा महंगाई के औसत अनुमान को 5 प्रतिशत पर रखा है। उसके तिमाही अनुमानों के अनुसार दूसरी तिमाही में महंगाई 4.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही में 5.5 प्रतिशत रह सकती है। यह अनुमान बताता है कि आरबीआई खाद्य एवं आपूर्ति पक्ष से उत्पन्न दबावों को अस्थायी मान रहा है और उसे उम्मीद है कि समय के साथ इनमें नरमी आएगी। महंगाई को लेकर सतर्क रुख के बावजूद आरबीआई आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर पहले की तुलना में अधिक आशावाद है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तिमाही आधार पर पहली तिमाही में 7 प्रतिशत, दूसरी में 6.4 प्रतिशत, तीसरी में 6.5 प्रतिशत और चौथी में 6.8 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान यह दर्शाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अभी भी संतोषजनक बनी हुई है। इस आशावाद के पीछे कई ठोस कारण हैं। विनिर्माण क्षेत्र के शुरुआती संकेत उत्साहजनक हैं, सेवा क्षेत्र लगातार विस्तार कर रहा है, निजी उपभोग मजबूत बना हुआ है तथा विवेकाधीन खर्च में भी सुधार देखा जा रहा है। सार्वजनिक निवेश और अवसंरचना परियोजनाओं का प्रभाव भी आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहा है। ऐसे परिदृश्य में ब्याज दरों में अनावश्यक बदलाव की आवश्यकता नहीं है। रेपो दर के साथ-साथ स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5 प्रतिशत तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) एवं बैंक दर 5.5 प्रतिशत पर भी अपरिवर्तित रखी गई हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि केंद्रीय बैंक मौद्रिक ढांचे में किसी बड़े परिवर्तन का इच्छुक नहीं है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उसका 'न्यूट्रल' नीति रुख है।

इसका अर्थ यह है कि आरबीआई किसी पूर्वनिर्धारित दिशा में नहीं बढ़ रहा, बल्कि आने वाले आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप



निर्णय लेने की रणनीति पर कायम है। हालांकि रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया गया, फिर भी आरबीआई ने यह संकेत दिया है कि यदि आवश्यकता हुई तो बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाए रखने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कमी, ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) अथवा अन्य उपयुक्त साधनों का उपयोग किया जा सकता है। फिलहाल केंद्रीय बैंक का आकलन है कि बैंकिंग प्रणाली में धन की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी अतिरिक्त प्रोत्साहन की तत्काल आवश्यकता नहीं है। पिछले कुछ महीनों के दौरान मनी मार्केट दरों और सरकारी प्रतिभूतियों की प्रतिफल दरों में नरमी आई है। यह संकेत है कि बैंकिंग प्रणाली में तरलता पहले की तुलना में अधिक सुलभ हुई है। साथ ही उद्योग, सेवा और खुदरा- तीनों क्षेत्रों में ऋण मांग संतोषजनक बनी हुई है। यद्यपि जमा और ऋण दरों के बीच अंतर घटने से कुछ बैंकों के नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) पर दबाव देखा गया है, फिर भी बैंकिंग प्रणाली की समग्र वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है। इसका अर्थ है कि बैंकों के पास ऋण उपलब्ध कराने की क्षमता बनी हुई है और अर्थव्यवस्था में धन प्रवाह फिलहाल संतुलित है। आरबीआई की सतर्कता का सबसे महत्वपूर्ण कारण वैश्विक आर्थिक वातावरण है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव, वैश्विक व्यापार नीतियों में अनिश्चितता, विकसित अर्थव्यवस्थाओं की मौद्रिक नीतियां तथा जलवायु संबंधी जोखिम- विशेषकर अल नीनो- आने वाले महीनों में महंगाई और विकास, दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। ऐसे में यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि होतीहै, तो उसका सीधा असर घरेलू महंगाई, चालू खाते के घाटे और राजकोषीय संतुलन पर पड़ेगा। फिलहाल होम लोन, ऑटो लोन तथा अन्य फ्लोटिंग ब्याज दर वाले ऋणों की मासिक किस्तों (ईएमआई) में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसी प्रकार सावधि जमा पर ब्याज दरों में भी तत्काल व्यापक परिवर्तन की उम्मीद कम है। उद्योग जगत के लिए राहत की बात यह है कि ऋण उपलब्धता बनी रहेगी और बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कोई गंभीर कमी नहीं है। निवेशकों के लिए भी यह नीति अपेक्षाकृत स्थिर ब्याज दर वातावरण का संकेत देती है, जिससे पूंजी बाजारों में अनिश्चितता सीमित रह सकती है। अगस्त 2026 की मौद्रिक नीति समीक्षा यह स्पष्ट करती है कि आरबीआई ने महंगाई नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि और वित्तीय स्थिरता-इन तीनों उद्देश्यों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया है। एक ओर उसने विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित मजबूती पर भरोसा जताया है, वहीं दूसरी ओर संभावित महंगाई जोखिमों को देखते हुए ब्याज दरों में कटौती से परहेज किया है। साथ ही पर्याप्त तरलता बनाए रखने का आश्वासन देकर उसने बैंकिंग प्रणाली को विश्वास भी दिया है, किंतु अतिरिक्त नकदी प्रवाह से बचकर मौद्रिक अनुशासन को भी कायम रखा है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह नीति न तो अत्यधिक उदार कही जा सकती है और न ही अनावश्यक रूप से कठोर। यह ऐसी संतुलित रणनीति है, जिसमें अल्पकालिक लोकप्रियता के बजाय दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दी गई है। यदि आने वाले महीनों में महंगाई अनुमानित दिशा में घटती है, खाद्य आपूर्ति सामान्य रहती है और वैश्विक जोखिम नियंत्रित होते हैं, तो आरबीआई के पास भविष्य में अधिक अनुकूल नीतिगत कदम उठाने की पर्याप्त गुंजाइश होगी।

(लेखक वरिष्ठ बैंकिंग एवं आर्थिक स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जयंती
आज

राष्ट्र निर्माण में ओपी जिंदल का योगदान



राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं होता; उसे आकार देते हैं वे दूरदर्शी व्यक्तित्व, जो अपने कर्म, विचार और मूल्यों से समाज को नई दिशा देते हैं। ऐसे ही युग निर्माताओं में ओम प्रकाश जिन्दल का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। उनकी 96वीं जयंती केवल एक महान उद्योगपति को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उस जीवन-दर्शन को नमन करने का समय है, जिसने उद्योग को राष्ट्र सेवा का माध्यम, शिक्षा को सशक्त समाज की नींव और सेवा को विकास का सर्वोच्च उद्देश्य माना।

हरियाणा के हिसार स्थित नलवा गांव के एक किसान परिवार में जन्म लेने वाले ओम प्रकाश जिन्दल की जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि बड़े सपने, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम किसी भी व्यक्ति को असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने चुनौतियों को अवसरों में बदलते हुए एक ऐसे औद्योगिक समूह की स्थापना की, जिसने भारतीय इस्पात उद्योग, ऊर्जा, अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। लेकिन उनकी पहचान केवल एक सफल उद्योगपति की नहीं थी। उन्होंने ऐसी कार्य-संस्कृति विकसित की, जिसमें ईमानदारी, गुणवत्ता, नवाचार, मानवीय संवेदनशीलता और राष्ट्रहित सर्वोपरि रहे। यही मूल्य आज भी उनकी विरासत की सबसे बड़ी पहचान हैं।

ओपी जिन्दल का विश्वास था कि मजबूत उद्योग किसी भी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति का आधार होते हैं। उद्योग केवल उत्पादन नहीं बढ़ाते, बल्कि रोजगार, कौशल, आत्मनिर्भरता और सामाजिक विकास के नए अवसर भी पैदा करते हैं। आज जब भारत मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब उनके विचार पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देते हैं। उन्होंने बहुत पहले ही यह समझ लिया था कि भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि विश्वस्तरीय उत्पादक राष्ट्र बनना होगा। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए जिन्दल समूह उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात, आधुनिक विनिर्माण, तकनीकी उत्कृष्टता और औद्योगिक नवाचार के माध्यम से देश के रेलवे, ऊर्जा, अवसंरचना, निर्माण और रक्षा क्षेत्रों के विकास में निरंतर योगदान दे रहा है। ओपी जिन्दल का मानना था कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं और उनकी शिक्षा से तय होता है। उनके लिए शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि नेतृत्व, नैतिकता, संवेदनशीलता और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने का साधन थी। आज जब भारत ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब उनकी सोच और अधिक प्रासंगिक हो जाती है। उनकी प्रेरणा से स्थापित शैक्षणिक संस्थानों ने हजारों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और नेतृत्व के अवसर प्रदान किये हैं।

ओपी जिन्दल का विश्वास था कि विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उनके लिए उद्योग और समाज एक-दूसरे के पूरक थे। इसी सोच के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, कौशल विकास, खेल प्रोत्साहन, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में निरंतर कार्य किये जाते रहे हैं। उन्होंने सामाजिक उत्तरदायित्व को केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि विकास की मूल भावना माना। आज का औद्योगिक विकास केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है; वह पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और तकनीकी नवाचार से भी जुड़ा है। जिन्दल समूह भी इन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए ऊर्जा दक्षता, तकनीकी आधुनिकीकरण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और टिकाऊ औद्योगिक प्रक्रियाओं पर लगातार कार्य कर रहा है। यह दृष्टिकोण श्री ओ.पी. जिन्दल जी की दूरदर्शी सोच का ही विस्तार है, जिसमें विकास और पर्यावरण साथ-साथ चलते हैं।

भारत आज विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है। यह पीढ़ी नवाचार, स्टार्टअप, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के नए युग का नेतृत्व कर रही है। ऐसे समय में ओ.पी. जिन्दल का जीवन युवाओं को यह संदेश देता है कि सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं होनी चाहिए; उसका उद्देश्य समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना भी होना चाहिए। एक सफल उद्योगपति होने के साथ-साथ ओपी जिन्दल सार्वजनिक जीवन में भी सक्रिय रहे। हिसार से विधायक, कुरुक्षेत्र से सांसद और हरियाणा के ऊर्जा मंत्री के रूप में उन्होंने विकास, ग्रामीण प्रगति, रोजगार और जनकल्याण को अपनी प्राथमिकता बनाया। उनके लिए सार्वजनिक जीवन का अर्थ सत्ता नहीं, बल्कि सेवा था। उनका जीवन आज भी यह संदेश देता है कि विकसित भारत का निर्माण सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और समाज की साझी भागीदारी से ही संभव है। आज भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आज उनकी 96वीं जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें- राष्ट्र को सर्वोपरि रखें, उत्कृष्टता को अपना लक्ष्य बनाएं और विकास को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लें।

ओपी जिन्दल का जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव उद्योग, शिक्षा और सेवा के समन्वय से तैयार होती है। यही उनका जीवन-दर्शन था, यही उनकी अमर विरासत है और यही विकसित, आत्मनिर्भर तथा समावेशी भारत का मार्ग भी है।

गुरु बिना न भक्ति सार्थक और न ही मुक्ति संभव



संकलित
दर्शन

कागा सब तन खाइयो, चुनि चुनि खाइयो मांस। दुइ अखियां मत खाइयो, मोहे पिया मिलन की आस।।

इश्क हकीकी हो या इश्क मिजाजी, यह इश्क का चरम है। इश्क के लिए सब कुछ न्यौछावर कर दें, तो भी थोड़ा है, कम है। इतिहास गवाह है कि इश्क करने वालों ने मरना कुबूल किया, पर इश्क से मुंह मोड़ना मंजूर नहीं किया। सांसारिक प्रेम के दीवाने हों या फिर रब्बी इश्क के मतवाले। खुदा की खोज स्वयं की खोज है। इसलिए स्वयं को स्वयं तक पहुंचने के लिए जरूरत होती है पूर्ण सद्गुरु और सच्चे रहबर तक पहुंचने की। सद्गुरु बेखबर इनसान को खबर देते हैं कि ये रहा निरंकार। तुम इसे चाहे कुछ भी नाम दे दो, है ये एक ही। खुदा भी यही, प्रभु भी यही, ऑलमाइटी गॉड भी यही तो वाहेगुरु भी यही। यही महबूब है हर रूह का, जिसे पाने के लिए आत्मा ने जाने कितने जन्म लिए हैं। इसे पाने के बाद ही भक्ति शुरू होती है और इसको जान लेने से ही मुक्ति मिलती है। इसके बिना न भक्ति सार्थक है और न मुक्ति संभव है। सद्गुरु मिलते ही सारे भ्रम-भुलेखे समाप्त हो उठते हैं। प्रेम और इश्क करने वालों के हिस्से तो सजा ही आया करती है। सजा से डरकर वे अपना समर्पण छोड़ नहीं दिया करते। यहां कवि ने ऐसे ही समर्पण को अपनी दो पंक्तियों में इस तरह व्यक्त किया है कि हां, मैंने मोहब्बत की है। यह मेरा गुनाह है तो खुलकर सजा दे दो। मेरे तन की बोटी-बोटी नोच लो, पर ख्याल रहे कि ये आंखें सलामत रहें, इन आंखों को मत छूना क्योंकि ये आंखें पिया की बाट जोह रही हैं।

प्रभावी संवाद के लिए संवेदनशीलता जरूरी



संकलित
प्रेरणा

प्रभावी संवाद के लिए संवेदनशीलता तथा समझदारी, दोनों गुणों में निपुणता आवश्यक है। कुछ लोग अति संवेदनशील होते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप वे अपनी बुद्धिमता खो देते हैं। उनकी वाणी में अस्पष्टता होती है और उसमें अस्फुटता झलकती है। इसमें आपकी मनःस्थिति का भी योगदान है। आप केवल क्रोध कर के किसी को सुधार नहीं सकते। इससे केवल आपके मन की शांति ही भंग होगी। जब आप लोगों से मिलते हो तो प्रायः आप उनसे बुद्धि के स्तर पर ही संवाद करते हो। यही, जब आप प्रकृति के साथ होते हो तो आप स्वतः ही गाना आरंभ कर देते हो तथा प्रकृति के साथ अपने दिल से संवाद स्थापित कर लेते हो। जब आप लोगों के साथ होते हो तो बुद्धि के स्तर पर ही बातचीत अथवा गपशप ही करते रहते हो। किंतु आप यदि प्रकृति के संग हो तो आप गुनगुनाने लगते हो और आपका संवाद दिल से निकलता है। और जब आप गुरु के सान्निध्य में होते हो तो आप खाली हो जाते हो, सभी प्रश्न भूल जाते हो! तब उस मौन में आत्मा के स्तर पर संवाद होता है। संसार में जन्म लेते ही, जैसे ही हम अपनी प्रथम श्वास लेते हैं, हम संवाद करना आरंभ कर देते हैं। हमारा पहला क्रंदन अपनी मां और इस दुनिया से हमारे प्रथम संवाद का द्योतक है कि मैं आ गया हूं। और अपनी अंतिम सांस तक हम निरंतर संवाद करते रहते हैं। तथापि, अच्छे स्तर का संवाद केवल शब्दों से कहीं ऊपर होता है। यह एक कला है और प्रभावी संवाद के लिए, केवल बोले गए शब्द की जगह बहुत से अन्य आयाम होते हैं।

अंतर्मन

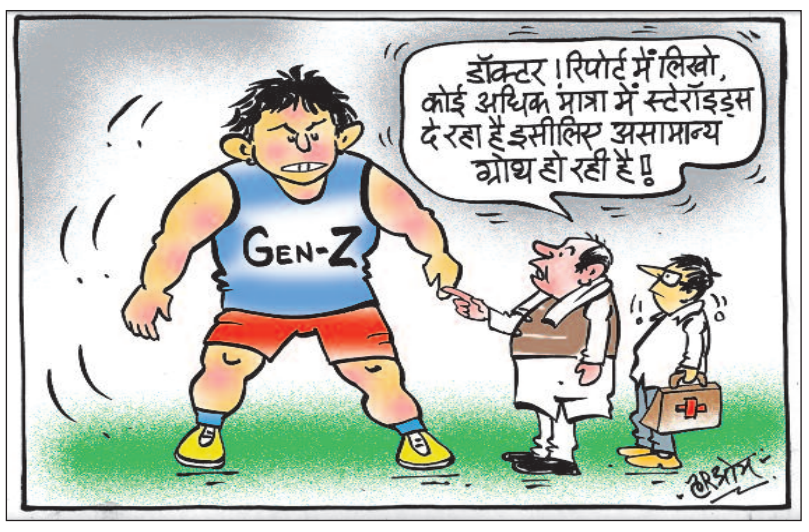

आज की पाती

नाबालिग वाहन चालकों के लिए सख्ती हो

नाबालिग वाहन चालकों के लिए सख्ती होना चाहिए। अगर कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए पुलिस पकड़ लेती है तो इसके लिए सख्त कानून का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस कानून के तहत लगभग 25 हजार जुर्माना और लगभग तीन साल की सजा का भी प्रावधान है। हालांकि सरकार और प्रशासन इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाए। स्कूलों में इसके लिए बच्चों को जागरूक भी किया जाए और स्कूलों से विद्यार्थियों के माता-पिता को इसके लिए नोटिस भी भेजे जाए कि वो अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न दें। दोपहिया वाहन एक्सीडेंट का आंकड़ा भी दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। दोपहिया वाहन, मोटरसाइकिल, स्कूटर या फिर एक्टिवा चलाते समय हैलमेट का प्रयोग अपनी जान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है, न कि चालान के डर से। *- दया ठाकुर, रायपुर*

ट्रेंड

'गोबरधन' योजना



केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 23,731 करोड़ की लागत वाली 'गोबरधन' योजना को मंजूरी देना 'आत्मनिर्भर भारत', स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण समृद्धि की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह फैसला देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। **- योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उप्र

बीजेपी-स्टाइल



यह बीजेपी-स्टाइल की तरक्की की नई हवा है... जिस सड़क का उद्घाटन कुछ दिन पहले ही हुआ था, उसकी मरम्मत अभी से करनी पड़ रही है और मरम्मत को सुखाने के लिए तेज रफ्तार वाले पंखे इस्तेमाल किए जा रहे हैं- यह भी हंसी की बात है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हम छात्रों के साथ



कांग्रेस पार्टी छात्रों के साथ खड़ी है। चाहे झारखंड हो, पंजाब हो, दिल्ली हो या कोई और जगह, हम अपने छात्रों के साथ मजबूती से खड़े हैं। चाहे हमारे गठबंधन के साथी हों या विपक्ष, हम छात्रों और युवाओं के साथ खड़े हैं। हम उनकी समस्याओं को हल करने के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

निष्पक्ष जांच हो



पिछले छह सालों में जेएसएससी द्वारा आयोजित सभी भर्ती परीक्षाएं, जिनमें सीजीएल, उत्कर्ष सिपाही और असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल हैं, उन्हें तुरंत रद्द किया कर उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

रानी-प्रिया कपूर विवाद, आपसी सहमति से समझौते की उम्मीद



उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर और पत्नी प्रिया कपूर के बीच पारिवारिक न्यास को लेकर जारी विवाद में बृहस्पतिवार को कहा कि मध्यस्थता की प्रक्रिया 'काफी संतोषजनक' ढंग से बढ़ रही है और उसे 'उम्मीद' है कि यह विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिया जाएगा। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मध्यस्थ की ओर से दाखिल शुरुआती मध्यस्थता रिपोर्ट पर गौर किया। पीठ ने कहा, हमने देखा है कि अबतक मध्यस्थता की प्रक्रिया छह सत्रों में हुई है। मध्यस्थ ने परिवार के सभी सदस्यों से बातचीत की है। हमें यह जानकर खुशी है कि मध्यस्थता काफी संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रही है। हमें इस बात से भी खुशी है कि सभी पक्ष सहयोग कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि मध्यस्थ ने दो नवंबर तक मध्यस्थता के लिए समय देने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा, संबंधित पक्षों को खुले मन और दिल से मध्यस्थ के पास जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे किसी लंबे कानूनी विवाद में न फंसें। मध्यस्थता को बढ़ने दें, हम एक और रिपोर्ट का इंतजार करेंगे। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी निर्देश दिया कि मध्यस्थ की फीस का भुगतान 'आर.के. फैमिली ट्रस्ट' से किया जाए।

ऑफ बीट

मिंजर मेला : संस्कृति और धार्मिक आस्था की अनूठी झलक

श्रावण की पहली फुहारों और रावी नदी के अनहद नाद के बीच दूसरे रविवार को चंबा के ऐतिहासिक मैदान में अंतरराष्ट्रीय मिंजर महोत्सव का शुभारंभ होता है।



शोभायात्रा में स्थानीय संस्कृति और धार्मिक आस्था की अनूठी झलक देखने को मिलती है। माना जाता है कि किसी महत्वपूर्ण विजय और समृद्ध फसल की खुशी में लोगों ने राजा का स्वागत धान और मक्की की बालियों के प्रतीक 'मिंजर' से किया। 'मिंजर' रेशमी धागों से तैयार की जाने वाली एक विशेष लटकन होती है, जो धान और मक्की की नई बालियों का प्रतीक मानी जाती है। इसे अच्छी फसल, खुशहाली और समृद्धि का संदेश देने वाला शुभ प्रतीक माना जाता है। शोभायात्रा में भगवान लक्ष्मीनारायण और भगवान रघुनाथ मंदिर में मिंजर अर्पित की जाती है। मेले के दौरान लोग इसे अपने वस्त्रों पर धारण करते हैं और मंदिरों में अर्पित करते हैं। मेले का समापन विशेष धार्मिक अनुष्ठान के साथ होता है। अंतिम दिन शोभायात्रा रावी नदी के तट तक पहुंचती है, जहां मिंजर, नारियल, मौसमी फल और शुभ सामग्री जल में अर्पित की जाती है। यह परंपरा प्रकृति के प्रति आभार, अच्छी फसल और सुख-समृद्धि की कामना का प्रतीक मानी जाती है। धीरे-धीरे यह परंपरा एक बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक मेले में बदल गई, जो आज भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

एआई -ब्लॉकचेन से बदलेगी परीक्षा प्रणाली

एनटीए की कुंडली खंगालेगी नीलेकणि टास्क फोर्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नंदन नीलेकणि की अगुवाई में एक नई टास्क फोर्स भारत की परीक्षा प्रणाली में सुधार पर काम कर रही है। खास बात यह है कि इस टास्क फोर्स का फोकस 2024 की राधाकृष्णन समिति के सुझावों से मिलता-जुलता है। इन सुझावों में मुख्य रूप से परीक्षा की सुरक्षा, बेहतर तकनीक का इस्तेमाल और मजबूत नियम-कानून बनाना शामिल है। टास्क फोर्स को मिले 10 'टर्म्स ऑफ रेफरेंस' में से 9 मुख्य बातों पर गौर किया गया, जिनमें से 7 सीधे तौर पर और 2 आंशिक रूप से राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों से मेल खाती हैं। इससे पता चलता है कि ये सुझाव कोई नए नहीं हैं, बल्कि पहले भी उन पर विचार किया जा चुका है।



कामकाज और साइबर सुरक्षा की भी जांच

नीलेकणि का पैनल पूरी परीक्षा प्रणाली की गहनता से जांच कर रहा है, जिसमें नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का आंतरिक कामकाज भी शामिल है। मौजूदा चिंताओं और साइबर खतरों खासकर नीट-यूजी 2026 को लेकर जो सवाल उठे हैं, को देखते हुए, एआई और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके सिस्टम को बेहतर बनाने का काफी दबाव है। एनटीए को भले ही बड़ी-बड़ी परीक्षाएं कराने के लिए बनाया गया था, लेकिन हैरानी की बात यह है कि उसके पास अभी तक अपनी कोई कानूनी शक्ति नहीं है। उम्मीद है कि यह पैनल इस अहम मुद्दे पर भी आखिर में कोई समाधान निकालेगा।



छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल

पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

// सर्व संबंधित को सूचना //

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 2006 (यथा - संशोधित) के तहत सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि मेसर्स श्रीराम ऑर्गेनिक इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम- सोण्ड्रा, तहसील-धरसींवा, जिला-रायपुर (छ. ग.) द्वारा प्रस्तावित Solvent Black 5- 400 Tons Per Annum, Acid Black 2 - 1500 Tons Per Annum. Basic Dye (Basic Green - 1/ Basic Green - 4/ Basic Blue - 9/ Basic Yellow-2)- 200 Tons Per Annum and Calcium Sulfate (CaSO4)- 614 Tons Per Annum के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत लोक सुनवाई दिनांक 09/09/2026 को प्रातः 11:00 बजे से स्थान ग्राम सोण्ड्रा, तहसील धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित राधा भवन में नियत की गई है। यह भी सूचित हो कि लोक सुनवाई के दौरान भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ऑफिस मेमोरेण्डम F. No. 22-25/2020-IA.III दिनांक 14.09.2020 तथा कोरोना वाईरस के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी समस्त दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन कराया जाना अनिवार्य होगा ।

ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 14 सितम्बर 2006 (यथा- संशोधित) के अनुसार संबंधित व्यक्तियों के अवलोकन/ पठन हेतु ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा तथा सी.डी. (साफ्ट कॉपी) डायरेक्टर, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जोर बाग रोड, नई दिल्ली, वैज्ञानिक 'ई' भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19 नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.), कार्यालय कलेक्टर रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.), मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जिला-रायपुर (छ.ग.), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत धरसींवा जिला- रायपुर (छ.ग.), कार्यालय सरपंच/ सचिव, ग्राम पंचायत सोण्ड्रा, तहसील धरसींवा, जिला- रायपुर, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, न्यू ऑफिस बिल्डिंग, रिंग रोड़ नं. 2, टाटीबंध, रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है।

सदस्य सचिव
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल,
नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ. ग.)

S-48683/1

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गुरूर जिला बालोद (छ.ग.)

-:: विज्ञापन ::-

क्रमांक / 718 / खाद्य/अ.वि.अ./2026 गुरूर, दिनांक 03.08.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विकासखंड गुरूर अंतर्गत ग्राम पंचायतों की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन हेतु इच्छुक संस्थाओं से आवेदन निम्नलिखित शर्तों के अधीन विज्ञापन प्रकाशित तिथि से दिनांक 20.08.2026 सायं 05:30 तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गुरूर में कार्यालयीन समय पर आवेदन निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किया जाता है :-

क्र.	विकासखंड का नाम	नगरीय निकाय / ग्राम पंचायत का नाम
1	गुरूर	चिटौद (नवीन अतिरिक्त)
2	गुरूर	अरकार (नवीन अतिरिक्त)
3	गुरूर	पेण्डरवानी (नवीन अतिरिक्त)
4	गुरूर	धोबनपुरी
5	गुरूर	भानपुरी

अधिकृत संस्थाः-

01. ग्राम पंचायत
02. महिला स्व सहायता समूह
03. प्राथमिक कृषि शाख समितियां
04. अन्य सहकारी समितियां
05. राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम
06.वन सुरक्षा समितियां

(अ) ग्राम पंचायत हेतु :-

1. ग्राम पंचायत के द्वारा दुकान संचालन की स्थिति में ग्राम पंचायत को दुकान संचालन स्वतः करना होगा अर्थात किसी निजी व्यक्ति को अधिकृत नहीं किया जा सकेगा।
2. ग्राम पंचायत द्वारा दुकान संचालन करने पर सरपंच एवं पंच, पंचायत सचिव एवं एक गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले कार्डधारी तथा अन्त्योदय कार्डधारी व्यक्ति जिसमें दो महिला सदस्य होना आवश्यक है, के समिति द्वारा संचालन किया जाना होगा।
3. स्थानीय शिक्षित बेरोजगार व्यक्ति को सेल्समेन के पद पर ग्राम पंचायत अनुमोदन पश्चात रखा जाना अनिवार्य होगा।

(ब) महिला स्व सहायता समूह हेतु :-

1. स्थानीय समूह का पंजीयन विज्ञापन तिथि से 03 माह पूर्व का होना अनिवार्य है।
2. समूह के खाते में पर्याप्त धनराशि जमा होना अनिवार्य है जिससे इलेक्ट्रॉनिक कांटा टेबलेट एवं एक माह के खाद्यान्न एवं केरोसीन के डी.डी. हेतु पर्याप्त राशि हो।
3. समूह द्वारा विक्रेता के पद पर शिक्षित बेरोजगार महिला को रखना अनिवार्य होगा।
4. समूह के विरुद्ध किसी प्रकार की अनियमितता का प्रकरण न हो।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
गुरूर जिला बालोद (छ.ग.)

G-262702593/2



CGHIDB
CHHATTISGARH HOUSING AND INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT BOARD

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
www.cghb.gov.in

आवासीय एवं व्यवसायिक भवन/भूखण्ड प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

www.cghb.gov.in ➡ ONLINE BOOKING ➡ BOOK PROPERTY ONLINE

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

बुकिंग की अंतिम तिथि 31 अक्टुबर 2026

सबके लिए आवास

कबीर हाइट्स, रायपुर फेस-3 में निर्मित प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
1.	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	477.42	386.82	17.96	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9424209026, 9827158516, 9406486774, 9827985143, 8358027617

कबीर हाइट्स, रायपुर फेस-3 में निर्माणाधीन प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
2.	ई. डब्ल्यू. एस. फ्लैट (1 बी. एच. के.)	353.46	278.68	10.25	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9424209026, 9827158516, 9406486774, 9827985143, 8358027617

सड्डू, रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
3.	एल. आई. जी. (स्वतंत्र 1 बी.एच.के.)	899.75	425.98	-	18.35	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9424209026, 9827158516, 9406486774, 9827985143, 8358027617

आवासीय सह व्यवसायिक परिसर, रिंग रोड नं. 2, टाटीबंध रायपुर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत फ्लैट्स/दुकान उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध फ्लैटस का प्रकार	भवन / दुकान का बिल्टप एरिया(वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	फ्लैटस / दुकान का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
4.	एम.आई.जी., द्वितीय तल 207 (2 बीएचके)	888.99	666.74	28.20	2.82
5.	एम.आई.जी., चतुर्थ तल 401, 404 से 406, 408, 409 (2 बीएचके)	950.00	712.50	27.80	2.78
6.	एम.आई.जी.,पंचम तल501,504 से 506,508(2 बीएचके)	950.00	712.50	27.60	2.76
7.	एम.आई.जी., तृतीय तल 303 (2 बीएचके)	888.99	666.74	26.23	2.62
8.	एम.आई.जी., चतुर्थ तल 403 (2 बीएचके)	888.99	666.74	26.03	2.60
9.	एम.आई.जी., पंचम तल 502, 503 (2 बीएचके)	888.99	666.74	25.83	2.58
10.	भूतल दुकान क्र 4 एवं 7	271.15	253.93	42.60	4.26
11.	भूतल दुकान क्र 6	277.60	257.04	43.60	4.36

सम्पर्क सूत्र - 9424209026, 9827158516, 9406486774, 9827985143, 8358027617

सेजबहार फेस-02, रायपुर में निर्माणाधीन सामान्य आवास योजना के अंतर्गत स्वतंत्र एवं प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया(वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
12.	जूनि.एम.आई.जी. टाईप- ।। (3 बी.एच.के.)	1041.03 से 1275.06	1212.44	1156.05	43.47 से 48.60	4.35 से 4.86
13.	ई. डब्ल्यू. एस. (स्वतंत्र 1 बी. एच. के.)	435.78	290.63	288.58	10.70 से 10.75	0.25
14.	ई. डब्ल्यू. एस. फ्लैट (1 बी. एच. के.)	-	375.52	297.19	10.32	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8817637003, 8817282979, 8770956881, 9926752769, 9753266721, 9424209043

सरदार बल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डूमरतराई फेस-।, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत व्यवसायिक ऑफिस हॉल उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध हॉल का प्रकार	हॉल का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	हॉल का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
15.	हॉल क्रमांक (तृतीय तल)	1373.94	1325.30	77.00	7.70
16.	हॉल क्रमांक (तृतीय तल)	936.23	867.90	56.60	5.66

सम्पर्क सूत्र - 8817637003, 7389836158, 8109574062, 7415884353, 9753266721, 9424209043

थोक बाजार, डूमरतराई फेस-।।, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत व्यवसायिक स्वतंत्र दुकान/हॉल उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध दुकानों का प्रकार	दुकान के भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	दुकानों का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	दुकानों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
17.	प्लेटिनम दुकान	1307.34	3318.38	2811.91	215.70	21.57
18.	रुबी दुकान	742.44	2152.43	1578.92	122.59	12.26
19.	कोरल - । दुकान	839.28	2168.57	1802.95	138.54	13.85
20.	ऑफिस हॉल टाईप- ।	-	1058.46	-	174.65	17.47
21.	ऑफिस हॉल टाईप- ।।	-	844.66	-	139.43	13.94

सम्पर्क सूत्र - 8817637003, 7389836158, 8109574062, 7415884353, 9753266721, 9424209043

बोरियाकला में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
22.	ई. डब्ल्यू. एस (1 बी. एच. के.) फ्लैट	351.64	293.21	9.29 से 9.69	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8817637003, 888229851, 9754765020, 7489338740, 8817282979, 9617534299

सेक्टर-12, फेस-।।, नवा रायपुर, अटल नगर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया(वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
23.	जूनि. एम. आई. जी. (2 बी.एच.के)	1049.10	981.85	882.43	45.70	4.57

सम्पर्क सूत्र - 9340894040, 9340036657, 9300777291, 9406300201, 9424209041, 8964939782, 7697777082

सेक्टर-12, फेस-।।, नवा रायपुर, अटल नगर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भवन का बिल्टप एरिया(वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
24.	एच. आई. जी. फ्लैट (प्रकोष्ठ भवन) (3 बी.एच.के)	1267.74	1172.73	40.47	4.05
25.	एम. आई. जी. फ्लैट (प्रकोष्ठ भवन) (2 बी.एच.के)	768.69	694.24	25.85	2.59
26.	एल. आई. जी. फ्लैट (प्रकोष्ठ भवन) (2 बी.एच.के)	598.68	528.31	16.76	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9340894040, 9340036657, 9300777291, 9406300201, 9424209041, 8964939782, 7697777082

ग्राम-सेरीखेड़ी, रायपुर में विशेष आवासीय योजना अंतर्गत भूखण्ड उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध प्लॉट का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भूखण्ड का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
27.	एच. आई. जी. भूखण्ड (प्रथम श्रेणी)	2918.76	37.47	3.75
28.	एम. आई. जी. भूखण्ड (तृतीय श्रेणी)	1506.96	15.95	1.60
29.	एल. आई. जी. भूखण्ड (चतुर्थ श्रेणी)	979.52 से 1058.85	8.52 से 9.43	0.50
30.	ई. डब्ल्यू. एस. श्रेणी भूखण्ड	435.94	2.37	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9340894040, 9340036657, 9300777291, 9406300201, 9424209041, 8964939782, 7697777082

उरला, अमानपुर में निर्मित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र एंव प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
31.	जूनि. एम.आई.जी. टाईप- ।। (2 बी.एच.के.)	1507.75	982.90	731.35	33.46	3.35
32.	ई. डब्ल्यू. एस. फ्लैट (1 बी.एच.के.)	-	403.00	326.67	5.52 से 5.87	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9340036657,9340894040, 7697777082, 8964939782, 9406300201, 9300777291, 9424209041

आरंग फेस-।।, जिला-रायपुर में निर्माणाधीन अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
33.	एम. आई. जी. (2 बी.एच.के.)	1533.30	940.42	774.72	29.64	2.96

सम्पर्क सूत्र - 9340036657,9340894040, 7697777082, 8964939782, 9406300201, 9300777291, 9424209041

गोबरा, नवापारा, जिला-रायपुर में निर्मित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
34.	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी. एच. के.)	435.78	312.04	253.72	7.41	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9340036657,9340894040, 7697777082, 8964939782, 9406300201, 9300777291, 9424209041

बघेरा, जिला-दुर्ग में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
35.	एम. आई. जी. (स्वतंत्र - 2 बी. एच. के.)	1194.36	671.64	608.48	30.80	3.08
36.	जूनि. एम. आई. जी.(स्वतंत्र - 1 बी.एच.के.)	774.72	415.23	362.61	20.00	2.00
37.	ई. डब्ल्यू. एस. (स्वतंत्र - 1 बी.एच.के.)	435.78	306.66	260.82	11.02	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 9425577575, 9827999119, 9424284256

पद्मनाभपुर, जिला-दुर्ग में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
38.	एस. टी. आर. (1 बी. एच. के.)	402.21	326.02	6.47	0.64

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 9425577575, 9827999119, 9424284256

खारुन ग्रीन्स, कुम्हारी, जिला-दुर्ग में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
39.	पलाश (एच.आई.जी. स्वतंत्र 3 बी.एच.के.)	2140.16	1499.94	1349.95	66.34	6.63

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 9425577575, 9827999119, 9424284256

चरोदा, जिला-दुर्ग में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत दुकान उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध दुकानों का प्रकार	दुकान का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	दुकान का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
40.	दुकान	169.47	169.47	11.83	1.18

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 9425577575, 9827999119, 9424284256

मुरमुन्दा, कुम्हारी में निर्मित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
41.	एम. आई. जी. (स्वतंत्र 2 बी.एच.के.)	1501.02	851.33	674.87	33.21	3.32
42.	एल. आई. जी.-ए (स्वतंत्र 1 बी.एच.के.)	1032.96 से 1484.88	494.96	417.38	17.80 से 20.25	0.50
43.	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी.एच.के.)	603.63 से 751.90	361.00	313.01	9.60 से 9.85	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 9425577575, 9827999119, 9424284256

ग्राम-माडिंग पीडिंग (धेनु), जिला-मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी में निर्माणाधीन अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
44.	एम. आई. जी. (स्वतंत्र 2 बी. एच. के.)	1452.60	753.20	618.48	33.00	3.30
45.	एल. आई. जी. (स्वतंत्र 2 बी. एच. के.)	968.40	585.34	420.93	18.60	0.50
46.	ई. डब्ल्यु. एस. (स्वतंत्र 1 बी. एच. के.)	532.62	355.40	270.34	10.30	0.25

सम्पर्क सूत्र - 07744-469714, 7647835037, 9669961057, 8319335305, 9407790205, 8109132680, 8319896556, 8889544960

गुरुर फेस-।।।, जिला-बालोद में प्रस्तावित अटल विहार योजना के अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
47.	एल. आई. जी. (2 बी.एच.के.)	1032.96	592.33	445.57	15.57	0.50
48.	एल. आई. जी.-। (2 बी.एच.के.)	968.40	558.98	413.72	14.12	0.50
49.	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी.एच.के.)	603.63	396.50	317.53	7.27	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8827667477, 9200192752, 9926146493, 7771805020, 9907749771, 9516996027, 7566633725, 9993339399, 7974333853

सिवनी फेस ।।, जिला-बालोद में प्रस्तावित अटल विहार योजना के अंतर्गत स्वतंत्र भवन/दुकान उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
50.	जूनि. एम. आई. जी. -।। (2 बी.एच.के.)	1507.75	852.41	683.80	24.82	2.48
51.	युटिलिटी दुकान	-	185.93	185.93	5.41	0.54

सम्पर्क सूत्र - 8827667477, 9200192752, 9926146493, 7771805020, 9907749771, 9516996027, 7566633725, 9993339399, 7974333853

परपोड़ी, जिला-बेमेतरा में प्रस्तावित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
52.	एल. आई. जी. (2 बी. एच. के.)	1119.04	668.73	592.66	17.61	0.50
53.	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी. एच. के.)	591.80	360.99	359.27	11.20	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9424209025, 9584892449, 7697165679, 7000042369, 7987685947, 9479119384

श्रीराम नगर, कांकेर में प्रस्तावित अटल विहार योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
54.	सिनि. एम.आई.जी. -।।। (2 बी. एच. के.)	2041.71	1157.02	965.32	44.13	4.41
55.	सिनि. एम.आई.जी. -।। (2 बी. एच. के.)	2041.71	1076.00	709.99	39.24	3.92
56.	जूनि. एम.आई.जी. -।।। (2 बी. एच. के.)	1507.80	852.51	699.77	34.83	3.48
57.	जूनि. एम.आई.जी. -।। (2 बी. एच. के.)	1507.80	982.93	599.48	30.35	3.03

सम्पर्क सूत्र - 8109135551, 7725067027, 8319110750, 9399584208

चितालंका, दंतेवाड़ा में निर्मित अटल विहार योजना के अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
58.	जूनि.एम.आई.जी. टाईप- ।।(2 बी.एच.के.)	1507.79	982.92	726.19	21.00	2.10

सम्पर्क सूत्र - 9826391128, 7999928405, 6260052655, 9926887809, 8225956700

गीदम, दन्तेवाड़ा में निर्माणाधीन/प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
59.	एल. आई. जी. टाईप-1 (2 बी.एच.के.)	899.62	574.80	476.50	15.55	0.50
60.	एल. आई. जी. टाईप-2 (1 बी.एच.के.)	899.62	455.04	344.75	12.80	0.50
61.	ई. डब्ल्यू. एस. टाईप-1 (1 बी.एच.के.)	564.14	404.57	332.00	10.05	0.25
62.	ई. डब्ल्यू. एस. टाईप-2 (1 बी.एच.के.)	564.14	314.83	250.60	7.12	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9826391128, 7999928405, 6260052655, 9926887809, 8225956700

देवरीखुर्द फेस-।।।, बिलासपुर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्र.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
63.	एच. आई. जी. (स्वतंत्र 3 बी. एच. के.)	2324.16	1324.23	1142.38	70.92	7.09
64.	एल. आई. जी. (स्वतंत्र 2 बी. एच. के.)	989.92	444.49	398.40	21.28	0.50
65.	ई. डब्ल्यू. एस (स्वतंत्र 1 बी. एच. के.)	532.62	372.83	290.84	11.21	0.25

सम्पर्क सूत्र

रोचक जानकारी / शिखर चंद जैन

बरसात के मौसम में आसमान में उमड़ते-घुमड़ते, घड़घड़ाते बादल, तरह-तरह की आकृति में दिखते बादल हम सभी को खूब आकर्षित करते हैं, मोहित करते हैं। ये बादल इस तरह अलग-अलग रूपों में क्यों घुमड़ते हैं, शोर मचाते हैं? जानो, बादल की एक प्यारी-सी चिट्ठी में।

बादल की चिट्ठी



प्यारे बच्चो

जरा पहचानो तो मुझे, खिड़की से बाहर आसमान की तरफ देखो। अभी-अभी हाथी का रूप बनाकर आसमान में घूम रहा था। अब अचानक दौड़ते हुए सफेद घोड़े जैसा दिखने लगा हूं। मैं हूं बादल, तुम्हारा प्यारा कूल दोस्त! आज मैं ऊपर आसमान की ऊंचाइयों से, नीली स्याही में अपनी कलम डुबोकर, यह चिट्ठी खास तुम्हारे लिए लिख रहा हूं...



मेरा घर और मेरा अनोखा सफरः दोस्तो, तुम मुझे हमेशा आसमान में देखते हो लेकिन क्या तुम जानते हो कि मेरा जन्म तो धरती पर ही हुआ है? नदियों, तालाबों, सागरों और हरी-भरी घासों पर बिखरी ओस की बूंदों में मेरा बचपन बीता है। जब सूरज दादा अपनी तेज धूप चमकाते हैं, तो मुझे बहुत गर्मी लगती है। तब मैं हल्का होकर 'भाप' बन जाता हूं, चुपके से ऊपर की ओर उड़ने लगता हूं। इसे विज्ञान की भाषा में वाष्पीकरण कहते हैं, लेकिन मेरे लिए यह आसमान की सैर का 'जादुई टिकट' है। ऊपर आकर जब मुझे ठंडी-ठंडी हवाएं मिलती हैं, तो मैं अपने जैसे लाखों-करोड़ों छोटे भाइयों और बहनों से गले मिल जाता हूं। हम सब मिलकर आसमान में तैरते हुए रुई के बड़े-बड़े पहाड़ जैसे बन जाते हैं। बस, यही मेरा बादल वाला रूप है!

मैं रूप बदलता हूं पल-पलः तुम लोग तो सिर्फ फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में ही रूप बदलते हो, लेकिन मैं तो हर मिनट अपना भेष बदल सकता हूं! कभी मैं आसमान में बिखरी हुई सफेद रुई जैसा दिखता हूं, तो कभी काले रंग का गाढ़ा कंबल बन जाता हूं। जब मैं सफेद होता हूं, तो मैं खुशमिजाज और शांत होता हूं। तब मैं तुम्हारे साथ लुका-छिपी खेलता हूं। लेकिन जब मेरा रंग गहरा सलेटी या काला होने लगे, तो समझ जाना कि अब मैं बहुत भारी हो गया हूं। मेरे अंदर पानी की बूंदें इतनी बढ़ जाती हैं कि मुझसे संभाली नहीं जातीं, फिर मैं जोर से गरजता हूं, गड़-गड़-गड़ाम! यह मेरा गुस्सा नहीं बच्चो, यह तो मेरा ढोल है, जिसे बजाकर मैं ऐलान करता हूं, 'लो भाई, मैं आ गया! अब बरसूंगा झमाझम, अपनी नावें तैयार कर लो!'

जब मैं बरसता हूंः जब मैं बरसता हूं, तो धरती पर त्योहार जैसा माहौल हो जाता है। मोर अपने सुंदर पंख फैलाकर नाचने लगते हैं, मेंढक टर्र-टर्र के कोरस में गाना गाते हैं। पेड़ों की पत्तियां ऐसे नहा-धोकर चमकती हैं, जैसे उन्होंने नए कपड़े पहने हों। मुझे सबसे ज्यादा मजा तब आता है, जब तुम लोग रंग-बिरंगे कागज की नावें लेकर बाहर दौड़ते हो। तुम्हारी बनाई वो छोटी-छोटी नावें जब पानी की लहरों पर तैरती हैं, तो ऊपर से देखकर मेरा दिल खुशी से झूम उठता है। मिट्टी से जो सोंधी-सोंधी खुशबू आती है, वो मेरी और धरती मां की दोस्ती की महक होती है।

आसमान की मजेदार बातेंः ऊपर आसमान से तुम्हारी दुनिया बहुत खूबसूरत दिखती है। मुझे सबसे अच्छे तुम्हारे स्कूल के मैदान लगते हैं, जहां तुम सब तितलियों की तरह रंग-बिरंगे कपड़ों में खेलते हो। कभी-कभी जब सूरज दादा मेरी पीठ थपथपाते हैं, तो मैं एक जादुई पट्टी हवा में बिखेर देता हूं। तुम उसे बड़े चाव से देखते हो और खुशी से चिल्ला पड़ते हो, 'देखो, इंद्रधनुष!' उसके सातों रंग बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी, लाल असल में मेरी ही बूंदों से छनकर निकलने वाली सूरज की किरणें होती हैं।



पहाड़ों से मेरी अनोखी कुश्तीः बच्चो, क्या तुमने कभी पहाड़ों के ऊपर मुझे तैरते देखा है? जब मैं अपनी मखमली चाल से आगे बढ़ता हूं, तो ऊंचे-ऊंचे पहाड़ मेरा रास्ता रोक लेते हैं। फिर हमारे बीच एक दोस्ताना कुश्ती होती है! मैं उनसे टकराकर उनके ऊपर बर्फ या पानी की ठंडी बौछारें गिरा देता हूं। पहाड़ों से टकराकर ही मैं नदियों को उनका नया पानी देता हूं, जो बहकर तुम तक पहुंचता है।

मेरा कूलिंग इफेक्टः तुमको पता है, मैं सिर्फ पानी ही नहीं बरसाता, बल्कि मैं इस पूरी धरती के लिए एक जादुई छत या 'नेचुरल एयर-कंडीशनर' का काम भी करता हूं। जब मई-जून के महीने में सूरज दादा का पारा सातवें आसमान पर होता है, धरती तवे जैसी दहकने लगती है, तब मैं अपने पंख फैलाकर धूप को रोक लेता हूं। मेरी वजह से धरती मां को ठंडी छांव मिलती है, जिससे पेड़-पौधों और तुम सब बच्चों को गर्मी से राहत मिलती है।

आसमान में पेंटिंग क्लासः शाम के वक्त जब सूरज दादा घर लौटने वाले होते हैं, तब मैं उनके साथ मिलकर 'पेंटिंग क्लास' चलाता हूं। मैं सूरज की आखिरी किरणों को अपने भीतर सोखकर गुलाबी, चमकीला नारंगी, गहरा लाल या सुनहरा रंग ओढ़ लेता हूं। उस वक्त आसमान किसी बड़ी ड्राइंग बुक जैसा खूबसूरत दिखने लगता है। मैं चाहता हूं कि जब तुम शाम को खेलने के लिए घर से बाहर पार्क में जाओ तो मेरी इस जादुई कलाकारी को निहारो।



एक छोटी-सी शिकायतः बच्चो, जब मैं नीचे देखता हूं, तो कई जगहों पर पेड़ बहुत कम दिखते हैं। कारखानों और गाड़ियों का काला, जहरीला धुआं जब मुझसे आकर टकराता है, तो मुझे बहुत खांसी आती है, मेरा दम घुटने लगता है। अगर पेड़ नहीं होंगे, तो मुझे ठंडक कौन देगा? और अगर मुझे ठंडक नहीं मिलेगी, तो मैं पिघलकर बरसूंगा कैसे? फिर तो नदियां सूख जाएंगी और तुम सबके हिस्से का पानी कम हो जाएगा।

करो एक वादाः दोस्तो, मैं तुमसे एक वादा चाहता हूं। क्या अपने इस दोस्त की बात मानोगे? तुम अपने हर जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाओ। पानी की एक भी बूंद को बर्बाद न होने दो। प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करो ताकि हमारी धरती साफ-सुथरी रहे। जब तुम खूब सारे पेड़ लगाओगे, तो धरती हरी-भरी हो जाएगी। फिर मैं हर साल ढेर सारा ठंडा-मीठा पानी लेकर तुम सबके पास समय पर आऊंगा। हम फिर से रिमझिम बारिश में भीगेंगे मिलकर गाना गाएंगे। बाय.. बाय.. बच्चो! *

तुम्हारा बादल भैया

यह भी जानो / मच्छिंद्र ऐनापुरे

कमाल के होते हैं लिविंग रूट ब्रिज

बच्चो, क्या तुमने कभी ऐसे पुल के बारे में सुना है, जो पत्थर या सीमेंट से नहीं, पेड़ों की जड़ों से बने हों? हां बच्चो, ऐसे अद्भुत पुल अपने ही देश में मौजूद हैं। इन्हें लिविंग रूट ब्रिज कहा जाता है।

कहां हैं ये अनोखे पुलः ये अनोखे पुल भारत के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में पाए जाते हैं। स्थानीय भाषा में इन पुलों को 'जिंगकिएंग जरी' और 'ल्यु चराई' कहा जाता है। मेघालय अपनी हरियाली, बारिश और प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ इन अनोखे पुलों के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। भारत सरकार ने हाल ही में इन पुलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए एक प्रस्ताव भी भेजा है। मेघालय के 70 से 72 गांवों में लगभग 100 लिविंग रूट ब्रिजेस हैं। समय के साथ इनकी संख्या बदलती रहती है।



किस पेड़ की जड़ों से बनते हैं ये पुलः मेघालय की खासी और जयंतिया पहाड़ियों में एक खास पेड़ पाया जाता है- फिकस इलास्टिका यानी रबर का पेड़। आमतौर पर पेड़ों की जड़ें जमीन के अंदर जाती हैं, लेकिन इस पेड़ की कुछ जड़ें जमीन के ऊपर भी निकलती हैं। ये जड़ें बहुत मजबूत और लचीली होती हैं- बिल्कुल रस्सी की तरह।

कैसे बनता है रूट ब्रिजः पेड़ अपने आप पुल नहीं बना लेते। इन पुलों को पेड़ों की जिंदा जड़ों को मोड़कर, जोड़कर और बुनकर बनाया जाता है। नदी के किनारे उगने वाले इन पेड़ों की जड़ों को सही दिशा में बढ़ने के लिए तैयार किया जाता है। इसके लिए पहले उन्हें बांस का सहारा दिया जाता है, फिर जड़ों को आपस में गूंथकर ग्रो करने के लिए छोड़ दिया जाता है। यह काम स्थानीय खासी और जयंतिया जनजातियों के बुजुर्ग लोग करते हैं, जिन्होंने यह कला अपने पूर्वजों से सीखी हुई है। जब जड़ें आपस में जुड़ जाती हैं, तो उनके बीच की खाली जगहों में लकड़ी, पत्थर और मिट्टी भर दी जाती है। इससे पुल और भी मजबूत बन जाता है। लिविंग रूट ब्रिज बायो-इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण है।

कितना समय लगता हैः एक लिविंग रूट ब्रिज बनने में 15 से 30 साल तक लग सकते हैं, लेकिन एक बार बन जाने के बाद ये पुल सैकड़ों साल तक टिके रहते हैं। मेघालय के कुछ लिविंग रूट ब्रिज तो करीब 500 साल पुराने माने जाते हैं। पेड़ जितना बड़ा और मजबूत होता जाता है, पुल भी उतना ही मजबूत बनता जाता है।

बच्चो, लिविंग रूट ब्रिज हमें बताते हैं, हम प्रकृति के साथ मिलकर काम करें तो अद्भुत निर्माण कर सकते हैं! *

लिविंग रूट ब्रिज की उपयोगिता

बच्चो, यह तो तुम जानते ही हो कि मेघालय में बहुत ज्यादा बारिश होती है। यहां अकसर बाढ़ भी आती है। ऐसे में लकड़ी, लोहे या सीमेंट के पुल जल्दी खराब हो सकते हैं या पानी में बह भी सकते हैं। लेकिन पेड़ों की जड़ों से बने ये पुल बारिश और बाढ़ में भी मजबूती से टिके रहते हैं और स्थानीय लोगों के आवागमन में सहायता प्रदान करते हैं। इसलिए लिविंग रूट ब्रिज का निर्माण किया जाता है।

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

आए बादल

उमड़-घुमड़ कर आए बादल,
सभी दिशा में छाए।
टिप-टिप बूंदें लगीं बरसने,
पंछी शोर मचाए।
नन्हीं चिड़िया चूं-चूं बोली,
चलो, नहाकर आएं।
धुली-धुली-सी लगती धरती,
पौधे सभी नहाएं।

जंगल-जंगल मोर नाचता,
कोयल गीत सुनाए।
उत्सव का माहौल हुआ है,
बादल ढोल बजाए।
बिजली रानी हंसकर बोली,
सेल्फी अब हो जाए!
टिप-टिप बूंदें रहीं बरसतीं,
बारिश सबको भाए।



चित्र : कृतिका उजाड़े



कहानी
रंजना मिश्रा

हमें किसी को कम नहीं समझना चाहिए। हर किसी में कोई ना कोई खूबी होती है। रवि और उसकी टीम ने साहिल को किसी लायक नहीं समझा, लेकिन वह ऐसा हुनरमंद निकला कि उसकी मदद से रवि की टीम को प्राइज मिला।

रंगों का जादूगर

रवि अपनी सोसाइटी की क्रिकेट टीम का कप्तान था। वह क्रिकेट खेलते समय हमेशा चौके-छक्के मारता था। शाम होते ही रवि और उसके दोस्त क्रिकेट खेलते हुए पार्क में खूब धमाल मचाते थे।

एक दिन पार्क की बेंच पर एक नया लड़का साहिल आकर बैठा था। वह इन सबके साथ खेल नहीं रहा था। वह बस अपनी ड्रॉइंग बुक में झुका हुआ कोई चित्र बना रहा था। तभी रवि ने बैट से बॉल मारी। बॉल लुढ़कती हुई साहिल के पैरों के पास पहुंच गई। रवि ने आवाज दी, 'ऐ लड़के बॉल इधर फेंक दो!'

साहिल ने घबराकर बॉल उठाई और रवि की ओर फेंक दी। लेकिन बॉल रवि तक पहुंची ही नहीं, थोड़ी दूर जाकर रुक गई।

रवि के दोस्त हंस पड़े। कोई बोला, 'इसे तो बॉल ठीक से फेंकनी भी नहीं आती।'

साहिल चुपचाप वापस आकर अपनी बेंच पर बैठ गया। उसका चेहरा उतर गया था। रवि ने कंधे उचकाए और फिर से खेलने में लग गया।

कुछ दिनों बाद सोसाइटी के गार्ड अंकल ने पार्क के बोर्ड पर एक नोटिस लगाया, इसमें लिखा था- 'पार्क सजाओ मुकाबला!' नोटिस के अनुसार बच्चों को पार्क की खाली दीवारों को पेंट करना था। जिस टीम की दीवार सबसे सुंदर लगेगी, उसे एक बड़ा-सा आइसक्रीम का डिब्बा ईनाम में दिया जाएगा। रवि और उसकी टीम बहुत उत्साहित हो गई। वह बोला, 'जीत तो हमारी टीम ही हासिल करेगी!' अगले दिन रवि और उसके साथी पेंट और ब्रश लेकर एक दीवार के पास पहुंच गए। रवि ने कहा, 'चलो, हम दीवार पर क्रिकेट खेलते बच्चों का चित्र बनाते हैं।' पेंटिंग करना क्रिकेट खेलने जैसा आसान नहीं था। किसी ने बैट बहुत छोटा बना दिया, तो किसी ने बॉल का चित्र इतना बड़ा बना दिया कि वह सूरज जैसी दिखने लगी। थोड़ी ही देर में पूरी दीवार बहुत ही बेतुके ढंग के चित्रों से रंग गई।



रवि की टीम में एक लड़की माया दुःखी स्वर में बोली, 'अरे! दीवार तो बहुत खराब लग रही है। अब हम हार जाएंगे।' तभी माया की नजर कोने में बैठे साहिल पर पड़ी। वह अपनी ड्रॉइंग बुक में कोई चित्र बना रहा था। वह चुपके से उसके पीछे गई और खड़ी होकर उसकी ड्रॉइंग बुक को देखने लगी। माया यह देखकर हैरान रह गई कि साहिल ने अपनी ड्रॉइंग बुक में पूरे पार्क का चित्र बना रखा था। उसमें रंग-बिरंगे फूल, उड़ते हुए पक्षी और रवि की टीम को खुशी से खेलते हुए दिखाया था। वह चित्र बहुत सुंदर लग रहा था। माया भागकर रवि के पास आई, बोली, 'रवि, जल्दी चलो! साहिल तो रंगों का जादूगर है!'

रवि और बाकी बच्चों ने साहिल के पास आकर जब उसकी ड्रॉइंग देखी तो उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। रवि को अपने आप पर थोड़ी शर्म आई। वह साहिल से बोला, 'साहिल, हम तुम्हारे ऊपर हंसे थे, उसके लिए सॉरी। तुम्हारी ड्रॉइंग तो कमाल की है! क्या तुम हमारी मदद करोगे?' साहिल ने सकुचाते हुए 'हां' में सिर हिला दिया। अगले ही पल, साहिल 'कप्तान' बन गया था। वह सबको निर्देश दे रहा था, 'रवि, तुम आकाश में नीला रंग भरो। माया, तुम फूलों में पीला रंग भरो।'

साहिल ने पार्क की दूसरी दीवार पर पहले एक सुंदर चित्र बनाया फिर रवि और उसके साथियों ने मिलकर उसमें रंग भरे। सबने बहुत मेहनत और सफाई से काम किया। शाम तक वह दीवार एक सुंदर कलाकृति में बदल गई थी। जब गार्ड अंकल ने दीवार देखी, बहुत खुश हुए, बोले, 'वाह! यह तो कमाल है! रवि की टीम जीत गई!' ईनाम में उन्हें आइसक्रीम का एक बड़ा डिब्बा मिला। रवि ने आइसक्रीम का पहला कप साहिल को दिया और बोला, 'आज से तुम भी हमारी टीम में हो।'

साहिल मुस्कुरा दिया। उस दिन रवि और उसके दोस्तों ने सीखा कि हर किसी में कोई ना कोई खूबी होती है। कोई किसी खेल में पारंगत होता है, तो कोई संगीत-नृत्य में तो कोई चित्रकला में। *

हंसगुल्ले



पिंकीः कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिंकीः तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।

-दिव्या, रायपुर

कंप्यूटर टीचरः कंप्यूटर चलाने के लिए सबसे पहले सही ढंग से माउस पकड़ना आना चाहिए।
चिंटूः लेकिन सर, माउस को तो बिल्लियां पकड़ती हैं।

-रितेश, बिलासपुर

जीके क्विज-217

1. कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय प्लेयर्स ने कुल कितने गोल्ड मेडल जीते?
2. कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जेवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने कौन-सा मेडल जीता?
3. भारत के वर्तमान संचार मंत्री कौन हैं?
4. जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर कौन थे?
5. वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक मात्रा में पाई जाती है?
6. अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रांति किस सन में हुई थी?
7. भारत में वोट देने की न्यूनतम आयु कितनी है?
8. भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति कौन थे?
9. पौधे का कौन-सा भाग मुख्य रूप से भोजन बनाने (प्रकाश संश्लेषण) में सहायक होता है?
10. हमारे शरीर का कौन-सा अंग रक्त का शुद्धिकरण करता है?



बच्चो, जीके क्विज-217 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-216 का उत्तर : 1.प्रह्लाद जोशी, 2.सारनाथ, 3.मीराबाई चानू, 4.वैभव सूर्यवंशी, 5.संस्कृत, 6.बिहार, 7.ओ(O), 8.चंद्रमा, 9.राज्यसभा, 10.जस्टिस सूर्यकांत

जीके क्विज-216 का सही उत्तर देने वाले : अर्पित-रायपुर, विवेक-दुर्ग, सान्या-बिलासपुर, हर्षिता-बलौदा बाजार, देवनारायण-जांजगीर, जिया शिया-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़-बिलाईगढ़, कबीर-हिसार, जीवेश-रोहतक, संचिता-महासमुंद



तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

इशिता की समझदारी

बच्चो, इशिता नौ साल की है। शरारती है, जासूसी कहानियां पढ़ती है और रोजाना की जिंदगी को थोड़ा और मजेदार बनाना चाहती है। उसके एक दिन के रोमांचक सफर की बड़ी ही प्यारी-सी कहानी की किताब है- इशिता की सूझबूझ। इस कहानी के अनुसार एक दिन वह अपनी मम्मी और भाई विशु के साथ मामा के घर जाने के लिए निकलती है। लेकिन मेट्रो के सफर में उन दोनों से अलग हो जाती है। वह जानबूझकर अलग होती है या हड़बड़ी में? कुछ देर बाद वह पुलिस वाली आंटी के साथ क्यों नजर आती है? मम्मी और भाई से अलग होकर भी वह मुस्कुराती क्यों है? ये तो रहस्य की बातें हैं और इस रहस्य को सुलझाने के लिए तुम्हें यह किताब पढ़नी होगी। इस किताब के लेखक हैं विकास नैनवाल। किताब की भाषा सरल, सरस और आसानी से समझ में आने वाली है। किताब में मोटे फॉण्ट का इस्तेमाल किया गया है, जिससे पढ़ने में आसानी होती है। किताब के रंगीन चित्र बहुत आकर्षित करते हैं। यह किताब इतनी रोचक है कि इसे तुम एक बार पढ़ना शुरू करोगे तो पूरा पढ़कर ही उठोगे। तो देर किस बात की! तुम भी यह किताब मंगवाओ और पढ़ डालो। *

किताब : इशिता की सूझबूझ, **लेखक :** विकास नैनवाल,
मूल्य : 149 रुपए, **प्रकाशक :** साहित्य विमर्श, गुरुग्राम

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में एक मादा कंगारू अपने बच्चे के साथ खड़ी है। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में आठ अंतर हैं। तुम पांच मिनट में इन दोनों चित्रों में आठ अंतर ढूंढ़कर बताओ।

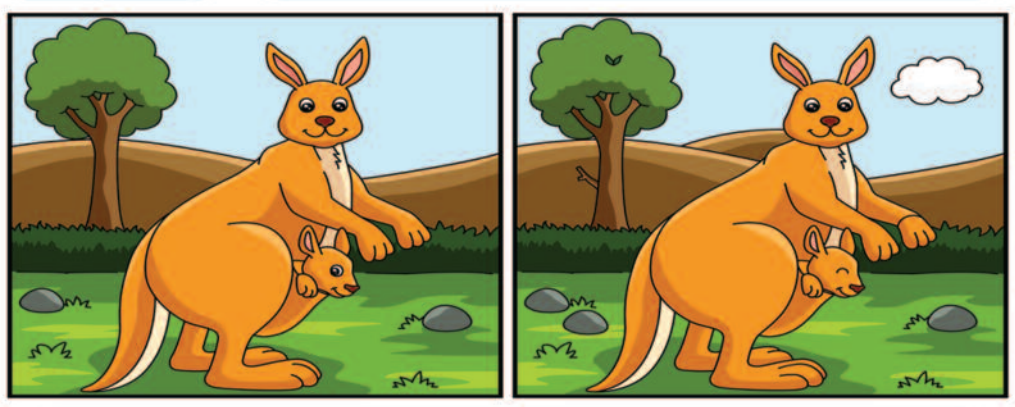

उत्तर : 1.कंगारू की बाईं कलाई पर एक बैंड बना हुआ है। 2.कंगारू के दाएं पैर की अंगुलियां बड़ी-बड़ी हैं। 3.कंगारू के गर्दन (ग्रीवा) में दिख रहे कंगारू की आंख बंद है। 4.कंगारू के पीछे बाईं तरफ एक स्टंप अंकित दिख रहा है। 5.पीछे पेड़ में एक टहनी अंकित दिख रही है। 6.पेड़ की पत्तियों के बीच में एक उड़ती हुई चिड़िया दिख रही है। 7.पीछे घास के बीच में एक उगती हुई चोटी दिख रही है। 8.ऊपर दाईं तरफ बादल का एक टुकड़ा दिख रहा है।

मिलान करो

बच्चो, यहां बाईं तरफ कुछ एनिमल्स के चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाइयां दी गई हैं, जो क्रम में नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से एनिमल्स के चित्र और परछाई का सही मिलान करो।

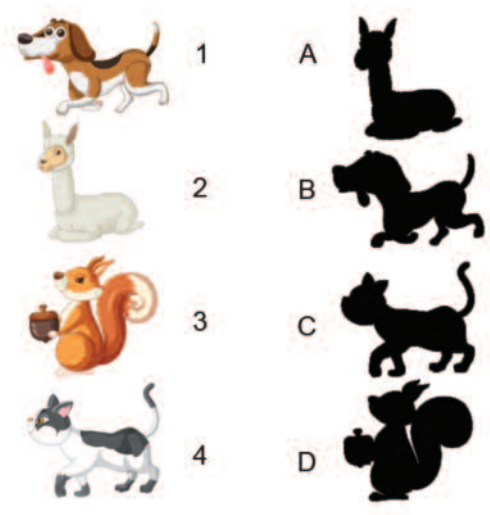

1 2 3 4
A B C D

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D, 4-C

जैकेट के शेष

भ्रम फैलाकर जीती ....

सवालः प्रभारी मंत्री बनने के बाद कितने कार्यकर्ताओं को जोड़ पाए, संगठन को कितनी मजबूती मिली?

जवाबः विधानसभा चुनाव में सक्ती और आसपास के जिलों में भाजपा को उतनी सफलता नहीं मिल पाई थी। लोकसभा चुनाव के दौरान सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया गया। कार्यकर्ताओं को संगठित करते हुए जोड़ा गया। उसी का नतीजा बेहतर परिणाम के रूप में सामने आया।

सवालः क्षेत्र के वरिष्ठ नेता डॉ. चरणदास महंत से संबंध कैसे हैं?

जवाबः डॉ. चरणदास महंत क्षेत्र के नहीं, प्रदेश के वरिष्ठ नेता हैं। उनका पूरा सम्मान है। उनसे पुराने संबंध रहे हैं, जो आज भी उसी तरह प्रगाढ़ हैं। राजनीति के कई गुर उनसे ही सीखे हैं। क्षेत्र में विकास और कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में उनका सहयोग हमेशा मिलता रहा है। सभी का यही मानना है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

सवालः सक्ती जिला तो बन गया है, इसे विकास के पथ पर कैसे दौड़ाएंगे?

जवाबः सक्ती चार साल पहले ही जिला बना है। यहां विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिन पर काम किया जा रहा है। कंपोजिट बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है और कलेक्टोरेट भवन का निर्माण अंतिम चरण में है। एक बड़ा जिला अस्पताल भी बनाया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में आत्मानंद स्कूलों को मजबूत किया जा रहा है। शिक्षकों की नियुक्ति के साथ ही बजट का अधिक आवंटन भी किया जा रहा है। इस नए जिले पर राज्य शासन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विशेष ध्यान है।

सवालः सक्ती जिले का आईटीआई बदहाल होने की शिकायत है, इस पर क्या कहेंगे?

जवाबः इसकी जानकारी मिलने के साथ ही आईटीआई को बेहतर बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार यहां नए ट्रेड भी शुरू किए जा रहे हैं। फरवरी में राज्य सरकार के बजट में यहां नई बिल्डिंग का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार की पीएम सेतु योजना के तहत हर संभाग में 6 से 7 आईटीआई खोले जाएंगे। प्रत्येक आईटीआई के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान है। इस बजट से सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराते हुए युवाओं को तकनीकी कौशल में दक्ष बनाया जाएगा।

सवालः सक्ती जिले में तीन बड़े पावर प्लांट हैं। 6000 हेक्टेयर जमीन उनके पास है, लेकिन उनके द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए कोई काम नहीं किया जा रहा है?

जवाबः क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की ओर से इसकी शिकायत की गई है। जिला प्रशासन के माध्यम से पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। पावर प्लांट के अधिकारियों को भी बुलाकर सीएसआर के माध्यम से विकास कार्य कराए जाएंगे।

सवालः सक्ती में पलायन एक बड़ी समस्या है। इस पर कैसे रोक लगाएंगे?

जवाबः इसके लिए विशेष प्रयास जारी हैं। किसानों को समृद्ध किया जा रहा है। भाजपा सरकार 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दे रही है और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी हो रही है। बिहान योजना का भी संचालन किया जा रहा है। रोजगार के विशेष प्रयास के तहत हर जिले में रोजगार मेले लगाए जा रहे हैं। इससे निश्चित तौर पर पलायन रुकेगा।

सवालः रेत के अवैध उत्खनन के साथ ही राखड़ भी एक बड़ी समस्या बन गई है?

जवाबः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अवैध खनन किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नई रेत खदानें भी स्वीकृत की जा रही हैं।

सवालः सक्ती जिले में प्रभारी मंत्री के तौर पर आते हैं तो सबसे पहले किससे मिलते हैं?

जवाबः भाजपा की सरकार जनता के बीच रहकर जनता के लिए काम करती है। जनता ने हमें वोट देकर जिताया है, इसलिए उनके लिए ही काम करना है। जब भी जिले में आता हूं, कोशिश रहती है कि सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया जाए। कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चर्चा होती है और संगठन की मजबूती पर काम किया जाता है।

सवालः यहां का संगठन इतना मजबूत क्यों नहीं है कि तीनों विधानसभा सीटों पर हार मिली?

जवाबः जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर हार जरूर मिली है, लेकिन यह कहना गलत होगा कि संगठन में कमी है। कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण खतरे में होने का भ्रम फैलाकर चुनाव जीता। अगली बार ऐसा नहीं होगा और तीनों सीटों पर भाजपा की जीत तय है।

डॉ. महंत ने कहा-.....

को चुनाव लड़ना है। उस समय चांपा, जैजैपुर, चंद्रपुर और सक्ती सीटों पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने चांपा से चुनाव लड़ने का सुझाव दिया। हमने उनकी बात मानी और क्षेत्र की जनता ने हमें अपना आशीर्वाद दिया।

सवालः क्या सोचकर सक्ती को जिला बनाया गया?

जवाबः सक्ती विधानसभा से चुनाव लड़ने के दौरान ही यहां के लोगों की प्रमुख मांग जिला बनाने की थी। करीब 20 वर्षों से इस दिशा में प्रयास हो रहे थे। चुनाव जीतने के बाद उस वादे को पूरा करना हमारा दायित्व था। अब पूरा प्रयास है कि जिले को विकास की दिशा में आगे बढ़ाया जाए।

सवालः सरकार बदलने के बाद जिले के विकास पर क्या असर पड़ा?

जवाबः कांग्रेस सरकार ने जिला बनने के साथ ही यहां सभी जरूरी सुविधाओं पर काम शुरू कर दिया था। करीब 800 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत होकर शुरू हो चुके थे। लेकिन पिछले ढाई वर्षों में भाजपा सरकार ने सक्ती जिले को केवल 1 करोड़ 38 लाख रुपये दिए हैं। इतना ही नहीं, कांग्रेस सरकार के समय स्वीकृत लगभग 100 करोड़ रुपये के कार्य भी निरस्त कर दिए गए। इसका असर विकास पर साफ दिखाई दे रहा है।

सवालः सक्ती जिला तो बन गया, अब इसके लिए आपके क्या सपने हैं?

जवाबः मैं व्यक्तिगत रूप से कोई सपना नहीं देखता। कार्यकर्ता और जनता जो मांग करते हैं, उन्हें पूरा करने की कोशिश करता हूं। जिले में सड़कों का काम तेजी से चल रहा है। जिला मुख्यालय भवन का निर्माण हो रहा है। मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जहां तक प्रशासनिक भवनों के शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर बनने का सवाल है, वहां आसपास पर्याप्त सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा।

सवालः कांग्रेस के पांच साल और भाजपा के ढाई साल के कार्यकाल को किस रूप में देखते हैं?

जवाबः नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद मैंने स्वयं 136 बिंदुओं का प्रस्ताव भाजपा सरकार को दिया था। इस पर चर्चा होनी थी, लेकिन सरकार ने एक भी बिंदु पर जवाब नहीं दिया। पिछले ढाई वर्षों में भाजपा सरकार ने कांग्रेस को कोसने के अलावा कोई उल्लेखनीय काम नहीं किया।

सवालः कांग्रेस ने पांच साल सरकार चलाई, फिर 2023 का चुनाव कैसे हार गई?

जवाबः जनता का जनादेश कांग्रेस ने पूरी विनम्रता से स्वीकार किया है। शायद हम सब मिलकर उतनी ईमानदारी और प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सके, यही सबसे बड़ा कारण रहा। लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं। ढाई साल बाद राज्य और केंद्र दोनों जगह आपको बदलाव दिखाई देगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वतंत्र रूप से निर्णय नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली से जो निर्देश आते हैं, उन्हीं के अनुसार काम हो रहा है। भूपेश बघेल सरकार ने अपने स्तर पर निर्णय लिए और विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान दिया।

सवालः अगले चुनाव में आपको मुख्यमंत्री के रूप में देखा जाए या राज्यसभा में?

जवाबः महत्वाकांक्षाएं हर व्यक्ति की होती हैं। राज्यसभा देश का उच्च सदन है, इसलिए वहां जाने की इच्छा जरूर है। लेकिन अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान का होगा और वही मुझे स्वीकार होगा।

सवालः राज्य गठन के बाद डॉ. रमन सिंह, भूपेश बघेल और विष्णुदेव साय तीन मुख्यमंत्री रहे हैं। तीनों को किस रूप में देखते हैं?

जवाबः डॉ. रमन सिंह के पिता और मेरे पिता सहपाठी रहे हैं, इसलिए उनसे आज भी पारिवारिक और मधुर संबंध हैं। उन्होंने कई अच्छे काम किए, कुछ गलतियां भी हुईं। शायद यही कारण रहा कि 15 साल बाद कांग्रेस की सरकार बनी। जहां तक विष्णुदेव साय सरकार का सवाल है, उन्हें अभी अपने हिसाब से काम करने का पूरा अवसर ही नहीं मिला है।

सवालः क्या डा.चरणदास महंत अब वानप्रस्थ या संन्यास लेने की तैयारी में हैं?

जवाबः ऐसा बिल्कुल नहीं है। अभी तो बहुत कुछ सीखना भी है और नई पीढ़ी को सिखाना भी है।

6671 स्कूलों में ....

जिसमें 1 हजार 264 करोड़ रुपए के काम तीन महीने में हुए। ये 1 जुलाई से ये लागू हुआ है। अब तक 6855 करोड़ रुपया हमारे प्रदेश को मिल रहा है, जो अब तक का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार एवं विकास के लिए वित्तीय निवेश है, इसके लिए हम एक बार फिर प्रधानमंत्री का आभार करना चाहेंगे।

पिछला बकाया का हो रहा भुगतान : सीएम ने कहा, पहले नरेगा में काम पहले होता था और पैसा बाद में आता था, लेकिन अब एडवांस में हमारे पास पैसा आ चुका है। मजदूरी भुगतान में देरी नहीं होगी और पिछला बकाया 450 करोड़ रुपए में से 395 करोड़ का भुगतान हो चुका है। बाकी एक हफ्ते में हो जाएगा। ग्राम पंचायतों से कहना चाहूंगा कि जो तीन अभियान हैं, उसके कार्य का प्रस्ताव जनपद पंचायत में जमा करें, उन्हें कामों की स्वीकृति शीघ्र अति शीघ्र मिल जाएगी।

कल्याण ज्वेलर्स में डकैती ...

पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स में डकैती डालने वाले थे।

योजना में पांच बदमाश शामिल थे : पूछताछ में पुलिस को पता चला है, योजना में पांच बदमाश शामिल थे। दो साथी दिल्ली से अपने साथियों को वाट्सएप चैट के माध्यम से दिशा निर्देश दे रहे थे। शातिर गुरुवार को ज्वेलरी शोरूम की पुनः रैकी करने जाने वाले थे। रैकी करने के बाद लॉक तोड़ने गैस कटर के साथ ग्लास कटर खरीदने की इनकी योजना थी। इसका खुलासा आरोपियों के वाट्सएप चैट से हुआ। पुलिस ने तीनों शातिरों को रेलवे स्टेशन के सात नंबर प्लेटफार्म गेट के बाहर संदिग्ध हालत में घूमते गिरफ्तार किया है।

साथियों के आने के बाद करते वारदात : पूरी तैयारी हो जाती, इसके बाद आरोपियों के दो साथी दिल्ली से रायपुर आते। साथियों के आने के बाद शनिवार, रविवार को डकैती डालने की इनकी योजना थी। जिस बाइक में आरोपी गोंदिया से रायपुर आए थे। उस बाइक को आरोपियों ने रेलवे स्टेशन की पार्किंग में छोड़ दिया था। स्टेशन पार्किंग में बाइक छोड़ने का कारण डकैती डालने में उसका इस्तेमाल करना था।

13 साल पुराने ...

गौरतलब है कि 25 मई 2013 को हुए बहुचर्चित झीरमकांड जिसमें 250 से अधिक हथियारबंद नक्सलियों ने सुकमा परिवर्तन यात्रा से लौट रहे कांग्रेस के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में दिग्गज कांग्रेस नेता विद्याचरण शुक्ल,महेन्द्र कर्मा, नंदकुमार पटेल, उदय मुदलियार व पुलिस जवानों समेत 32 लोगों की हत्या कर दी गई थी।

101 गवाहों के बयान दर्ज : इस मामले में कुल 11 आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में अभियोजन चल रहा है। इनमें से एक आरोपी की मृत्यु हो चुकी है जबकि शेष आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में सुनवाई जारी है। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए 101 गवाहों के बयान न्यायालय में दर्ज कराए हैं।

जेन जी को मोहन ....

लीक प्रोटेस्ट पर युवाओं के विरोध और लोकतांत्रिक बातचीत का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध बातचीत का एक जरिया है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र बातचीत के बाद आम सहमति बनाने का एक तरीका है। शिकायतें जायज हैं और हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में बहुत कुछ सुधारने की जरूरत है, इसलिए बातचीत जरूरी है। भागवत ने कहा कि पहले की पीढ़ियां शायद ही कभी अधिकारियों से सवाल पूछती थीं, लेकिन जेन जी और जेन अल्फा सवाल पूछते हैं और सहानुभूति के साथ तार्किक जवाब चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम कभी अधिकारियों से सवाल नहीं पूछते थे, लेकिन जेन जी और जेन अल्फा अधिकारियों से सवाल पूछते हैं और तार्किक जवाब चाहते हैं, वह भी प्यार के साथ। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वह कभी भी जेन जी से विरोध न करने के लिए नहीं कहेंगे। हालांकि उन्होंने जोर दिया कि लोकतंत्र में ऐसी अभिव्यक्ति के लिए सही रास्ता होना चाहिए। भागवत ने कहा, मैं कभी नहीं कहूंगा कि जेन जी को विरोध नहीं करना चाहिए, लेकिन लोकतंत्र में इसके लिए एक रास्ता भी होना चाहिए। हमें यह देखना होगा कि अगर युवा आवाज उठा रहे हैं, तो यह विरोध के लिए नहीं, बल्कि सुधार के लिए है। उन्होंने कहा कि सिस्टम में कमियां हैं जिन्हें ठीक करने की जरूरत है और छात्रों को अपनी आवाज उठाने और सुधार की मांग करने का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने जोर दिया कि सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से किए गए विरोध को लोकतांत्रिक भागीदारी की जायज अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। **आंदोलन करना राष्ट्रविरोधी नहीं** : मोहन भागवत ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले युवाओं को राष्ट्रविरोधी नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि ये युवा इसी देश के नागरिक हैं और देश का भविष्य हैं। लोकतंत्र में आंदोलन अपनी बात रखने, संवाद शुरू करने और सहमति बनाने का एक वैध माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसी भी मतभेद का समाधान बातचीत और आपसी सम्मान से ही संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि समस्याओं का समाधान भारतीय संविधान के दायरे में ही तलाशा जाना चाहिए। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए सांविधानिक मार्ग पर चलकर ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हो सकती है।

आज का युवा हर...

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पहले की तुलना में अलग सोच रखती है। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा के युवा किसी भी बात को बिना समझे स्वीकार नहीं करते। वे हर विषय पर तार्किक और तथ्य आधारित जवाब चाहते हैं। उन्होंने अपने समय का जिक्र करते हुए कहा कि पहले परिवार और समाज के बड़े-बुजुर्गों की बातें बिना सवाल किए मान ली जाती थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उनके अनुसार यह बदलाव नकारात्मक नहीं, बल्कि सकारात्मक है क्योंकि आज के युवा देश के प्रति अधिक जिम्मेदार, ईमानदार और सेवा भाव रखने वाले हैं। भागवत ने यह भी कहा कि भारतीय परंपरा में 'शास्त्रार्थ' की संस्कृति रही है, जहां किसी भी विषय पर दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद निष्कर्ष निकाला जाता है। समाज में भी इसी प्रकार के संवाद की आवश्यकता है। **शिक्षा को बनाएं समाज सेवा का माध्यम** : शिक्षा व्यवस्था को लेकर मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा को केवल कमाई का साधन या व्यावसायिक धंधा नहीं बनाया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के हर वर्ग तक सुलभ होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। समाज, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिकों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी ताकि हर बच्चे तक अच्छी शिक्षा पहुंच सके।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031
विज्ञापन सं: CUH/02/R/T/2026 दिनांक: 31.07.2026
रोजगार सूचना
विभिन्न **शैक्षणिक पदों** पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। ऑनलाइन आवेदनपत्र, विस्तृत विज्ञापन और अन्य विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.cuh.ac.in** पर उपलब्ध हैं। इस संबंध में शुद्धिपत्र, परिशिष्ट आदि केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि **31.08.2026** तक है। **कुलसचिव**

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
(स्थानीय निर्वाचन) रायपुर, छत्तीसगढ़
फोन :- 07712445785
क्रमांक /96 / स्था./ न.पा. आ. निर्वा. / 2026 दिनांक 06/08/2026
आम – सूचना
राज्य शासन द्वारा जिला रायपुर के अंतर्गत नगर पालिक निगम बीरगांव के अंतर्गत वार्डों को आरक्षित करने हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता (कलेक्टर) को विहित प्राधिकारी घोषित किया गया है। एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम बीरगांव के आगामी निर्वाचन 2026-27 हेतु वार्डों के **आरक्षण की कार्यवाही दिनांक 18.08.2026 को दोपहर 2:00 बजे रेडक्रास सभाकक्ष, कलेक्ट्रेट परिसर रायपुर** में की जावेगी। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान आम नागरिक उपस्थित रह सकते है।
कलेक्टर
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)
क्रमांक / लो.क.वि./ जोन-4/2026/654/166 **निविदा सूचना** भिलाई, दिनांक 03/08/26
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम क्रं.	कार्य का नाम	निविदा लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1.	196586	वार्ड क्र. 44 गोकुल नगर सुलभ के पीछे से बापू नगर पुलिया तक का चैनेलाईजेशन कार्य। (द्वितीय बार)	88.98	17.08.2026

निविदा स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड डाक से स्वीकार किये जायेंगे। उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञापि, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी नगर पालिक निगम भिलाई की वेबसाईट www.bhilainagarnigam.com अथवा संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी देखी जा सकती है।
जोन आयुक्त

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
No. 03-13/CE/FM/TS-70/2026/473 Raipur, Date: 30.07.2026
Notice Inviting Tender TS-70/2026
Sealed Bids are invited from experienced firms for deployment 03 Nos Computer Operators and 02 Nos Office Helpers (Peon) on outsourcing basis for official work at O/o The C.E. (Fuel Management) CSPGCL, Raipur. The details of tender notice are given below :-

Tender Specification No.	Description	Tender Cost (Rs.)	EMD Amount (Rs.)	Last Date & Time of Sale of Tender	Last Date & Time of Submission of Tenders	Due Date &Time of Opening of Tenders
03-13/CE/ FM/RPR/ TS-70/ 2026	Deployment of Computer Operator (03 Nos) and Peon (02 Nos) on outsourcing basis for a period of 24 months as per scope of work and tender schedule	590.00 (Including GST @18%)	30,150.00	24.08.2026 17:00 Hrs	25.08.2026 15:30 Hrs	25.08.2026 16:00 Hrs

Note:- The details of NIT can be viewed from our website www.cspc.co.in. Any corrigendum/ Amendments, if required shall be displayed on above website.
Terms & Conditions:-1.The tender document can be purchased from office of C.E.(Fuel Management) CSPGCL, Raipur on all working days in working hours by making payment of tender cost i.e. **Rs. 590.00** only in the account of **Assistant Manager (CAU) CSPGCL, Raipur PNB Account No. 0399002100077680 IFSC PUNB0039900** through RTGS/ NEFT and the transaction details & UTR No. is to be mentioned in the tender purchase application (if the tender documents required by post then additional Rs. 118.00 shall be paid for postal charges).2.Tender received after last date & time of submission shall not be considered for opening in any circumstances.3.Company is not responsible for any type of postal delay.4.Tender documents shall be opened on scheduled due date & time of opening. Tenderer or their authorised representative may be present at the time of opening.5.Schedule and terms and conditions are detailed in tender documents.6.The tender Fee is non-refundable. **SUPERINTENDING ENGINEER (HQ)**
O/o CHIEF ENGINEER (FUEL MANAGEMENT)
CSPGCL:RAIPUR
SAVE ELECTRICITY

पेज एक के शेष

भालू के हमले ने बच्चों के...

संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। उनकी बहन स्थानीय आश्रम में कार्यरत थीं और अपनी आय से घर की आर्थिक जिम्मेदारी में बराबर की भागीदार थीं। दोनों की कमाई से परिवार किसी तरह अपना जीवनयापन कर रहा था। लेकिन एक ही दिन में दोनों की मौत ने पूरे परिवार को असहाय बना दिया। परिवार का आशियाना प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बना हुआ है। यह मकान अब भी खड़ा है, लेकिन उसे बसाने वाले दो मजबूत सहारे हमेशा के लिए छिन गए हैं।

मलेरिया मुक्त बस्तर में ...

वर्ष 2024 में 12 लाख 52 हजार 634 लोगों की जांच में 4496, वर्ष 2025 में 28 लाख 31 हजार 647 लोगों की जांच में 16544, वर्ष 2026 में अब तक 22 लाख 29 हजार 558 लोगों की जांच में 15934 मलेरिया के पॉजिटिव रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस साल जनवरी से अब तक बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में मलेरिया के मरीज ज्यादा मिले हैं। संभाग के तीनों जिलों में घने जंगल, दूर-दराज के गांव और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में देरी होना मुख्य समस्या है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान का 14वां चरण चलाया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद संक्रमण पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। लगातार बढ़ते मामलों के बीच कांकेर में बच्चों की मौत ने चिंता और बढ़ा दी है। हालांकि कांकेर में मलेरिया पजिटिव के मामले कम हैं लेकिन यहीं 5 लोगों की मौत मलेरिया से हो चुकी है।संभाग के सातों जिलों में वर्ष 2020 से 2026 तक मलेरिया से लगभग 127 मरीजों की मौत हो चुकी है, जिसमें से बस्तर जिले से 30, कांकेर जिले से 7, कोंडागांव जिले में 17, नारायणपुर जिले में 4, सुकमा जिले में 21, दंतेवाड़ा जिले में 28 एवं बीजापुर जिले में 20 मरीजों की मौत हुई है। इस तरह से सातों जिलों में वर्ष 2020 में 32, वर्ष 2021 में 32, वर्ष 2022 में 18, वर्ष 2023 में 20, वर्ष 2024 में 16, वर्ष 2025 में 5 एवं वर्ष 2026 में अब तक 4 मलेरिया मरीज की मौत हुई है। बता दें कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा बस्तर संभाग में वर्ष 2020 से मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान चलाया जा रहा है।

अनुकंपा नियुक्ति के लिए...

माता तारा मिश्रा ने वर्ष 2013 को राज्य शासन की अनुकंपा नीति के तहत अपनी बेटी और मृतक की बहन अमिता दुबे को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। राज्य सरकार के गृह एवं सामान्य प्रशासन विभाग ने 19 सितंबर 2019 को यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया था कि नीति में विवाहित बहन को अनुकंपा नियुक्ति देने का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। राज्य शासन के आदेश खिलाफ पीड़ित परिवार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की और तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा कुलसुम निशा विरूद्ध उत्तर प्रदेश राज्य एवं सायरा खातून विरूद्ध बिहार राज्य के मामलों में दिए गए फैसलों के अनुसार केवल शादी हो जाने से किसी बेटी या बहन का अपने मूल परिवार से नाता खत्म नहीं होता। शासन की नीति में स्पष्ट उल्लेख है कि अविवाहित शासकीय सेवक के निधन पर माता-पिता की अनुशंसा पर उसके भाई-बहन को नियुक्ति दी जाएगी और जब विवाहित बेटे या भाई को अलग नहीं किया जाता तो केवल शादीशुदा होने के आधार पर बहन के साथ भेद करना संविधान के अनुच्छेद का उल्लंघन है।

पीडब्ल्यूडी में अटैचमेंट पर...

ग्रहण करना होगा। सरकार का कहना है कि समय-समय पर जारी परिपत्रों में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि शासन की अनुमति के बिना विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों का संलग्नीकरण नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद विभाग के प्रमुख अभियंता तथा अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा कई मामलों में बिना अनुमति संलग्नीकरण किए जाने की जानकारी शासन के संज्ञान में आई। इसी के बाद यह कड़ा आदेश जारी किया गया है।

उल्लंघन करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : सरकार ने आदेश में स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि बिना अनुमति संलग्नीकरण या अतिरिक्त प्रभार दिया गया अथवा इन निर्देशों का उल्लंघन हुआ तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी। विभाग ने सभी प्रमुख अभियंता, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंताओं को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कस्तूरबा छात्रावास की वार्डन...

ब्लाक के कस्तूरबा छात्रावास का है। बताया जाता है कि यहां हॉस्टल वार्डन के पद पर पदस्थ शारदा नेताम लगातार वहां मौजूद छात्राओं को प्रताड़ित करती थीं। छात्राओं का कहना है कि शारदा नेताम छात्राओं को मालिश करने के लिए कहती थीं। जिससे प्रताड़ित होकर छात्राएं गुरुवार की दोपहर लगभग 12:00 बजे पोड़ी उपरोड़ा के समीप कटघोरा अंबिकापुर मुख्य मार्ग (एनएच) पर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम होते ही जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही तहसीलदार विनय देवांगन, नायब तहसीलदार, बांगो थाना प्रभारी दुर्गेश वर्मा संहित अन्य अधिकारियों की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और चक्काजाम कर रही छात्राओं से बातचीत की गई। इस दौरान दौरान छात्राओं ने अपनी आपबीती बताई। जिसके बाद वहां मौजूद अधिकारियों ने छात्राओं को समझाइश दी और तत्काल प्रभाव से पोड़ी उपरोड़ा बीईओ के आर दयाल को निलंबित कर दिया गया है और हॉस्टल वार्डन शारदा नेताम के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है।

कार्यालय नगर पंचायत पिपरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
Email ID:- cmopipariya@gmail.com
क्रमांक 1118/ लो.नि.वि./न.पं./ 2026-27 पिपरिया दिनांक 06.08.2026
// मैनुअल पद्धति से प्रथम निविदा आमंत्रण //
न.पं. पिपरिया क्षेत्रांतर्गत 15वें वित्त आयोग व विधायक निधि अंतर्गत कराये जाने वाले प्रस्तावित निर्माण कार्य कराये जाने हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों / ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड डाक/ पंजीकृत डाक के माध्यम से निविदा प्रपत्र 'ए' में प्रचलित एस.ओ.आर. CGPWD Building SOR & PWD Electrical SOR w.e.f. 10.06.2026. PWD Road SOR 15.06.2026 PHE SOR 01.06.2020 से प्रतिशत दर पर (निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसार) आमंत्रित की जाती है। निर्धारित निविदा प्रारूप विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है।

1) निविदा प्रारूप में पंजीकृत डाक से निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि	-	31.08.2026 दोपहर 03:00 बजे तक
2) प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि	-	31.08.2026 शाम 04:00 बजे तक

टीपः- उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से एवं कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय मे प्राप्त की जा सकती हैं।

ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना
क्रमांक 1120 / लो.नि.वि./ न.पं. / 2026-27 पिपरिया दिनांक 06.08.2026
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा (Online) S.O.R. percentage rate Tender And Contract For Works) C.G.P.W.D. (E & M S.O.R. 10.06.2026) AS PER P.H.E S.O.R JUNE 2020 & AMDT. 07/2022-2023 (समान/ कम/ अधिक पर) दिनांक 31.08.2026 समय शाम 05:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

No.	System Tender No.	Description	Cost (In Lacks)
1	197004	वार्ड क्र. 15 सोमनाथ साहू के दुकान से शास. महाविद्यालय पहुंच मार्ग तक प्रकाश व्यवस्था हेतु एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट स्थापना कार्य।	12.64
2	197005	वार्ड क्र. 15 सोमनाथ साहू के दुकान से कॉलेज पहुंच मार्ग, बिजली ऑफिस मार्ग तक पाईप लाईन विस्तारीकरण एवं नलकूप खनन कार्य	28.46

नगर पंचायत के करों का भुगतान समय पर करें। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत निर्माण में योगदान दें।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत पिपरिया
** पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें..**

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703 Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com
कब्जा सूचना
संदर्भः सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के तहत कब्जा नोटिस
चूंकि अधोहस्ताक्षरी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के अधिनियम संख्या 54) के तहत नीचे दी गई संबंधित तिथियों पर जारी मांग सूचना के अनुसरण में एवं सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आप/उधारकर्ताओं, अधोनामों से संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। आप/सभी ऋणधारक निर्धारित समय के अंदर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड**, सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के

खबर संक्षेप

छात्रावास के बाथरूम में 9वीं के छात्र का शव फंदे पर मिला

सक्ती। पलाड़ी कला स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के छात्रावास में गुरुवार को कक्षा 9वीं के छात्र ने हॉस्टल के शौचालय में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं, मृतक के परिजनों ने प्राचार्य पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए तत्काल निलंबन और आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा संचालित पलाड़ी कला एकलव्य आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं का छात्र ओमेश कुमार कंवर निवासी ग्राम बासीन छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहा था। गुरुवार को उसका शव हॉस्टल के शौचालय में फांसी के फंदे पर लटका मिला। जिसके बाद आनन फानन में प्राचार्य और टीचर्स ने छात्र को नीचे उतारा और जिला हॉस्पिटल सक्ती मे भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

1 करोड़ 60 लाख रुपए में जमीन का सौदाकर 7 लाख की ठगी

बिलासपुर। 1 करोड़ 60 लाख रुपए में जमीन बेचने का सौदाकर 7 लाख की ठगी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार, कश्यप कालोनी गली नम्बर 4 निवासी संजना वर्मा पति संजू वर्मा ने रिपोर्ट लिखाई। खपरगंज निवासी नबी बक्श और मोहम्मद कासीम ने खपरगंज स्थित नजूल शीट नम्बर 33 के प्लॉट नम्बर 1/1 और 1/2 की कुल 3120 वर्गफुट जमीन अपनी दिवंगत दादी बरसात बी के नाम दर्ज होना बताते हुए उसे बेचने के लिए श्रीमती वर्मा से मिले। उनके बीच 1 करोड़ 60 लाख रुपए में जमीन बेचने का सौदा तय हो गया। 18 अक्टूबर 2024 को नोटरी के माध्म से इकरारनाम कर श्रीमती वर्मा ने उन्हें बयाने के रूप में 7 लाख रुपए चेक के माध्यम से दी। कुछ समय बाद नजूल विभाग में जानकारी लेने पर पता चला कि भूमि से संबंधित दस्तावेज संदिग्ध है और नामांतरण का मामला भी नजूल न्यायालय द्वारा 7 जुलाई 2025 को खारिज किया जा चुका है। श्रीमती वर्मा ने उनसे अपना पैसा वापस मांगा तो उन्हें चेक दिया गया जो पर्याप्त राशि नहीं होने पर बाउंस हो गया। के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

सड़क हादसे में प्राचार्य की मौत

गुरूर। जगतरा हाईस्कूल में पदस्थ प्राचार्य का सड़क हादसे मे मौत हो गया। जानकारी अनुसार प्राचार्य अपनी मोटरसाइकिल से नेशनल हाईवे 30 मे स्थित ग्राम जगतरा मे संचालित हाई स्कूल जा रहा था तभी यह हादसा हुआ है। यह घटना ग्राम धानापुरी के पास बुधवार को दोपहर लगभग 12 बजे की है। जानकारी के मुताबिक ग्राम चूल्हापथरा निवासी 60 वर्षीय मन्ना लाल ठाकुर शासकीय हाई स्कूल जगतरा के प्राचार्य थे, जो अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम धानापुरी के रास्ते से शासकीय हाईस्कूल जाने के लिए निकले थे।

अटल जी की 'तांबे की प्रतिमा' पर उठे सवाल, बारिश में उखड़ा रंग, दिखीं दरारें



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीतापुर

सीतापुर के अटल परिसर में गुणवत्ता पर विवाद, विधायक ने दिए जांच और कार्रवाई के निर्देश

सरगुजा जिले के सीतापुर नगर पंचायत में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की स्थापित प्रतिमा की गुणवत्ता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। नगर के वार्ड क्रमांक-10 स्थित अटल परिसर में छह माह पहले स्थापित प्रतिमा में बारिश के बाद दरारें पड़ने लगी हैं और बाहरी परत का रंग उखड़ने से भीतर सीमेंट जैसी सामग्री दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है और प्रतिमा के निर्माण में अनियमितता तथा गुणवत्ता से समझौते के आरोप लग रहे हैं।

अलग खबर

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत नगरीय निकायों में अटल परिसर विकसित किए जा रहे हैं, जहां स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जानी थी। सीतापुर में करीब 20 लाख रुपये की लागत से अटल परिसर का निर्माण कराया गया, जबकि प्रतिमा स्थापना के लिए लगभग 13 लाख रुपये का प्रावधान था। जानकारी के अनुसार ठेकेदार ने लगभग 6.99 लाख रुपये में कार्य का ठेका लिया था। आरोप है कि तांबे की प्रतिमा के बजाय सीमेंट से बनी प्रतिमा पर विशेष पेंट चढ़ाकर उसे तांबे जैसा स्वरूप दिया गया। बारिश शुरू होते ही पेंट उखड़ने लगा और प्रतिमा में कई स्थानों पर दरारें दिखाई देने लगीं, जिससे पूरे मामले पर सवाल उठने लगे हैं।



रोका गया भुगतान

नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रतिमा की गुणवत्ता को लेकर शुरू से ही संशय था। इसी कारण ठेकेदार का भुगतान फिलहाल रोक दिया गया है। जांच रिपोर्ट और उच्चाधिकारियों के निर्देश के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय नागरिकों को अब जांच के निष्कर्ष और दोषियों पर होने वाली कार्रवाई का इंतजार है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिमा की गुणवत्ता को लेकर स्थापना के समय भी आपत्तियां उठाई गई थीं, लेकिन उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। अब मामला सामने आने के बाद दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जैसी महान विभूति की प्रतिमा के निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार्य नहीं है।

मामले की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक रामकुमार टोप्पो ने नाराजगी जताते हुए नगर पंचायत अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में निर्माण कार्य या प्रतिमा की गुणवत्ता में कमी की पुष्टि होती है तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे ब्लैकलिस्ट किया जाए। विधायक ने कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पिछले एक पखवाड़े से मचे हंगामे के बीच पार्टी का बड़ा एक्शन

डोंगरगढ़ भाजपा की पूरी कार्यकारिणी भंग, 5 कार्यकर्ता पार्टी से निष्कासित

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

खास बातें

- लंबे समय से चल रहा था शहर भाजपा में विवाद
- जिला भाजपा संगठन ने कार्यकर्ताओं का इस्तीफा अस्वीकारा



डोंगरगढ़ के राजनीतिक गलियारों में पिछले एक पखवाड़े से मचे हंगामे के बीच जिला भाजपा संगठन ने बड़ा एक्शन लिया है। डोंगरगढ़ शहर मंडल भाजपा में लंबे समय से उबल रही अंदरूनी खींचतान और असंतोष के बीच पार्टी ने पूरी कार्यकारिणी को ही भंग करने का आदेश जारी कर दिया है। वहीं पांच लोगों को पार्टी से निष्कासित करने का फैसला लिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय से डोंगरगढ़ भाजपा इकाई में आंतरिक मतभेद चरम पर थे और स्थानीय स्तर पर गुटबाजी लगातार बढ़ती जा रही थी। विवाद की स्थिति तब और भी गंभीर हो गई, जब प्रिंस कक्कड़ के नेतृत्व में सवा सौ से अधिक निष्ठावान कार्यकर्ताओं और स्थानीय पदाधिकारियों ने एक साथ सामूहिक इस्तीफा सौंपकर अपनी ही पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। इस्तीफों के इस मामले से संगठन का ढांचा बुरी तरह चरमरा गया था और विरोधियों को भी तंज कसने का मौका मिल गया था। इसके बाद से ही डोंगरगढ़ की राजनीति गरमाई हुई थी और जिला व प्रदेश नेतृत्व पर इस गतिरोध को खत्म करने तथा कड़े फैसले लेने का भारी दबाव बना हुआ था। सूत्रो ने बताया कि जिन कार्यकत्ताओं ने इस्तीफा दिया था, उनका इस्तीफा भाजपा संगठन ने अस्वीकार भी कर दिया है।

पार्टी ने की थी बैठक, नहीं सुलझा मामला, अब एक्शन

मिली जानकारी के अनुसार डोंगरगढ़ मंडल से भाजपा कार्यकर्ताओं के एक साथ इस्तीफा देने के बाद जिला संगठन भी हरकत में आ गया था। दो दिनों के भीतर ही डोंगरगढ़ में वरिष्ठ नेताओं के साथ ही नाराज कार्यकर्ताओं की एक बैठक भी की गई थी। उसके बाद भी मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा था। जिसके बाद जिला भाजपा के कोर ग्रुप में भी इस विषय पर चर्चा की गई और जिसके बाद यह बड़ा फैसला लिया गया है।

इन चेहरों को किया बाहर

भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तीन दौर की बैठक के बाद लिए गए निर्णय अनुसार पार्टी से प्रिंस कक्कड़, वीरेंद्र साहू, संतोष राव, मोंटी भाटिया और अनिल पांडे को पार्टी से निकाला गया है। मिली जानकारी के अनुसार इस्तीफा देने वाले कई कार्यकर्ता स्वतः ही अपना इस्तीफा वापस ले चुके हैं। ऐसे में उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

नए सिरे से होगा मंडल भाजपा का गठन

इस बड़े फैसले के बाद से ही डोंगरगढ़ में भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच नए समीकरण बनने लगे हैं। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का दावा है कि इस कार्रवाई से पार्टी के भीतर अनुशासन कायम होगा और सही व समर्पित कार्यकर्ताओं को आगे आने का अवसर मिलेगा। जिला भाजपा अब बहुत जल्द डोंगरगढ़ में नए सिरे से ऊर्जावान और निष्ठावान चेहरों को शामिल करते कार्यकारिणी का पुनर्गठन करने की योजना बना रही है।

प्रदेश संगठन भी था सक्रिय

ज्ञात हो कि भाजपा प्रदेश संगठन भी इस मामले में लगातार मॉनिटरिंग कर रहा था और स्थानीय स्तर के हर एक घटनाक्रम की पल-पल की रिपोर्ट जुटा रहा था। प्रदेश संगठन का स्पष्ट मानना था कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और किसी भी स्तर पर गुटबाजी या बगावत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य स्तरीय नेताओं की निरंतर निगरानी में यह तय किया गया कि संगठन को पटरी पर लाने के लिए बड़े पैमाने पर सफाई अभियान की जरूरत है। इसी रणनीति के तहत नवीन मार्कण्डेय की अनुशंसा पर जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने मंडल कार्यकारिणी को भंग करने तथा छह प्रमुख चेहरों को बाहर का रास्ता दिखाने का फरमान जारी कर दिया।

रावतपुरा सरकार को मिली कोर्ट से राहत

हाईकोर्ट ने सीबीआई के फोन टेपिंग को ठहराया गैर कानूनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने श्री रावतपुरा संस्थान के चेयरमैन रावतपुरा सरकार रविशंकर महाराज को फोन टैपिंग मामले में बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने सीबीआई के फोन टैपिंग को पूरी तरह से गैर कानूनी ठहराते हुए रद्द कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने एफआईआर और चार्जशीट को खारिज नहीं किया।

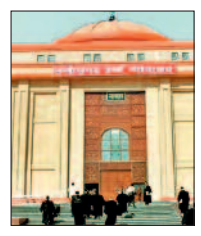

हाईकोर्ट ने रावतपुरा संस्थान के चेयरमैन रावतपुरा सरकार रविशंकर महाराज को फोन टैपिंग मामले में बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने टैपिंग के जरिए हासिल की गई सभी रिकार्डिंग्स को नष्ट करने के आदेश दिया है। हालांकि कोर्ट ने सीबीआई की एफआईआर और चार्जशीट को रद्द करने से इनकार कर दिया है। अब सीबीआई को इस केस को फोन टैपिंग के सबूतों के बिना ही अन्य दस्तावेजों और गवाहों के आधार पर कोर्ट में साबित करना होगा। सीबीआई ने 30 जून 2025 को देशभर के 35 मेडिकल संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसमें आरोप था कि स्वास्थ्य मंत्रालय और एनएमसी के अधिकारियों के साथ मिलकर रिश्वत, फर्जी मरीज और घोस्ट फैकल्टी के जरिए मेडिकल कालेजों को अपने पक्ष में निरीक्षण रिपोर्ट दिलाई जाती थी। इस मामले में रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज रायपुर के चेयरमैन होने के नाते रावतपुरा सरकार को भी आरोपी बनाया गया था।

फोन टैपिंग किसी व्यक्ति की निजता पर हमला

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि फोन टैपिंग किसी व्यक्ति की निजता पर सीधा हमला है। इसके लिए तय कानूनी प्रक्रिया का कड़ाई से पालन होना अनिवार्य है। हाईकोर्ट ने 28 जून 2025 का सीबीआई का टैपिंग आर्डर, 4 जुलाई 2025 का गृह मंत्रालय का पुष्टि आदेश और 15 सितंबर 2025 की रिव्यू कमेटी की कार्यवाही रद्द कर दी है। इस मामले में कोर्ट ने एफआईआर और चार्जशीट को खारिज नहीं किया है। रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत को निर्देश दिया गया है कि वह फोन टैपिंग के सबूतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर केवल अन्य वैध सबूतों और गवाहों के आधार पर केस की सुनवाई आगे बढ़ाए।

आयुक्त ने जारी किए अभियंताओं के नए पदस्थापना आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत निगम में अभियंताओं को नए पदस्थापना संबंधी आदेश जारी किए हैं। इसके अनुसार प्रभारी कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा जूनियर को अपने वर्तमान दायित्वों सहित प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभारी कार्यपालन अभियंता का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सहायक अभियंता नितिश कुमार झा को वर्तमान दायित्वों के साथ जलप्रदाय शाखा एवं योजना शाखा के सहायक अभियंता का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी तरह उपअभियंता शुभम तिवारी को अपने वर्तमान दायित्वों में से केवल नगर निगम जोन 2 के उपअभियंता पद से मुक्त करते हुए नगर निवेश शाखा, जलप्रदाय शाखा, योजना शाखा में उपअभियंता का कार्य दिया गया है।

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने गुरूवार को प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट लाने अभियंताओं की नवीन पदस्थापना संबंधी आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील

अंशुल शर्मा जूनियर को पीएम आवास के प्रभारी कार्यपालन अभियंता का अतिरिक्त प्रभार

कर दिया गया है। निगम की सहायक अभियंता रश्मि भौमना जोन 1 से जोन 4, सहायक अभियंता गुलाबचन्द्र कर्ष जोन 4 से जोन 9, प्रभारी सहायक अभियंता आशीष श्रीवास्तव जोन 6 से जोन 10, सहायक अभियंता रेणुका खूंटे जोन 9 से जोन 3, प्रभारी सहायक अभियंताफराज फारुकी जोन 10 से जोन 2 में पदस्थ किए गए हैं। इसी तरह सहायक अभियंता जिज्ञासा जैन को जोन 9 से जोन 7, सहायक अभियंता मनोज साहू जोन 10 से जोन 9 और अबरार खान उपअभियंता जोन 8 से जोन 2 पदस्थ किए गए हैं।

जारी आदेश के मुताबिक उपअभियंता जयनन्दन डहरिया को जोन 3 से जोन 2 भेजा गया है। उपअभियंता अंकुर मिश्रा जोन 8 से जोन 4 पदस्थ किए गए हैं। उपअभियंता सुधीर भट्ट जोन 2 से जोन 5, अंकिता जनार्दन जोन 9 से जोन 5, निर्मल तिग्गा जोन 5 से जोन 6 पदस्थ किए गए हैं। उप अभियंता कृष्ण कुमार साहू जोन 9 से जोन 6, अंकिता अग्रवाल जोन 4 से जोन 8, मनीषा निराला जोन 5 से जोन 8, उपअभियंता विद्या देशलहरा जोन 6 से जोन 9 पदस्थ किए गए हैं।

मुख्यालय में पदस्थ उपअभियंता सोहन गुप्ता जोन को जोन 9, अमित सरकार मुख्यालय से जोन 10 में पदस्थ किये गए हैं।

केसीसी लोन में करोड़ों का फर्जीवाड़ा, समिति प्रबंधक सहित पांच निलंबित

सरायपाली। केना सहकारी समिति में केसीसी लोन एवं राशि भुगतान के मामलों में करोड़ों के फर्जीवाड़े की शिकायत को लेकर कलेक्टर द्वारा उक्त मामलों की जांच करवाई गई थी। जाँच उपरांत प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर के द्वारा 5 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। मिली जानकारी अनुसार कलेक्टर महासमुंद द्वारा शाखा तोरेसिंहा के अधीन केना सहकारी समिति में हुए करोड़ों के केसीसी लोन फर्जीवाड़े में 20 से अधिक प्रभावित हुये हैं। इन किसानों के रकबा में कूट रचना कर रकबे को फर्जी ढंग से बढ़ाकर करोड़ों रुपए केसीसी लोन के जरिये निकाले गये थे। और किसानों को इसका पता ही नहीं लगने दिया। शिकायत पर जांच दल गठित कर जांच कराई गई। उक्त जाँच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन अनुसार, ऋण की शेष राशि भीष्मदेव पटेल द्वारा समय सीमा के बाद जमा किये जाने के समय किसी भी प्रकार से व्याज की वसूली नहीं की गयी। जिससे बैंक के तत्समय कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी की संलिप्तता प्रदर्शित होने का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। जाँच प्रतिवेदन में समिति केना में हुए फर्जीवाड़े के संबंध में कुल 1,77,00,000 रुपए की अनियमितता केसीसी लोन में भी होने का उल्लेख है।

खुले कुएं में गिरे तेंदुआ को घंटों रोमांचक रेस्क्यू के बाद निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर / बासनवाही

सरोना वन परिक्षेत्र के ग्राम साईमुंडा में गुरुवार सुबह एक खुले कुएं में तेंदुआ गिरने से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। खबर मिलते ही वन विभाग की टीम और रायपुर से पहुंची विशेष रेस्क्यू टीम ने मोर्चा संभाला। घंटों चले सुनियोजित अभियान के बाद तेंदुए को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया गया। स्वास्थ्य परीक्षण में तेंदुआ पूरी तरह स्वस्थ पाया गया, जिसके बाद उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। वन विभाग की त्वरित और सफल कार्रवाई से एक वन्यजीव की जान बचने के साथ ही संभावित बड़ा हादसा भी टल गया।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह ग्राम साईमुंडा निवासी किसान रमेश मरकाम के घर के पीछे स्थित खुले कुएं से किसी जंगली जानवर की हलचल की आवाज सुनाई दी। ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे और कुएं में देखा तो वहां एक तेंदुआ फंसा हुआ मिला। देखते ही देखते पूरे गांव में यह खबर फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे।



सुरक्षित जंगल छोड़ा जाएगा

वनमंडलाधिकारी रौनक गोयल ने बताया कि रेस्क्यू के बाद वन अधिकारियों की उपस्थिति में चिकित्सकों ने तेंदुए का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच में तेंदुआ पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। चिकित्सकों की नजर में रातभर रखा जाएगा और स्वास्थ्य पाए जाने पर शुक्रवार 7 अगस्त को नियमानुसार उसे उसके प्राकृतिक आवास वाले सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया, जिससे वह फिर से सामान्य रूप से जंगल में विचरण कर सके।

सरपंच पति के घर छापा, 29 सागौन लट्ठों के साथ लकड़ी काटने के उपकरण और 44 फर्नीचर जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

सरपंच पति के घर से वन विभाग ने सागौन की लकड़ी के साथ फर्नीचर बनाने के विभिन्न निर्माणा के सामान जप्त किए है। स्थिति देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यहां लंबे समय से ऐसा कार्य हो रहा होगा। वन विभाग की टीम जांच मे जुटी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार बालोद वन परिक्षेत्र के ग्राम अंगारी में वन, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पंचायत की सरपंच के पति अश्विनी डड़सेना के निवास पर छापा मारकर अवैध रूप से संग्रहित सागौन लकड़ी, महंगे फर्नीचर, लकड़ी से भरे एक मेटाडोर और लकड़ी काटने की मशीनें जब्त की



है। जानकारी के अनुसार जब्त सामग्री की कीमत 10 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। हालांकि, वन विभाग के जांच के बाद ही वास्तविक कीमत का खुलासा होगा। मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग को अंगारी गांव में अवैध रूप से सागौन लकड़ी के भंडारण और परिवहन की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों के सत्यापन के बाद ही वन, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने अश्विनी डड़सेना के घर में छापा मार कार्यवाही की। कई घंटों तक चली तलाशी के दौरान, डड़सेना के ठिकाने से बड़ी मात्र में सागौन और अन्य लकड़ियों से बनी सामग्री मिली। कार्रवाई के दौरान टीम ने सागौन और खम्हार की लकड़ी से बने 44 फर्नीचर जब्त किए, जिनमें दरवाजे, चौखट, पल्ले, टेबल, कुर्सियां और टीवी यूनिट सहित अन्य सामग्री शामिल है। इसके अलावा 29 नग सागौन के लट्ठे और 16 नग सागौन की डेंगरी बरामद की गई। घर के बाहर खड़ी मेटाडोर से दो नग चिरान लकड़ी भी जब्त की गई। मौके से कटर, ड्रिल मशीन और लकड़ी काटने के अन्य उपकरण भी बरामद हुए।

लाइवलीहुड कॉलेज में रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन

मनपसंद जॉब व वेतन नहीं मिलने से कम संख्या में पहुंच रहे बेरोजगार, 1307 में 170 ही पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के जोरा स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में गुरुवार को रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र ने जिला स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया। 137 पदों के लिए लगाए गए इस मेले में 1307 अभ्यर्थियों ने रोजगार पाने के लिए आवेदन किए थे, लेकिन इनमें से मात्र 170 अभ्यर्थी ही साक्षात्कार देने पहुंचे थे। इस तरह इस मेले में करीब 20 प्रतिशत अभ्यर्थी ही नौकरी की आस लिए पहुंचे थे, लेकिन इन अभ्यर्थियों का भी अब तक अंतिम चयन नहीं हो पाया है। इनमें से कई लौट गए, वहीं कईयों को अंतिम चयन प्रक्रिया के लिए उन कंपनियों के मुख्यालयों में दोबारा साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है।



रोजगार देने 5 कंपनियों ने लिया भाग

इस रोजगार मेले में बेरोजगारों को जॉब देने के लिए 5 कंपनियों ने भाग लिया। इन कंपनियों में 137 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए अभ्यर्थियों से आवेदन मंगाए गए। इन पदों के एवज में अभ्यर्थियों ने बढ़-चढ़कर आवेदन भी किए। उप संचालक डॉ. शशिकला अतुलकर ने बताया कि कुल 1307 आवेदन इन पदों के लिए आए थे। इनमें से 170 अभ्यर्थी ही साक्षात्कार देने पहुंचे थे। प्रारंभिक साक्षात्कार के बाद पात्र अभ्यर्थियों को अंतिम चयन के लिए कंपनियों के मुख्यालय में दोबारा साक्षात्कार के लिए बुलाया है।

कई अभ्यर्थी निराश होकर लौटे

सूत्र के अनुसार इस मेले में साक्षात्कार देने पहुंचे कई अभ्यर्थियों को प्रारंभिक साक्षात्कार में चयन नहीं होने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। बताया जा रहा है कि जिन अभ्यर्थियों को निराश होकर लौटना पड़ा, उनमें ऐसे कई अभ्यर्थी है जिन्हें अपनी योग्यता के अनुसार मनपसंद जॉब एवं वेतन का ऑफर नहीं मिला। हालांकि इनमें कुछ ऐसे भी अभ्यर्थी है, जिनकी योग्यता पदों के लिए मांगी गई योग्यता के अनुसार नहीं है।



फिर लीक हुआ वाराणसी का सीन? महेश का एक्शन वीडियो वायरल

मुंबई। महेश बाबू के जन्मदिन (8 अगस्त) से ठीक पहले फिल्म का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे वाराणसी घाट पर शूट हुए एक बड़े एक्शन सीन का हिस्सा बताया जा रहा है। फिल्म के अनाउंसमेंट के बाद से ही वाराणसी बार-बार लीक का शिकार होती रही है। पहले सेट की तस्वीरें, अनाउंसमेंट वीडियो के कुछ हिस्से और पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक भी ऑनलाइन सामने आ चुका है। अब यह नया वीडियो सामने आने के बाद फैंस के बीच और भी एक्साइटमेंट बढ़ गई है। वायरल हो रहे इस वीडियो में महेश बाबू खून से लथपथ नजर आ रहे हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म के किसी बड़े एक्शन सीन का हिस्सा हो सकता है।

लाइफ Style

श्रेया

लॉकअप सीजन 2 को मिला विजेता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

लॉकअप सीजन 2 के विजेता का खिताब जीतने के बाद श्रेया कालरा को पुरस्कार में एक चमचमाती ट्रॉफी मिली है। इसके अलावा एक करोड़ रुपए की राशि भी उन्हें मिली। लॉकअप का यह दूसरा सीजन भी काफी रोमांचक रहा।

रियलिटी शो 'लॉकअप सीजन 2' को आखिर विजेता मिल गया है। इस बार जीत का ताज श्रेया कालरा के सिर सजा है। उन्होंने शो में बाजी मारी है। बता दें कि इसी के साथ इस सीजन का पड़ाव खत्म हो गया है। श्रेया कालरा ने ग्रैंड फिनाले में शिवांगी जोशी को हराकर 'लॉक अप- सच या सजा' सीजन 2 जीता है। 'लॉकअप सीजन 2' के ग्रैंड फिनाले में श्रेया कालरा और शिवांगी जोशी के बीच मुकाबला था। विजेता के नाम का ऐलान किया गया तो होस्ट रितेश देशमुख ने श्रेया कालरा का नाम लिया। बता दें कि फाइनल एपिसोड जारी हो चुका है। दर्शकों ने इसे आगे बढ़ाकर देखते हुए विनर की जानकारी जुटा ली। सोशल मीडिया पर कई वीडियोज भी वायरल हो रहे हैं। लॉकअप सीजन 2 के विजेता का खिताब जीतने के बाद श्रेया कालरा को पुरस्कार में एक चमचमाती ट्रॉफी मिली है। इसके अलावा एक करोड़ रुपए की राशि भी उन्हें मिली। लॉकअप का यह दूसरा सीजन भी काफी रोमांचक रहा। दर्शकों को खूब ड्रामा और सस्पेंस देखने को मिला। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेया कालरा मामूली अंतर से जीती हैं। उन्होंने शिवांगी जोशी को सात वोटों से हराया है। पांच फाइनलिस्ट चुने गए थे। फाइनल में राम कपूर, शिवांगी जोशी, श्रेया कालरा, योगेश रावत और आकांक्षा चमोला ने जगह बनाई थी।



हॉलीवुड मसाला



दक्षिण भारतीय परंपरा से की शादी?

नई दिल्ली। इन दिनों भारत के सिनेमाघरों में फिल्म 'स्पाइडर-मैन 4' की धूम है। इस बीच इस फिल्म से जुड़ा एक एआई से बना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें पीटर पार्कर और एमजे की शादी की कल्पना की गई है। एआई से बना यह वीडियो इंस्टाग्राम पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में सुपरहीरो को एक बेहतरीन साउथ इंडियन हैप्पी एंडिंग देता है। पीटर पार्कर और एमजे चमेली के फूलों की माला, सिल्क की साड़ियों और मंदिर-स्टाइल की शादी की सजावट के बीच शादी के बंधन में बंधते हैं।



क्रॉप ओवर उत्सव में रिहाना का दिखा अलग अंदाज...

लॉस एंजिल्स। सिंगर रिहाना जब भी 'क्रॉप ओवर' के लिए बारबाडोस लौटती हैं, तो फैशन पसंद करने वाले जानते हैं कि वे कुछ ऐसा देखने वाले हैं जिसे वे कभी नहीं भूल पाएंगे। यह सिंगर लंबे समय से इस आइलैंड के सबसे बड़े जश्न में शामिल होती रही हैं। 2024 के बाद 'ग्रैंड कडूमेंट डे' परेड में रिहाना ने अपनी जबरदस्त वापसी की। यहां उन्होंने अपने फैंस का दिल जीता। इस साल के जश्न के लिए, रिहाना ने बारबाडोस की डिजाइनर लॉरेन ऑस्टिन की बनाई हुई कॉस्ट्यूम पहनी। इस कॉस्ट्यूम में एक बहुत ही बारीक बॉडीसूट था जो पूरी तरह से चमकदार सजावट से ढका हुआ था। हजारों रंग-बिरंगे जेमस्टोन, क्रिस्टल, बारीक बीडवर्क और फूलों वाले पैटर्न ने इस बॉडीसूट को एक शानदार लुक दिया। रिहाना की ड्रेस में पीछे लगे बड़े-बड़े पंखों वाले हिस्से ने पूरे लुक को और भी शानदार बना दिया।



फिर मोहब्बत के लिए जंग लड़ते दिखे

मुंबई। साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म आवारापन में इमरान हाशमी ने अपनी अदाकारी से फैंस को हैरान किया था। फिल्म की कहानी, गाने आज तक दर्शकों को याद हैं। फिल्म की अलग ही फैन फॉलोइंग है। अब मेकर्स आवारापन 2 लेकर आए हैं, गुरुवार को इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया है। ट्रेलर मोहब्बत के लिए कुछ भी कर गुजरने की कहानी को दिखा रहा है। इमरान हाशमी और दिशा पाटनी के बीच की केमिस्ट्री भी कमाल की है। वहीं, ट्रेलर में इमरान हाशमी के एक्शन सीन्स भी हैरान करते हैं। उनके डायलॉग भी दर्शकों को पसंद आएंगे। एक सीन में वह कहते हैं, 'मौत से मेरा पुराना रिश्ता है, उसका एक कर्ज है, जो चुकाना है।' ट्रेलर में शबाना आजमी भी हैं, जो नेगेटिव रोल में नजर आ रही हैं। इसके अलावा दिशा पाटनी के भी कई सीन्स इसमें देखने को मिले।



जेमी के साथ बनाएंगे एक्शन थ्रिलर...

मुंबई। डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट 'डेडलॉक्ड' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म डायरेक्ट करेंगे, जिसमें ऑस्कर विजेता एक्टर जेमी फॉक्स लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज दुनिया भर में रिलीज करेगा। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेडलॉक्ड को प्राइम वीडियो पर ग्लोबली स्ट्रीम किया जाएगा। यह निखिल भट्ट की पहली इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म होगी और किल की सफलता के बाद उनके करियर में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे पूर्व मरीन पर आधारित है, जो एक बड़े केस में ज्यूरी ड्यूटी कर रहा होता है। इसी दौरान कोर्ट में अचानक खतरनाक हालात बन जाते हैं और मामला बंधक बनाने तक पहुंच जाता है। दरअसल, आरोपी की बेटी अपने पिता को बचाने के लिए कोर्ट पर कब्जा कर लेती है।

टीवी मसाला



मिनी बनीं अलायंस की विजेता एली और रूही को हराया

नई दिल्ली। शो 'अलायंस' की विनर मिनी माथुर ने टीवी एक्टर एली गोनी और यूट्यूबर रूही दोसानी को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। उन्हें ट्रॉफी के अलावा इनाम में 50 लाख रुपए मिले हैं। मिनी को उम्मीद है कि यह जीत आम महिलाओं को भी प्रेरित करेगी। शो 'अलायंस' जीतने के बाद मिनी माथुर ने अपनी विनिंग स्पीच में कहा, 'इन छह हफ्तों में मैंने एक पूरी जिंदगी जी ली है। यह मेरा पहला रियलिटी शो है। इससे पहले मैंने कभी किसी ऐसे रियलिटी शो में हिस्सा लेने के बारे में नहीं सोचा था, जिसमें कंटेस्टेंट्स को एक जगह बंद रहना पड़ता है। मैंने हां इसलिए कहा, क्योंकि मुझे स्पोर्ट्स और कॉम्पिटिशन पसंद हैं। मुझे खुशी है कि मेरे कुछ दोस्तों ने मुझे इसके लिए मनाया। मुझे नहीं लगा था कि मैं यहां एक हफ्ते से ज्यादा टिक पाऊंगी क्योंकि जब जिंदगी अच्छी चल रही हो, तो आप उसे मुश्किल या असहज न बनाने के बहाने तलाशते हैं। लेकिन, कुछ चीजें थीं जो मैं खुद को साबित करना चाहती थी। अपनी जिंदगी के बारे में कुछ चीजों पर फिर से सोच रही थी। लेकिन, जब मैं यहां आई तो मुझे सबसे लगाव हो गया। मुझे हर एक कंटेस्टेंट से प्यार हो गया। इस पूरे सफर में उन्होंने मेरी बहुत मदद की।' वह आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मैंने शो को गरिमा और शालीनता के साथ खेला। मुझे उम्मीद है कि मुझे देखकर सभी महिलाओं को थोड़ी प्रेरणा मिलेगी। मुझे लगता है कि अब आसमान ही मेरी लिमिट है। मैं खुद को और आगे ले जाऊंगी।'

एक वरदान से बदलेगी घरवालों की किस्मत

नई दिल्ली। गुरुवार को बिग बॉस 20 के नए प्रोमो में सलमना खान ने शो के नए नियम से पर्दा उठाया है। साथ ही प्रोमो में बिग बॉस हाउस की पहली झलक भी सामने आई है। शो के प्रोमो में अभिनेता एक वरदान की बात कर रहे हैं जो घरवालों की किस्मत पलट देगी। उन्होंने कहा कि सभी घरवालों को एक वरदान मिलेगा। सलमान खान ने कहा, 'इस बार सभी घरवालों को मिलेगा एक वरदान, तथास्तु मेरी जान।' प्रोमो में सलमान खान ने कहा था, 'जो करण-अर्जुन में हुआ था, अब बिग बॉस में दोबारा होगा।' इसके जरिए उन्होंने '2' को भी हाइलाइट किया था। हो सकता है कि शो में जोड़ी में कंटेस्टेंट्स की एंट्री हो। खैर, अभी तक इसको लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है। नए प्रोमो में बिग बॉस 20 के हाउस की झलक भी सामने आई है। इस बार बिग बॉस का हाउस किसी रंग-बिरंगे और लग्जरी हाउस जैसा नहीं है। सोशल मीडिया पर जैसे ही फोटो सामने आई, लोग इसकी तुलना द 50 के सेट से कर रहे हैं। कुछ लोग इसे भूतिया हवेली तक बता रहे हैं।

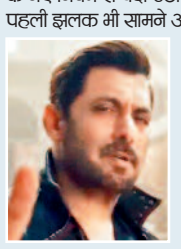

रामायण का इंग्लिश ट्रेलर मेकर्स ने किया साझा, रिलीज डेट भी सामने आई

मुंबई। नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' का हिंदी ट्रेलर कुछ दिन पहले साझा किया गया था, इसी के साथ दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी ट्रेलर सामने आया था। अब मेकर्स ने इसका इंग्लिश ट्रेलर इंटरनेशनल ऑडियंस के लिए रिलीज किया है। इसमें सभी किरदार इंग्लिश डायलॉग बोलते हुए दिखाई दिए। कई सोशल मीडिया यूजर्स को लगता है कि इंग्लिश डायलॉग्स के लिए एआई का इस्तेमाल किया गया है। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस फिल्म रामायण का पहला पार्ट दिवाली पर रिलीज होने की बात सामने आई थी। अब मेकर्स ने इसकी तारीख भी बता दी है। यह फिल्म 6 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिवाली से दो दिन पहले यह फिल्म सिनेमाघरों में आएगी। दूसरा पार्ट अगले साल रिलीज होगा, लेकिन इसकी रिलीज डेट अभी मेकर्स ने शेयर नहीं की है। रामायण फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा अरुण गोविल, साई पल्लवी, विवेक ओबेरॉय, रकुल प्रीत, रवि दुबे, यश, फैसल खान जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे। रावण का किरदार साउथ सुपरस्टार यश निभा रहे हैं। इस फिल्म का जब ट्रेलर रिलीज हुआ था तो दर्शकों ने वीएफएक्स की जमकर तारीफ की है।

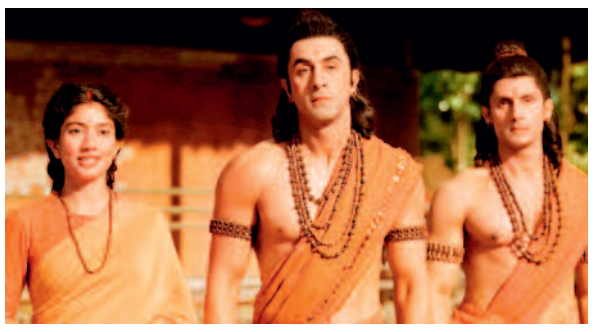

भारत के बंटवारे का दर्द बयां करती हैं ये फिल्में

नई दिल्ली। सनी देओल की फिल्म आ रही है बंटवारा 1947 जिसका ट्रेलर कुछ दिनों पहले रिलीज हुआ है और इसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म को राजकुमार संतोषी ने डायरेक्ट किया है और इसमें सनी के साथ प्रीति जिंटा, करण देओल और शबाना आजमी हैं। इस फिल्म में भारत-पाकिस्तान के बंटवारे की कहानी को दिखाया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे पहले भी कई फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, जिसमें बंटवारे के दौरान के दर्द की कहानी को दिखाया है।

गर्म हवा : फिल्म 'गर्म हवा' साल 1973 में रिलीज हुई थी। फिल्म को एम. एस. सथ्यू ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में भारत-पाकिस्तान के विभाजन के दौर में आगरा के एक मुस्लिम व्यवसायी सलीम मिर्जा (बलराज साहनी) के परिवार के संघर्ष की कहानी को दिखाया है। फिल्म की स्क्रिप्ट कैफी आजमी और शमा जैदी ने लिखी थी। फिल्म में बलराज साहनी, फारुख शेख, शौकत कैफी, गीता सिद्धार्थ जैसे स्टार्स अहम किरदार में थे।

पिंजर : पिंजर साल 2003 में रिलीज हुई थी। यह एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म थी जिसे चंद्रप्रकाश ने डायरेक्ट किया था। यह फिल्म 1947 में हुए भारत के विभाजन पर आधारित है। इसमें एक हिंदू महिला की



दुखद, लेकिन हिम्मत से भरी कहानी को दिखाया है, जिसे पारिवारिक झगड़े के कारण अलग कर दिया होता है। वहीं, इस बीच सांप्रदायिक हिंसा के दौरान उसके स्ट्रगल को दिखाया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर, संदली सिन्हा, ईशा कोप्पिकर और संजय सूरी अहम किरदार में थे।

ट्रेन टू पाकिस्तान : 1998 में फिल्म आई थी ट्रेन टू पाकिस्तान। यह फिल्म खुशवंत सिंह की बुक ट्रेन टू पाकिस्तान पर आधारित है। फिल्म में 1947 में भारत के पार्टिशन और उस दौरान हुए भयानक सांप्रदायिक खून-खराबे पर आधारित है। फिल्म में दिव्या दत्ता, निर्मल पांडे, रजित कपूर अहम किरदार में थे।

हे राम : हे राम फिल्म की कहानी भारत के विभाजन, सांप्रदायिक हिंसा और महात्मा गांधी की हत्या पर आधारित है। फिल्म को कमल हासन ने डायरेक्ट किया था और इसमें कमल ने परफॉर्म भी किया था। कमल के साथ शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, हेमा मालिनी, नसीरुद्दीन शाह लीड रोल में थे।

1947 अर्थ : साल 1998 में आई थी फिल्म 1947 अर्थ। इस फिल्म को दीपा मेहता ने डायरेक्ट किया था और इसमें आमिर खान, नंदिता दास, राहुल खन्ना और गुलशन ग्रोवर लीड रोल में थे।

गदर : सनी देओल की फिल्म गदर भी इस लिस्ट में शामिल है। गदर में भी दिखाया गया है कि कैसे भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के दौरान दंगे होते हैं और फिर पाकिस्तान की सकीना, भारत में तारा सिंह के साथ रहती हैं और दोनों की शादी हो जाती है। इसके बाद सकीना और दोनों का बेटा पाकिस्तान जाते हैं और वहां सकीना के पिता ऐसा गेम खेलते हैं कि दोनों को वहीं रख लेते हैं। ऐसे में तारा सिंह फिर दोनों को लेना जाता है और जो होता है उसने ही फिल्म को हिट बनाया।

रोमांटिक कॉमेडी सीरीज 'स्टिकी लव' है दो अजनबियों की कहानी

इस वीकएंड ओटीटी पर रिलीज होंगी ये धमाकेदार फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। सिनेमाघरों में स्पाइडर मैन 4 का कलेक्शन भारत में 300 करोड़ पार हो चुका है। 'द ओडिसी' भी छाई हुई है। वहीं, 7 अगस्त को ओह माय डॉग और आर्यमिट्ट का जीरो जैसी फिल्में भी रिलीज होंगी। इस बीच ओटीटी पर भी दर्शकों के लिए इस वीकएंड पर काफी कुछ दिलचस्प है।

मैं वापस आऊंगा

इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें नसीरुद्दीन शाह, दिलजीत दोसांझ, शरवरी और वेदांग रैना जैसे सितारे हैं। इस फिल्म की काफी तारीफें हुईं। दर्शक फिल्म देखने के बाद भावुक हुए। अब यह ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। यह फिल्म 7 अगस्त से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

उयिर

यह तमिल भाषा की फिल्म है। तमिल भाषा में उयिर का अर्थ जीवन या आत्मा होता है। रोशन मैथ्यू, बैजू संतोष और अतुल्या चंद्रा अभिनीत यह फिल्म 4 अगस्त को जियोहॉटस्टार पर रिलीज हो चुकी है। इस वीकएंड आप इसे देख सकते हैं। इस फिल्म की कहानी कन्नूर के धर्मदम पुलिस स्टेशन में तैनात एक ट्रेनी सब-इंस्पेक्टर अजीब की सच्ची घटनाओं पर आधारित पुलिस जांच पर आधारित है।

ऑपरेशन सफेद सागर

यह वेब सीरीज भी इसी वीक दस्तक देगी। 'ऑपरेशन सफेद सागर' साल 1999 के करगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना द्वारा चलाया गया एक ऐतिहासिक और निर्णायक हवाई अभियान था, जिसका मुख्य उद्देश्य करगिल की ऊंची पहाड़ियों पर छिपे पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ना था। यह सीरीज 7 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम

माय लाइफ विद द वाल्टर बॉयज 3

लोकप्रिय अमेरिकी टीन ड्रामा और रोमांटिक सीरीज 'माय लाइफ विद द वाल्टर बॉयज' का तीसरा सीजन इस वीक ओटीटी पर आएगा। इस सीरीज का प्रीमियर 6 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर हो गया है। इस सीजन में कुल 10 एपिसोड होंगे। ये सभी एक साथ रिलीज किए जाएंगे।

स्टर्लिंग पॉइंट

यह अमेरिकी ड्रामा सीरीज है। इसे मेगन पार्क ने बनाया है। यह 17 साल की एनी जैकबसन (एला रुबिन) की कहानी है। स्टर्लिंग पॉइंट05 अगस्त से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है।



एमटीवी हसल 5

मशहूर भारतीय रैप और हिप-हॉप रियलिटी शो एमटीवी हसल 5 नए सीजन के साथ लौट रहा है। इस बार शो में नए रैपर की खोज होगी, साथ ही उन जगहों, अनुभवों और कहानियों से भी रूबरू कराया जाएगा, जहां इन कलाकारों को आकार मिला। यह 8 अगस्त से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा। इस सीजन में सिंगर-रैपर बादशाह रैप सुप्रीमो के रूप में नजर आएंगे।

स्टिकी लव

अगर आपको के-ड्रामा में दिलचस्पी है तो इस वीकएंड के लिए इसका भी ऑप्शन है। यह रोमांटिक कॉमेडी सीरीज है। 'स्टिकी लव' दो अजनबियों की कहानी है, जिनकी अचानक मुलाकात होती है और जिंदगी एक-दूसरे से जुड़ जाती है। इसके बाद रोमांस शुरू होता है। इसे 7 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

माई लाइफ विद द वॉल्टर बॉयज सीजन 3



यह टीन रोमांटिक ड्रामा सीरीज है। यह इस सीरीज का तीसरा सीजन है, जिसे दर्शक इस वीक देख सकते हैं। 'माई लाइफ विद द वॉल्टर बॉयज सीजन 3', 06 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष लाहिडी ने एनसीएईआर में कहा

निवेश आकर्षित करने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आसान बनाने की जरूरत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में और निवेश आकर्षित करने के लिए उद्योग स्थापित करने को लेकर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को सरल बनाने की जरूरत है। लाहिड़ी ने प्रतिष्ठित आर्थिक शोध संस्थान 'नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकनॉमिक रिसर्च' (एनसीएईआर) के 'इंडिया पॉलिसी फोरम' 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि देश में कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए काफी काम हुआ है, लेकिन विशेष रूप से जमीनी स्तर पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

विदेशी निवेश ने की भारत की मदद

लाहिडी ने कहा कि विदेशी बचत (पूंजी) ने भारत की मदद जरूर की है, लेकिन इसका स्तर चीन और सिंगापुर जैसे देशों की तुलना में काफी कम रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश में निवेश का प्रमुख स्रोत घरेलू बचत होती है।

सरकारी परियोजनाओं के लिए भी भूमि अधिग्रहण कई बाधाओं से घिरा



निजी निवेश पर असर

निवेश को बढ़ावा देने वाले कारकों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि एनसीएईआर के अध्ययन के अनुसार, 1980 से पहले सार्वजनिक निवेश के कारण निजी निवेश पर प्रतिकूल असर पड़ता था।

अमेरिकी औषधि नियामक का डाबर को चेतावनी पत्र जारी

नियमों के उल्लघंन का गंभीर आरोप लगाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनी डाबर इंडिया के सिलवासा स्थित औषधि विनिर्माण संयंत्र में उत्तम विनिर्माण प्रथाओं (सीजीएमपी) के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कंपनी को चेतावनी पत्र जारी किया है।

यूएसएफडीए ने 24 जुलाई को डाबर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मोहित मल्होत्रा को भेजे गए पत्र में आंकड़ों की विश्वसनीयता में कमी, गुणवत्ता निगरानी की अपर्याप्त व्यवस्था और विनिर्माण नियंत्रण में खामियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है।

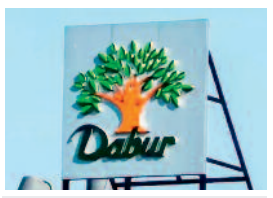

15 दिनों के भीतर जबाव मांगा

इसके साथ ही कंपनी को 15 कार्य दिवसों के भीतर सुधारात्मक कदमों का विस्तृत जवाब देने और स्वतंत्र सीजीएमपी विशेषज्ञ से संयंत्र का व्यापक ऑडिट कराने को कहा गया है।

बिजनेस साइट

श्री नारायणा हॉस्पिटल में 3 दिवसीय निशुल्क मेगा स्पाइन एवं ऑर्थोपेडिक शिविर आज से

रायपुर। राजधानी के देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल में 7 से 9 अगस्त तक तीन दिवसीय निःशुल्क मेगा स्पाइन एवं ऑर्थोपेडिक शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के दौरान रीढ़ की हड्डी, घुटने, कूल्हे एवं अन्य हड्डी और जोड़ों से संबंधित रोगों से पीड़ित मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच एवं परामर्श दिया जाएगा। साथ ही चयनित 50 जरूरतमंद मरीजों की निःशुल्क सर्जरी भी की जाएगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, शिविर का उद्देश्य मध्य भारत के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। शिविर में स्पाइन, जोड़ों, घुटनों, कूल्हों तथा अन्य ऑर्थोपेडिक समस्याओं के उपचार के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव के विशिष्ट आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति भी रहेगी। शिविर में मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु सहित देश के विभिन्न शहरों से आए वरिष्ठ स्पाइन एवं ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। वहीं श्री नारायणा हॉस्पिटल की अनुभवी मेडिकल टीम भी मरीजों को उपचार एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..

डेटा सेंटर क्षमता के मामले में मुंबई दुनिया में 15वें स्थान पर

सूची में हैदराबाद 27वें स्थान पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

परिचालन में आ चुकी डेटा सेंटर क्षमता के मामले में मुंबई दुनिया में 15वें और हैदराबाद 27वें स्थान पर है। रियल एस्टेट क्षेत्र की परामर्श कंपनी नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

नाइट फ्रैंक ने बृहस्पतिवार को जारी अपनी रिपोर्ट 'नाइट फ्रैंक ग्लोबल डेटा सेंटर एटलस 2026' में उत्तर अमेरिका, यूरोप, एशिया-प्रशांत, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के 36 प्रमुख वैश्विक डेटा सेंटर बाजारों की तुलना की है। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई चालू हो चुकी डेटा सेंटर क्षमता के आधार पर 15वें और विकासाधीन क्षमता के आधार पर 11वें स्थान पर है।

कंपनी ने कहा कि 774 मेगावाट की परिचालन सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षमता और लगभग पांच गीगावाट की विकासाधीन क्षमता के साथ मुंबई भारत का प्रमुख डेटा सेंटर बाजार और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अग्रणी डिजिटल अवसंरचना केंद्रों में शामिल हो गया है।

हैदराबाद 151 मेगावाट की परिचालन वाली आईटी क्षमता के साथ वैश्विक स्तर पर 27वें स्थान पर है, जबकि 2.2 गीगावाट से अधिक की विकासाधीन क्षमता के आधार पर उसका स्थान 19वां है। रिपोर्ट में दो प्रमुख मानकों के आधार पर बाजारों का आकलन किया गया है।

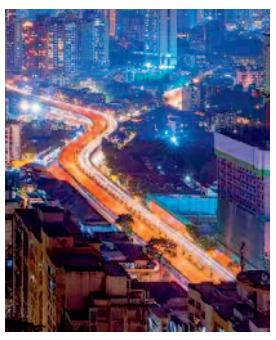

रियल स्टेट क्षेत्र की नाइट फ्रैंक ने जारी की सूची

शीर्ष पांच स्थान उत्तर अमेरिका के केंद्रों के पास

परिचालन में आ चुकी आईटी क्षमता के मामले में शीर्ष पांच स्थान उत्तर अमेरिका के केंद्रों के पास हैं। इनमें एशबर्न पहले, कोलंबस दूसरे, डलास तीसरे, फीनिक्स चौथे और अटलांटा पांचवें स्थान पर हैं। टोक्यो छठे, लंदन सातवें, डबलिन आठवें, शिकॉगो नौवें और सिंगापुर 10वें स्थान पर है।

वैश्विक रैंकिंग में भारत की मौजूदगी

नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि वैश्विक रैंकिंग में भारत की मौजूदगी दर्शाती है कि देश तेजी से रणनीतिक डिजिटल अवसंरचना केंद्र के रूप में उभरा है।

सुमीत बाजार के 'फ्रीडम फेस्टिवल सेल' को मिल रहा शानदार रिस्पॉन्स

80 रुपए से शुरू हो रही खरीदारी

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन को ध्यान में रखकर शुरू की गई सुमीत बाजार की 'फ्रीडम फेस्टिवल सेल' को ग्राहकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। सेल के शुरुआती दिनों से ही बड़ी संख्या में ग्राहक खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं और विभिन्न ऑफर्स का लाभ उठा रहे हैं।

इस विशेष अभियान के तहत '80 ऑफर की सलामी' ग्राहकों के बीच खासा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। चुनिंदा उत्पाद 80 रुपये में उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि कई अन्य उत्पाद 180, 280, 380, 480 और 580 रुपये की विशेष कीमतों पर बिक्री के लिए रखे गए हैं। सेल में पुरुष, महिला एवं बच्चों के परिधानों के साथ साड़ियां, कुर्ती-पैंट सेट, टी-शर्ट, शर्ट, ट्राउजर, लोअर, को-ऑर्ड सेट, बेडशीट, पर्दे, टॉवेल, एसी ब्लैंकेट और घरेलू उपयोग के अन्य उत्पाद आकर्षक रियायती दरों पर उपलब्ध हैं। चयनित बॉयज एवं गर्ल्स वियर पर 'बाय 1, गेट 1' ऑफर भी ग्राहकों को लुभा रहा है।

15 अगस्त तक जारी रहेंगे आकर्षक ऑफर्स



गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे

सुमीत बाजार प्रबंधन के अनुसार त्योहारी सीजन को देखते हुए यह विशेष अभियान शुरू किया गया है, ताकि ग्राहकों को किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराए जा सकें। सभी ऑफर 15 अगस्त तक अथवा स्टॉक उपलब्ध रहने तक मान्य रहेंगे। इन पर कंपनी के नियम एवं शर्तें लागू होंगी।

पावर ग्रिड का लाभ घटकर 3,598 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ मामूली घटकर 3,598.42 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 3,630.58 करोड़ रुपये था।

रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक में लिवाली से सेंसेक्स 374 अंक चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को मिला-जुला रुख रहा। कच्चे तेल के दाम में नरमी और रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 374 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी में मामूली 11 अंक की तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान पूरे समय सकारात्मक दायरे में रहा। अंत में यह 373.76 अंक चढ़कर 78,954.76 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी पूरे दिन सीमित दायरे में कारोबार करता रहा और अंत में 11.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,636 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान निफ्टी ऊंचे में 24,677.05 अंक तक गया और नीचे में 24,604.15 अंक तक आया। सोमवार से दोनों प्रमुख सूचकांकों के प्रदर्शन में अंतर देखने को मिल रहा है। यह बदलाव उन शेयरों के लिए नई नीलामी व्यवस्था लागू किए जाने के बाद आया है, जिनमें वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) अनुबंध उपलब्ध हैं। इक्विटी नकद खंड में समापन नीलामी सत्र (सीएएस) सोमवार से शुरू हुआ।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (उपकेंद्र) संभाग–दो, रावणभाटा, रायपुर,
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ0रा0 विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कम्पनी) CIN-U40108CT2003SGC015820
(Address: 132 KV GIS S/s Building, Rawanbhata, Near Bhatagaon Chowk, Raipur)
E-mail Id:- eess2trans.raipur@gmail.com Fax/Phone No. 0771-2576453

क्रमांक / 52–68 / क्रय / वाहन / I / 564126 / 2026 रायपुर, दिनांक : 05 / 08 / 2026

/ / निविदा आमंत्रण सूचना / /

लाईट कॉमर्शियल वाहन पिकअप 2.0 टन अथवा समकक्ष वाहन के अस्थायी अल्पकालीन अनुबंध हेतु

कार्यपालन यंत्री, उपकेन्द्र, संभाग–दो, छ.स्टेट.पॉ.ट्रांस. कं लिमि., रावणभाटा, रायपुर के अंतर्गत सहायक यंत्री, 132 के.व्ही. उपकेन्द्र, कुहेरा के लिये वाहन चालक सहित 01 नग लाईट कॉमर्शियल वाहन (पिकअप 2.0 टन) अथवा समकक्ष वाहन के अस्थायी अल्पकालीन अनुबंध (तीन वर्ष) हेतु पंजीकृत / उपयुक्त ठेकेदारों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	निविदाओं को खोलने की निर्धारित तिथि व समय
दिनांक 25.08.2026 समय 05:00 बजे तक	दिनांक 27.08.2026 समय 03:00 बजे तक	दिनांक 31.08.2026 समय 04:00 बजे

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://cspc.co.in/csptcl_tendernotices से डाउनलोड की जा सकती है।नोटः–निविदा से संबंधित शुद्धिपत्र अथवा अन्य संसोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। उक्त सभी सूचनायें केवल कंपनी के अधिकारिक वेबसाईट में ही प्रकाशित की जायेगी।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाऐं

कार्यपालन यंत्री (उपकेन्द्र) संभाग–दो छ.ग.स्टेट.पावर.ट्रांस.कं.लिमि. रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, अटल नगर

क्र./ 534100/ का.यं./ अ.न./ सू. प्रका./ 2985 अटल नगर, दिनांक 06.08.2026

// आवश्यक सूचना //

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कुटेशर में डबल सप्लाई हेतु विस्तार कार्य 33 के.व्ही. आर.आई.टी. फीडर से एम.आर. ग्लास चौक से 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कुटेशर तक का कार्य पूर्ण हो चुका है। उपरोक्त नवीन 33 के.व्ही. लाईन ग्राम दरबा, सोनपैरी, मुंगेशर, कुटेशर एवं चंद्रखुरी बस्ती से होकर गुजरती है, जिसे दिनांक 07.08.2026 को दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच कभी भी चार्ज किया जा सकता है एवं इस दौरान विद्युत आपूर्ति भी बाधित हो सकती हैं। अतः आम जनता से अनुरोध है कि इस विद्युत लाईन के पास न जावें, उक्त लाईनों से उचित दूरी बनाये रखें, तथा लाईनों से किसी तरह की छेड़छाड़ न करें। ऐसा करना जानलेवा साबित हो सकता है।

'विद्युत लाईन से छेड़छाड़ एवं विद्युत लाईन को नुकसान पहुंचाना विद्युत अधिनियम-2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।'

(शशांक श्रीवास्तव)
कर्म. संख्या 4401195
कार्यपालन यंत्री (संचा./ संधा.) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि., अटल नगर नवा रायपुर

"स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचाइए"

S-48680/1

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
1st Floor Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha, Raipur (C.G.) Pin code- 492006 Phone: 0771-6621000
Website: www.csidc.in,
Email address:csidc.cg@nic.in, csidc_raipur@yahoo.com

Notice Inviting Expression of Interest (EOI)

No CSIDC/IPPD/2026-27/03 Date: 05/08/2026

NIT No.	Title
03/26	EOI for Inviting Proposal for Setting up Innovation cum Incubation Hub under RAMP Scheme

The Expression of Interest (EOI) documents and other detail can be downloaded from the web portal https://eproc.cgstate.gov.in or https://csidc.in/tender/ from 07.08.2026 and shall be submitted online only.

Amendment in EOI, if any, will be only published on the e-Proc website/ CSIDC Website and shall not be published in any newspaper. The last date for online submission of EOI through e-Proc is 13.08.2026 at 4.00 pm.

The interested Agencies for online submission of EOI may contact E-Proc Helpdesk operated by Mjunction Services Ltd. They may reach Helpdesk using 18004199140 (From 9.00 AM to 11.00 PM) (Thereafter press 2 for CG e-Proc) or can email helpdesk.eproc@cgswan.gov.in.

S-48688/1 Managing Director

35% कंपनियां एआई का उपयोग कर रही

बिजली उत्पादन में एआई का उपयोग 2030 तक 65% होगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के बिजली उत्पादन क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग वर्ष 2030 तक 35 प्रतिशत से बढ़कर 65 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है और यह संचालन क्षमता का मुख्य आधार भी बन जाएगा। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 'द एनर्जी एंड क्लाइमेट इनिशिएटिव सोसायटी' (ईएनसीआईएस) के अध्ययन के मुताबिक, फिलहाल करीब 35 प्रतिशत बिजली उत्पादक कंपनियों ने अपने मुख्य परिचालन में एआई को अपनाया हुआ है और यह संख्या तेजी से बढ़ने का अनुमान है।

यह अध्ययन दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई में उपयोगिता और प्रौद्योगिकी कंपनियों के 250 पेशेवरों के बीच किया गया।



खराबी पता लगाने में मिलती है मदद

अध्ययन से पता चलता है कि एआई के उपयोग में भविष्यवाणी-आधारित परिसंपत्ति प्रबंधन और सक्रिय रखरखाव सबसे अहम क्षेत्र के रूप में उभर रहे हैं। आधे से अधिक लोगों ने कहा कि इससे खराबी का पहले पता लगाने, बिजली आपूर्ति बाधित होने की घटनाएं कम करने और उपकरणों की उम्र बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नागर विमानन मंत्री नायडू ने किया स्पष्ट

विमान ईंधन में एथनॉल मिलाने का प्रस्ताव नहीं

गलत जानकारी से यात्रियों में चिंता पैदा होती है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि विमान ईंधन (एटीएफ) में एथनॉल मिलाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि विमानन सुरक्षा को लेकर गलत जानकारी फैलाने से हवाई यात्रियों में बेवजह चिंता पैदा होती है। नायडू ने यह बात दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस दावे के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार एटीएफ में एथनॉल मिलाने की योजना बना रही है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''सूत्रों ने संकेत दिया है कि नरेन्द्र मोदी सरकार विमान ईंधन में एथनॉल मिलाने की योजना बना रही है।

विमान ईंधन पूरी तरह अलग

मंत्री ने स्पष्ट किया कि एथनॉल और पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन पूरी तरह अलग-अलग हैं और दोनों को एक-दूसरे से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''एसएएफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित विमानन ईंधन है, जिसे अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने मान्यता दी है। इसे दुनिया के कई देशों ने अपनाया है। यह कड़े परीक्षणों से गुजरता है और वैश्विक सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा है।''

हरिभूमि क्लासिफाईड
तलाश की नई सुबह
epaper : www.haribhoomi.com
लघु विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 18000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000 -20000 टेंडर कार्य, मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016.(आरो-815)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- रिसर्च बेस आयुर्वेदिक दवाईयों के प्रमोशन हेतु छत्तीसगढ़ के सभी तहसील स्तर मे डाक्टर्स, नर्स, मेडिकल प्रोफेशनल की आवश्यकता है :- सेलरी + कमीशन २००००/- से- ५००००/- 91657-33916, 97135-17535. (आरो-418)

मार्केटिंग/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- पेंट, सीमेंट शोरूम में कार्य हेतु मार्केटिंग स्टाफ- टेली कॉलिंग, कलेक्शन पर्सन-की आवश्यकता है, आकर्षक वेतन योग्यतानुसार संपर्कः नरेश ट्रेडर्स, टाटीबंध रायपुर 9827163561.(आरो-222)

हेल्पर

आवश्यकता है- भैय्या जी ढाबा (हनोदा) में कार्य करने के लिए रसोइया और हेल्पर की जरूरत है। संपर्क करें- 7000680424. (आरो-324)

हरिभूमि

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35)की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681. (आरो-209)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- स्टेशनरी दुकान में कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की समय सुबह 10:30 से रात में 9:00 बजे लक्ष्मी सेल्स स्टेशनरी गली 1, विनार बार के बाजू जय स्तंभ चौक, रायपुर फोन- 0771- 4263621, 9685431345. (आरो-814)

घरेलु कार्य/कुक

आवश्यकता है- घरेलू कार्य एवं स्वादिष्ट खाना बनाने के लिए दो महिला की आवश्यकता हैं । (१) समयः सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक , वेतन : रु 10000 प्रतिमाह (२) समयः 24 घंटे (रहकर कार्य करने हेतु) वेतन :रु 15000 प्रतिमाह आयु : 35 से 60 वर्ष तक स्थानः गुरुद्वारे के पास, नेहरू नगर, भिलाई संपर्क करें: 9826708233.(Ro-SPD/0069)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, पताः- विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड , रायपुर संपर्क समय 10:30 से 9:00, 9425522577, 9425522576.(आरो-811)

ड्राइवर

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य, वेतन 15,000 प्रतिमाह। समय : सुबह ९ बजे से रात्रि ९ बजे तक , संपर्क करें: 9826708233 ,पताः 4/17, दक्षिण गंगोत्री, पोस्ट सुपेला, भिलाई (छ.ग.) (Ro-SPD/0070)

आवश्यकता है- सुपेला भिलाई मे स्थित ब्रांडेड ऑटो रिक्शा के शोरूम मे इलेक्ट्रिक एवं डीजल ऑटो चलाने हेतु 1 अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है. अनुभवी को प्राथमिकता. वेतन योग्यतानुसार. मो. - 7909929991.(आरो-325)

कंस्ट्रक्शन कार्य

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन के कार्य की जानकारी रखने वाले व्यक्ति की कटोरा तालाब के आसपास रहने वाले व्यक्ति को प्राथमिकता पता- सनी होतवानी महादेव कंस्ट्रक्शन बबला सीमेंट हाऊस संत कंवर राम चौक कटोरा तालाब रायपुर(आरो-295)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- भर्ती जारी- नरदाहा, रायपुर, प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी हेतु जनरल सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं ऑफिस बॉय की तत्काल आवश्यकता है। आकर्षक वेतन, इंसेंटिव, PF, ESIC की सुविधा। इच्छुक उम्मीदवार अपना रिज्यूमे भेजें/ तुरन्त सम्पर्क करें - 9589000680.(आरो-41584)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य के लिए लड़कियों एवं महिलाओं की जरूरत है। पता - ST ENTERPRISES, सब्जी मार्केट पानी टंकी, यूनिहोम्स सोसायटी के सामने, भाटागांव रायपुर (छ. ग.) संपर्क करे - 9993685150, 8871740076.(आरो-816)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/ युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करे डागा पेट्रोल पंप फाफाडीह चौक स्टेशन रोड रायपुर मो. 8109135400, 9179380728.(आरो-173)

बांइडर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- फुल टाइम/ पार्ट टाइम, बाइंडर जो कि प्रिंटिंग प्रेस में कार्य करने के साथ ही, मार्केटिंग जैसे पेपर लाना तथा बनी हुई सामग्रियों को विभिन्न कार्यालयों में देना, संपर्क - अजय प्रिंटर्स, रायपुर 7509921535, 7987377198.(आरो-4778)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- किराना दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता हैं। पढ़ाई में बाधा नहीं। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- भगत किराना, गोल बाजार, रायपुर, मो. 7828644611.(आरो-001)

हरिभूमि क्लासीफाईड

कुक/मिस्त्री

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट कैफे में काम करने के लिये कुक (मिस्त्री) की आवश्यकता है. अनुभवी कुक जिसके हाथों में स्वाद हो. सैलरी 15000 से 20000, लोकेशन कुम्हारी चौक. 8982228900. (आरो-398)

अन्य

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी भर्तीपद- फॉरेस्टगार्ड , क्लर्क, वनपाल, चपरासी , हेतु 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र (18 -42) सैलरी- 26500/- - 42500/- आवेदन हेतु - मार्कसीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो , व्हाट्सएप / कॉल करे- 9005465772.(आरो-118)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Price per day Rs. 80/-
4. 10% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR Extra Charge For Display
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

10X1 FOR SIZE

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com


सब कुछ है यहां
पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले



शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।



18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

अब बदलेगा टीम इंडिया का फिटनेस सिस्टम, 10 मिनट में 2 किमी दौड़ना जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने फिटनेस पैरमीटर्स को ज्यादा चैलेंजिंग बनाने का फैसला किया है। भारतीय खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए दो तरह के टेस्ट से गुजरना होता है।

इनमें एक ब्रोंको टेस्ट और दूसरा 2 किलोमीटर की दौड़ है। ब्रोंको टेस्ट के लिए पहले 6 मिनट का समय मिलता था। अब इसे 5 मिनट 15 सेकेंड से लेकर 5 मिनट 20 सेकेंड में पूरा करना होगा। इसके ठीक बाद 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी करनी होगी।

समय में 40 सेकेंड तक की कमी की गई

ब्रोंको टेस्ट में पांच सेट होते हैं। हर सेट में खिलाड़ियों को 20 मीटर अप-डाउन, 40 मीटर अप-डाउन और 60 मीटर अप-डाउन की दौड़ लगानी होती है। यानी एक सेट में कुल 240 मीटर दौड़ना होता है। पूरे टेस्ट में इस तरह के पांच सेट लगाने होते हैं। सेट के बीच कोई ब्रेक नहीं होता। पहले पूरे टेस्ट के लिए 6 मिनट का समय था। अब इसमें 40 सेकेंड तक की कमी की गई है।

पहले यो-यो टेस्ट टीम इंडिया के लिए फिटनेस का बड़ा पैमाना था



पहले यह स्टैंड अलोन टेस्ट था

ब्रोंको टेस्ट के अलावा खिलाड़ियों को 2 किलोमीटर की रनिंग भी करनी होती है। पहले यह स्टैंड अलोन टेस्ट था। यानी इसे ब्रोंको के साथ नहीं लिया जाता था। पुराने नियम के तहत फास्ट बॉलर्स को 8 मिनट 15 सेकेंड में 2 किलोमीटर दौड़ना होता था। बाकी खिलाड़ियों के लिए 8 मिनट 30 सेकेंड का समय निर्धारित था।

ब्रोंको टेस्ट के ठीक बाद 2 किमी की रनिंग

अब 2 किलोमीटर की रनिंग ब्रोंको टेस्ट के ठीक बाद करनी होगी। समय में कुछ रियायत दी गई है। खिलाड़ी 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी कर सकते हैं। दोनों टेस्ट बैक टु बैक होंगे, लिहाजा खिलाड़ियों के लिए यह पहले से ज्यादा चैलेंजिंग है।

बार-बार इंजरी पर फिजियो से जवाब-तलब

खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने और इंग्लैंड के अनुकूल मौसम में भी मांसपेशियों में खिंचाव यानी क्रैम्प्स की शिकायतों के बाद बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया और टीम मैनेजमेंट ने टीम के फिजियो कमलेश जैन से जवाब-तलब किया है। उन्हें साफ कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी के कद या स्टार स्टेटस की परवाह किए बिना फिटनेस में कमी दिखे तो उसकी तुरंत जानकारी दें। मैनेजमेंट का मानना है कि कई खिलाड़ियों की मैदान पर मोबिलिटी घटी है और लंबे समय तक बल्लेबाजी के दौरान सीनियर बल्लेबाजों को दौड़कर रन लेने में परेशानी हो रही है।

बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) और टीम मैनेजमेंट के बीच तालमेल की कमी भी सामने आई है। बुमराह को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मैच तक फिट करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन सीओई ऐसा नहीं कर सका। वहीं सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को नए फिटनेस पैरामीटर्स की जानकारी भी देर से मिली। मोहम्मद सिराज जब श्रीलंका दौरे से पहले सीओई पहुंचे तो अचानक ब्रोंको और 2किमी टेस्ट कराए जाने से हैरान रह गए। अब गैर-टेस्ट खिलाड़ियों को भी इन्हीं नए मानकों के अनुसार तैयारी करने के लिए कहा गया है।

खबर संक्षेप

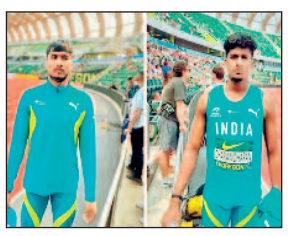

विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 के फाइनल में तीन भारतीय

यूजीन। भालाफेंक खिलाड़ी आशीष यादव और टी धरणीधरन के साथ चक्काफेंक खिलाड़ी अमानत कम्बोज ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैम्पियनशिप के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करके फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया। यादव पुरूषों के भालाफेंक ग्रुप ए क्वालीफिकेशन दौर में 69 . 87 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष पर रहे और कुल दूसरा स्थान हासिल किया । दक्षिण अफ्रीका के जान हेंडरिक हेमैंस 76 . 02 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष पर रहे । धरणीधरन 68 . 07 मीटर का थ्रो फेंककर बारहवें और आखिरी स्थान पर रहे और फाइनल में जगह बनाई। भारतीय सुपरस्टार नीरज चोपड़ा के नाम इस स्पर्धा का विश्व रिकॉर्ड है जिन्होंने 2016 में पोलैंड में 86 . 48 मीटर का थ्रो फेंका था। महिलाओं के चक्काफेंक में अमानत ने ग्रुप ए में 52 . 58 मीटर का थ्रो फेंककर छठा स्थान हासिल किया और कुल 12वें स्थान पर रहे । चीन की सू यिशिन 58 . 06 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष रही ।

मेस्सी के दो गोल से इंटर मियामी जीता



मियामी। लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप के बाद पहले दो गोल किये जिसकी मदद से इंटर मियामी ने लीग्स कप में एटलेटिको सान लुईस को 4-2 से हराया । बिजली कड़कने और बारिश के कारण दूसरे हाफ में मैच 30 मिनट के लिये रोकना पड़ा । मेस्सी ने 11वें और 44वें मिनट में गोल किये। उनके अब लीग्स कप में 12 मैचों में 14 गोल हो गए हैं । टेलास्को सेगोविया और डिफेंडर माइकल ने भी गोल दागे ।विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेस्सी अर्जेंटीना को फाइनल तक ले गए थे लेकिन स्पेन ने 1-0 से हराकर लगातार दूसरा खिताब जीतने का उनका सपना तोड़ दिया। मेस्सी का विश्व कप के बाद यह दूसरा मैच था । 39 बरस के मेस्सी शनिवार को कोलंबस क्रू के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच में 37 मिनट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर खेले थे ।

आज से श्रीलंका एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय मुकाबला

फिरकी के खिलाफ खुद को परखेंगे भारतीय बल्लेबाज



एजेंसी ▶▶ कोलंबो

भारतीय बल्लेबाज अगले सप्ताह श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले शुक्रवार को 'नॉनडिसक्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब' मैदान पर श्रीलंका एकादश के विरुद्ध खेले जाने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तैयारियों को पुख्ता कोशिश करेंगे। हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी। श्रीलंका के खिलाफ भी परिस्थितियां कुछ अलग नहीं होंगी। श्रीलंका के पास विशेष रूप से घरेलू परिस्थितियों में प्रभावी स्पिन आक्रमण है। ऐसे में 15 अगस्त से गॉल में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



हमारे पास हर चुनौती का जबाव तैयार होना चाहिए

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी खिलाड़ियों को हर पहलू पर पूरी तैयारी करने का संदेश दिया। उन्होंने बीसीसीआई की ओर से जारी वीडियो में कहा, "हमें पता है कि हमारे सामने क्या चुनौती है। हम भरपूर अभ्यास कर सकते हैं, अपनी क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ा सकते हैं, हर तैयारी पूरी कर सकते हैं और 15 अगस्त की सुबह, चाहे हम पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी, हमारे पास हर चुनौती का जवाब तैयार होना चाहिए। इसलिए अभी से हर पहलू पर पूरी तैयारी सुनिश्चित करें।"

खिलाड़ियों को तालमेल बैठाने का अवसर मिलेगा

कप्तान शुभमन गिल, लोकेश राहुल और यशस्वी जायसवाल जैसे प्रमुख बल्लेबाज श्रीलंका रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू अभ्यास केंद्रों पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास कर चुके हैं, लेकिन श्रीलंकाई पिचों पर मैच जैसी परिस्थितियों में खेलने का अनुभव उससे कहीं अधिक उपयोगी होगा। यह तीन दिवसीय मुकाबला खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों से तालमेल बैठाने का अवसर देगा।

टीम के कई खिलाड़ी पहली बार लाल गेंद से खेलेंगे

टीम के कई खिलाड़ी पहली बार श्रीलंका में लाल गेंद के क्रिकेट में उतरेंगे। भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका में टेस्ट श्रृंखला खेली थी और तब से टीम में बड़े बदलाव आ चुके हैं। मौजूदा भारतीय टीम में केवल लोकेश राहुल, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा को ही श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

मुकाबला 19 को

हॉकी विश्व कप में भारत को ड्रॉ पर रोक सकता है पाक



एजेंसी ▶▶ लाहौर

पाकिस्तान हॉकी टीम के मुख्य चयनकर्ता समीउल्लाह खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी टीम 19 अगस्त को होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को ड्रॉ पर रोक सकती है। खान ने कहा कि बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट में पहले दौर के पूल चरण से आगे बढ़ने के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण होगा। पाकिस्तान ने बुधवार को विश्व कप (15 से 30 अगस्त) के लिए 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम आठ साल बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। समीउल्लाह ने कहा, "व्यावहारिक रूप से भारत को कम से कम ड्रॉ पर रोकना हमारे लिए अहम होगा। हमारे पास वेल्स को हराने की क्षमता है लेकिन सबसे मुश्किल प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड होगा जिसकी रैंकिंग काफी ऊंची है। वहीं एफआईएच रैंकिंग में हम फिलहाल 12वें स्थान पर हैं।" पाकिस्तान के पूर्व कप्तान समीउल्लाह ने बताया कि टीम निदेशक और मुख्य कोच हरमन क्रूइस सीधे नीदरलैंड में टीम से जुड़ेंगे जहां वह टूर्नामेंट से पहले की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने क्रूइस की सहायता के लिए दो विदेशी कोच बॉब जोहान वेल्डहॉफ और क्रिस्टोफर बोवेन को भी शामिल किया है।

छत्तीसगढ़ की दो खिलाड़ी भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर



- मधु और गीता चीन में होने वाले एशिया कप में दिखाएंगी दम
- उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने दोनों खिलाड़ियों को दी बधाई

छत्तीसगढ़ के लिए खेल जगत से आज एक और बड़ी खुशखबरी आई है। बिलासपुर के खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दो खिलाड़ियों गीता यादव और मधु सिदार का चयन भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम में हुआ है। ये दोनों चीन के मोकी में आगामी 30 अगस्त से 13 सितम्बर तक होने वाले जूनियर एशिया कप में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा और दम दिखाएंगी।

खास खबर

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने गीता यादव और मधु सिदार से वीडियो-कॉल पर बात कर भारतीय टीम में चयन पर बधाई दी। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को जूनियर एशिया कप हॉकी में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामना देते हुए उनकी तैयारियों की भी जानकारी ली। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार और संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने भी दोनों खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। भारतीय जूनियर हॉकी टीम में चयनित ये दोनों ही खिलाड़ी प्रदेश की पहली आवासीय खेल अकादमी में वरिष्ठ प्रशिक्षक राकेश टोप्पो एवं मुख्य प्रशिक्षक अजीत लकड़ा से हॉकी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

ऐसा रहा है टीम इंडिया तक दोनों खिलाड़ियों का सफर

मधु सिदार

मधु सिदार जशपुर जिले के कांसाबेल के छोटे से गांव पोंगरो की रहने वाली है। उनके माता-पिता कृषक हैं। वह सब-जूनियर नेशनल चैम्पियनशिप 2024-25, स्कूल नेशनल 2024-25 तथा हरियाणा में सब-जूनियर इंटर जोन चैम्पियनशिप-2025 में भागीदारी कर चुकी हैं। उनकी टीम ने आंध्रप्रदेश में 1 अगस्त से 12 अगस्त 2025 तक आयोजित हॉकी इंडिया नेशनल चैम्पियनशिप में चतुर्थ स्थान हासिल किया था।

गीता यादव

कबीरधाम जिले के बोड़ला की गीता यादव ने हॉकी का प्रारंभिक प्रशिक्षण कोच शिवा चौहान से प्राप्त किया है। गीता के अंतरराष्ट्रीय करियर का सफर वर्ष-2024 में प्रारंभ हुआ, जब उन्होंने 12 नवम्बर से 21 नवम्बर 2024 तक नीदरलैण्ड और बेल्जियम टूर में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। उसके बाद 15 मई से 2 जून 2025 तक अर्जेंटीना टूर और 5 जुलाई से 14 जुलाई 2026 तक इंग्लैण्ड और स्कॉटलैण्ड टूर में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

चानू करेंगी कप्तानी : मिडफील्डर खाइदेम शैलेमा चानू चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले जूनियर एशिया कप में भारत की 18 सदस्यीय जूनियर महिला टीम की कप्तानी करेंगी ।

टीम : गोलकीपर : निधि, एंजिल हर्षा रानी मिंज , डिफेंडर : पूजा साहू, सुप्रिया, पूजा मलिक, पार्वती टोप्नो, मधु , मिडफील्डर : खाइदेम शैलेमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, बिनिमा धन, रोशनी इंद , गीता यादव, फॉरवर्ड : लालरिंपुइ, पूर्णिमा यादव, सुखवीर कौर, कृष्णा शर्मा, सानिका माने, मधु सिदार, रिजर्व : एफ लालबियाक्सियामी, तनुश्री कादु ।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)
UNI : IRDAN126RP0001V01201617
www.pmfby.gov.in

"किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना" खरीफ-2026 फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी® (AIC) द्वारा खरीफ 2026 में छत्तीसगढ़ के 10 जिलों (धमतरी, जशपुर, कोरबा, नारायणपुर, राजनांदगाव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कोंडागाव, महासमुंद, रायगढ़, सुरजपुर) में संचालित की जा रही है।

अधिसूचित फसलें खरीफ : ग्राम स्तर पर - धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, सोयाबीन
राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - मूंगफली, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी एवं रागी (मड़वा)

योजना की विशेषताएँ

- आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
- ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र खरीफ मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 14 अगस्त 2026 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
- अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
- जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र, 7) के सी सी (KCC)/ कृषि ऋण न लेने के संबंध में स्व-घोषणा पत्र।
- बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।

आधार अनिवार्य
किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 14.08.2026से पूर्व, बैंक में अपडेट करालें और सुनिश्चित करें कि वह DBT (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के लिए सक्षम हो। यह PMFBY के तहत अपनी बकाया क्लेम राशि (यदि कोई हो) प्राप्त करने के लिए आवश्यक है, साथ ही फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।

आवरित जोखिम

अधिसूचित क्षेत्र आधार पर	व्यक्तिगत खेत आधार पर
क) बुवाई/रोपाई नहीं होने पर : प्रतिकूल मौसम अवस्थाओं के कारण अधिसूचित क्षेत्र के 75% क्षेत्र में बुवाई न होने पर बीमित राशि का अधिकतम 25% तक क्षतिपूर्ति। केवल धान (सिंचित, असिंचित) एवं चना फसल के लिए लागू है।	क) स्थानीय आपदाएं : ओलावृष्टि, जलप्लावन (धान सिंचित एवं असिंचित फसलो में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक में शामिल नहीं है), बादल फटना और प्राकृतिक आकाशीय बिजली के कारण खड़ी फसल का नुकसान होना।
ख) फसल कटनी प्रयोग आधार पर : प्रत्येक अधिसूचित ग्राम में 04 एवं राजस्व निरीक्षक मंडल में 10 फसल कटनी प्रयोग द्वारा व्यापक आधार पर आई प्राकृतिक आपदाओं के कारण उपज में होने वाले नुकसान का आंकलन।	ख) फसल कटाई के उपरान्त नुकसान : खेत में काटकर व फैलाकर/छोटे गठरो में बांधकर सुखाने हेतु रखी गयी फसलों को फसल कटाई के पश्चात् केवल 14 दिनों के अधिकतम अवधि में- ओलावृष्टि, चक्रवात, चक्रवाती बारिश और बेमौसमी बारिश से हानि होने की स्थिति में।
अधिसूचित क्षेत्र आधार पर- फसल कटाई प्रयोग से क्षति निर्धारण :- किसान के द्वारा प्रीमियम राशि देय मात्र से दावा राशि की पात्रता नही बनती है और न ही अकाल, सुखा अनावारी रिपोर्ट के आधार पर निर्धारण किया जाता है। जबकि योजनांतर्गत बीमा दावा का निर्धारण बीमित ग्राम, राजस्व निरीक्षक मंडल एवं फसल में ग्रामीण कृषि विस्तार एवं पटवारी अधिकारी के द्वारा आयोजित ग्राम स्तर पर 4 एवं राजस्व मंडल स्तर पर 10 फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त वास्तविक उपज का थ्रेशहोल्ड उपज से तुलना उपरांत बीमा कंपनी द्वारा देय होता है। जितना प्रतिशत उपज में कमी आती है, उनके मान से दावा राशि प्रदान किया जाता है।	स्थानीय आपदाएँ एवं फसल कटाई उपरान्त नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर अपनी फसल के नुकसान की सूचना यहाँ दें :- राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ। लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। जिला/तहसील स्तर के कृषि/राजस्व कार्यालय। भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर (14447)। नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।



खरीफ	
1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	2%
2. बैंक/प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति/लोक सेवा केन्द्र/ऑनलाईन पंजीकरण/बीमा अभिकर्ता/डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने/प्रीमियम जमा/खाते से प्रीमियम कटौती / बीमा कराने की अंतिम तिथि	14/08/2026

- किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 14-08-2026 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल/डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
- योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखे एवं उद्यानिकी/कृषि/राजस्व अधिकारी/बैंक/CSC एवं ए.आई.सी क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें

किसान के नामांकन के लिए एआईसी के वेबसाइट https://www.aicofindia.com/grievance-redressal के माध्यम से किसान अधिकृत पोर्टल का उपयोग करें।

भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई-मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली-110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia aicofindialtd aicofindialtd
कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447
फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ॥
HO/25-27/1A/12

इंग्लैंड पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगी

इंग्लैंड की टीम में लॉरेंस, कार्स पोप और कुक की हुई वापसी

एजेंसी ▶▶ लंदन

इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की आगामी श्रृंखला के पहले मुकाबले के लिए डैन लॉरेंस को दो साल बाद टीम में वापसी का मौका दिया है जबकि जैकब बेथेल दाहिने घुटने की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

बेन स्टोक्स के संन्यास लेने के बाद के दौर की शुरुआत 19 अगस्त से लीड्स में होगी और सरे के बल्लेबाजी ऑलराउंडर लॉरेंस को पूर्व टेस्ट कप्तान की जगह लेने की बड़ी जिम्मेदारी संभालने का पहला मौका मिलेगा। लॉरेंस के छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना है जबकि विकेटकीपर जेमी स्मिथ उनसे एक स्थान नीचे उतर सकते हैं। बेथेल की अनुपस्थिति ने जोर्डन कॉक्स के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का



रास्ता खोल दिया है। कॉक्स भी चोट के कारण जून में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ द ओवल में टेस्ट पदार्पण कर पाए थे जहां उन्हें सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी पड़ी थी। तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स दाहिने हाथ की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-2 से गंवाई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। उन्हें इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। टेस्ट कप्तान के रूप में जो रूट की वापसी हुई है जबकि नव नियुक्त कोच स्टीफन फ्लेमिंग की अनुपस्थिति में अंतरिम कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक टीम चयन में शामिल रहे। पूर्व उपकप्तान ओली पोप की भी टीम में वापसी हुई है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला के दौरान टीम से बाहर कर दिया गया था जहां उन्होंने 20.83 की औसत से रन बनाए थे। तेज गेंदबाज सैम कुक को भी टीम में शामिल किया गया है जिन्होंने मई 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना एकमात्र टेस्ट खेला था। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर को टीम में बरकरार रखा गया है।



दिन में 3 बार रंग बदलता है शिवलिंग

इस प्रसिद्ध मंदिर में 300 साल से जल रही अखंड ज्योति



अलवर। सावन में भगवान शिव की पूजा का कीफा महत्व है। देश में भगवान शंकर के कई दिनों हैं। इन मंदिरों में कई बेहद चमत्कारी और रहस्यमयी माने जाते हैं। एक ऐसा ही भगवान शिव का मंदिर राजस्थान के अलवर में है। यहां पर भगवान दिन में तीन बार रूप बदलते हैं। सबसे खास बात यह है कि मंदिर में 300 साल से माता पार्वती और भगवान शिव के रूप में दो ज्योति लगातार जल रही है। यहां पर देश के अलग-अलग राज्यों व शहरों से लोग बड़ी सख्या भगवान के दर्शन और पूजा के लिए आते हैं। अलवर में स्थित ऐतिहासिक मंदिर का नाम श्रीत्रिपोलिया महादेव है। यहां सावन में भक्तों का जनसैलाब उमड़ता है। श्री त्रिपोलिया महादेव मंदिर



करीब 300 साल पुराना है, जो अलवर सिंह द्वार पर स्थित है। यह प्राचीन शिवालय सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि अलवर की धार्मिक पहचान है। यहां पर नर्मदेश्वर शिवलिंग विराजमान है, जिसका दिन में तीन बार रंग बदलता है। यह श्रद्धालुओं के लिए एक दिव्य चमत्कार की तरह है। मंदिर स्थापना के समय से यहां पर अखंड ज्योत जलती आ रही है। रियासत काल में राजा-महाराजाओं ने करीब 300 साल पहले इस मंदिर की स्थापना कराई थी। बताया है कि मंदिर में रोजाना अलग-अलग रूप में झांकियां सजाई जाती हैं। हर दिन सैकड़ों की संख्या में भक्त भगवान शिव के दर्शन के लिए आते हैं। बताया जाता है कि आसपास के दुकानदार मंदिर के बाहर स्थित गोमुख से जल लेकर अपनी दुकान पर छिड़काव करते हैं और फिर अपने काम की शुरुआत करते हैं। यह मंदिर बेहद चमत्कारिक माना जाता है। सावन आते ही मंदिर भक्तों की संख्या बढ़ जाती है।

रोचक खबरें

जापान के 10 साल के छात्र ने रचा इतिहास तितलियों की याद्दाश्त पर किया रिसर्च

टोक्यो। स्कूल के छात्र पढ़ाई के बाद अपना समय आमतौर पर खेलने या टीवी देखने में बिताते हैं। वहीं, जापान के कोबे में रहने वाले सिर्फ दस साल के जो नगाई ने अपना



खाली समय स्वैलोटेल तितलियों को पाल-पोसकर बड़ा करने में बिताया। पंखों के किनारों पर बने चमकीले डॉट वाली एशियन स्वैलोटेल तितलियों की देखभाल करते समय उसने इनका एक प्यारा व्यवहार देखा। जब वह उन्हें खुले में छोड़ता तो तितलियां थोड़ी देर हवा में मंडरातीं और उसके पास वापस आ जातीं। इस बात ने लड़के के मन में सवाल जगाया कि क्या तितलियां उसे पहचानती हैं। इस सवाल के जवाब में नगाई ने ऐसी रिसर्च कर डाली, जिसने दुनियाभर के विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है। जो नगाई ने इस पर वैज्ञानिक स्टडी खोजना शुरू किया। उसे पता चला कि जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की मशहूर कीट-वैज्ञानिक (एंटोमोलॉजिस्ट) डॉक्टर मार्था वीस ने सबसे पहले इस बात पर स्टडी की थी कि क्या मॉथ (पतंगे) अपने कैटरपिलर दिनों की यादें बनाए रख सकते हैं। उसने अपने सवालों के साथ वीस को एक लंबा मेल कर दिया। डॉक्टर वीस ने कम उम्र में जो नगाई की समझदारी वाली उत्सुकता से खुश होकर उन्होंने जवाब लिखा। जल्द ही उन्होंने अलग-अलग महाद्वीपों के बीच वैज्ञानिक मेंटरशिप शुरू कर दी।

चीन ने दिखाई दुनिया की सबसे खतरनाक हाइपरसोनिक मिसाइल!

बीजिंग। मिसाइल टेक्नोलॉजी के इतिहास में एक नया युग शुरू हो चुका है, और इसकी शुरुआत चीन से हुआ है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए की 99वीं वर्षगांठ पर चीन ने अपनी उस हाइपरसोनिक मिसाइल



डीएफ-17 का नया फुटेज जारी किया है, जो किसी भी दूसरे देश को परेशान कर सकती है।चीन की इस डीएफ -17 हाइपरसोनिक मिसाइल सिस्टम की नई फुटेज में कम से कम छह लॉन्च व्हीकल एक साथ दिखाई दे रहे हैं। इससे साफ संकेत मिलता है कि यह मिसाइल अब पीएलए रॉकेट फोर्स में बड़े पैमाने पर तैनात की जा चुकी है। चीनी सैन्य मामलों के एक्सपर्ट झांग जुनशे ने सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स को बताया कि डीएफ-17 चीन की मिसाइल शक्ति का एक अहम हिस्सा है और यह एडवांस एयर-डिफेंस ऑपरेशन्स को पूरी तरह से नया आकार दे सकती है। डोंग फेंग-17 यानी डीएफ -17 चीन में विकसित एक मीडियम-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है।नार्मल बैलिस्टिक री-एंट्री व्हीकल के बजाय इसमें हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल लगाया गया है। नार्मल बैलिस्टिक मिसाइलें एक तय और अनुमानित रास्ते पर चलती हैं। वहीं, डीएफ -17 सबसे पहले अपने ग्लाइड व्हीकल को ज्यादा ऊंचाई तक ले जाती है। वहां से अलग होकर ग्लाइड व्हीकल हवा में दांव-पेंच बदलते हुए मैक 5 यानी ध्वनि की रफ्तार से 5 गुना तेज या उससे भी ज्यादा रफ्तार से सीधे अपने टारगेट की तरफ बढ़ती है। अपनी अत्यधिक तेज रफ्तार और हवा में दिशा बदलने की क्षमता के कारण इसे वर्तमान मिसाइल डिफेंस सिस्टम्स द्वारा डिटेक्ट करना, ट्रैक करना और इंटरसेप्ट यानी हवा में मार गिराना बहुत मुश्किल हो जाता है।



धूप पड़ते ही हीरों की तरह जगमगाता है ये समुद्र तट

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक समुद्र तट हैं, जिनमें से कोई अपनी सफेद रेत के लिए तो कोई नीले पानी के लिए जाना जाता है। लेकिन, रूस में एक ऐसा बीच है, जिसकी चमक आंखों को चौंधिया देती है। रूस के व्लादिवोस्तोक शहर से महज 30 मिनट की दूरी पर स्थित उसूरी खाड़ी का तट आज दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस जादुई बीच को स्थानीय रूप से स्टेकल्याश्का या ग्लास बीच के नाम से जाना जाता है। यहां रेत दिखाई ही नहीं देती। चारों ओर सिर्फ रंग-बिरंगे शीशे फैले है। पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है, जैसे किसी ने किनारे पर करोड़ों कीमती और रंग-बिरंगे नगीने बिखेर दिए हों, लेकिन इसके पीछे की कहानी प्रकृति की अद्भुत कारीगरी का एक अनोखा उदाहरण है।

सोवियत काल के दौरान इस तटीय क्षेत्र का इस्तेमाल एक डंपिंग यार्ड की तरह किया जाता था। पास की एक चीनी



मिट्टी और कांच की फैक्ट्री बेकार कांच की बोतलों और चीनी मिट्टी के बर्तनों को यहीं फेंक देती थी। तो एक अन्य मान्यता के अनुसार, कांच के इस कचरे को नदियों द्वारा बहाकर समुद्र में लाया गया था। ऐसे में दशकों तक इस कचरे के कारण यह तट बेहद खतरनाक माना जाता था और लोग यहां जाने से कतराते थे। हालांकि, समय के साथ कुदरत ने अपना काम शुरू किया। प्रशांत महासागर की तूफानी लहरों, तेज हवाओं और पानी के थपेड़ों ने दशकों तक कांच के इन नुकीले टुकड़ों को आपस में रगड़ा और तराशा। लहरों के इस निरंतर प्रभाव से कांच के तीखे कोने घिसकर पूरी तरह से चिकने, गोल और हानिरहित पत्थरों में बदल गए। धूप खिलने पर ये कांच के टुकड़े मोमबत्ती और रंग-बिरंगे हीरों की तरह जगमगाते हैं।

सदा के लिए नहीं रहेगा यह अनूठा दृश्य

वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का मानना है कि प्रकृति की यह छंटाई और सफाई प्रक्रिया एक जीवंत प्रमाण है। ऐसा ही एक और प्रसिद्ध उदाहरण अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित फोर्ट ब्रैग के मैककेरिचर स्टेट पार्क में भी देखने को मिलता है, जहां 20वीं सदी के मध्य में प्रशांत महासागर की लहरों ने तटीय इलाके को खूबसूरत 'सी-ग्लास बीच' में बदल दिया था। एक्सपर्ट की मानें तो उसूरी खाड़ी का यह अनूठा दृश्य सदा के लिए नहीं रहेगा। आने वाले दशकों में महासागर की लहरें इन कांच के टुकड़ों को इतना घिस देंगी कि ये पूरी तरह से साधारण रेत के कणों में तब्दील हो जाएंगे। दुनिया भर से लाखों पर्यटक इस जादुई नजारे को अपनी आंखों से देखने और इस प्राकृतिक अजूबे को महसूस करने के लिए रूस के इस अनोखे बीच पर पहुंचते है।



रहस्यमयी शहर, जहां 44 सालों से नहीं रहता कोई इंसान

फिर हर रात कौन जलाता है स्ट्रीट लाइट?



एजेंसी ▶▶| ओटावा

दुनियाभर में कई ऐसे छोटे शहर और गांव हैं, जहां अब कोई नहीं रहता है। वीरान होने की वजह से इन जगहों को भूतिया शहर का दर्जा मिल जाता है। जब भी कोई ऐसी जगहों के बारे में बात करता है, तो दिमाग में टूटती-फूटती इमारतें, धूल से सने फर्श और घास-फूस से घिरी जगह की तस्वीर उभरती है। लेकिन, कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया के समंदर किनारे एक ऐसा रहस्यमयी शहर मौजूद है, जो इस सोच को झुठला देता है। हम बात कर रहे हैं कितसॉल्ट की, जहां पिछले 44 सालों से कोई नहीं रहता है। लेकिन, इस शहर में चमचमाते मकान, शॉपिंग सेंटर, बैंक, रेस्टोरेंट, अस्पताल और थिएटर सब कुछ मौजूद है। सड़कें एकदम चकाचक हैं, गार्डन की घास कटी हुई है और रात होते ही पूरे शहर की सड़कों पर स्ट्रीट लाइटें अपने आप जगमगाने लगती हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब यहां कोई रहता नहीं, तो ये लाइटें रात में आखिर कैसे घरों और सड़कों को रौशन करती हैं? इसका जवाब देने से पहले हम आपको इस शहर के इतिहास के बारे में बता देते हैं। दरअसल, अमेरिका की एक बड़ी माइनिंग कंपनी ने मोलिब्डेनम नाम की एक धातु के खनन के लिए जंगलों और पहाड़ों के बीच 1979 में इस हाई-टेक शहर को रातों-रात बसाया था।

खदानों को रातों-रात बंद करना पड़ा

घाटा इतना बढ़ गया कि खदानों को रातों-रात बंद करना पड़ा। काम बंद होते ही यहां रहने वाले लोग धीरे-धीरे शहर छोड़कर चले गए और साल 1982 तक यह पूरा का पूरा शहर खाली हो गया। जिस शहर को बनाने में करोड़ों रुपए खर्च किए गए थे, वह देखते ही देखते वीरान हो गया। इसके बाद साल 2005 में भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति कृष्णन सुथंतिरन की नजर इस खाली पड़े शहर पर पड़ी। उन्होंने इसे लगभग 58 करोड़ रुपए खरीद लिया। तब से लेकर अब तक वे इस शहर की देखभाल पर लगभग 200 करोड़ से अधिक खर्च कर चुके हैं। उन्होंने इस शहर को साफ-सुथरा और नया बनाए रखने के एक टीम तैनात कर रखी है। यह टीम रोजाना यहां की सड़कों की सफाई करती है, घास काटती है और मकानों के रख-रखाव का ध्यान रखती है। कृष्णन सुथंतिरन का प्लान इस रहस्यमयी शहर को आने वाले समय में लिक्विफाइड नेचुरल गैस उद्योग का एक बड़ा केंद्र बनाकर दोबारा जिंदा करने का है।





हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com